श्री
पद्मनाभ
२०४७
ज्यो.पं.प्राणनाथ त्रिपाठिशर्मणा संस्थापितम्
सप्तरसाभ्रनेत्र २०६७ मितविक्रमाब्दस्य नेपाल
हिमाल पञ्चाङ्गम्
श्रीशालिवाहनीयशकः १९३२
ईसवीय सन् २०१०-११
शोभननाम संवत्सरः ३७
श्रीनेपालसंवत् ११३०-३१
कलेर्गताब्दाः ५१११
पञ्चाङ्ग स्थापिताब्दाः ५७
राजा-भौमः
मन्त्री-बुधः
सूचना
पञ्चाङ्ग खरिदगर्दा यसमा
टाँसिएको सरस्वतीको चित्र
भएको बहुरङ्गी
होलोग्राम स्टिकर
अवश्य हेर्नुहोला ।
श्रीपद्मनाभ तनुजः
विश्वनाथ त्रिपाठिफलित
ज्योतिषाचार्येण-सम्पादितम् ।

| अंशा | ० मेष | १ वृष | २ मिथुन | ३ कर्कट | ४ सिंह | ५ कन्या | ६ तुला | ७ वृश्चिक | ८ धनु | ९ मकर | १० कुम्भ | ११ मीन | अंशा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | २।५० | ६।५० | ११।४१ | १७।१८ | २३।९ | २८।५० | ३४।३० | ४०।१७ | ४६।३ | ५१।१४ | ५५।३२ | ५९।१४ | ० |
| १ | २।५७ | ६।५९ | ११।५२ | १७।३० | २३।२० | २९।२ | ३४।४१ | ४०।२८ | ४६।१४ | ५१।२३ | ५५।४० | ५९।२१ | १ |
| २ | ३।४ | ७।८ | १२।२ | १७।४२ | २३।३२ | २९।१३ | ३४।५२ | ४०।४० | ४६।२५ | ५१।३३ | ५५।४८ | ५९।२८ | २ |
| ३ | ३।१२ | ७।१७ | १२।१३ | १७।५३ | २३।४३ | २९।२४ | ३५।४ | ४०।५२ | ४६।३६ | ५१।४२ | ५५।५६ | ५९।३५ | ३ |
| ४ | ३।१९ | ७।२६ | १२।२४ | १८।५ | २३।५५ | २९।३६ | ३५।१५ | ४१।४ | ४६।४७ | ५१।५१ | ५६।३ | ५९।४२ | ४ |
| ५ | ३।२७ | ७।३५ | १२।३५ | १८।१७ | २४।६ | २९।४७ | ३५।२७ | ४१।१५ | ४६।५८ | ५२।१ | ५६।११ | ५९।५० | ५ |
| ६ | ३।३५ | ७।४४ | १२।४६ | १८।२८ | २४।१८ | २९।५८ | ३५।३८ | ४१।२७ | ४७।९ | ५२।१० | ५६।१९ | ५९।५७ | ६ |
| ७ | ३।४२ | ७।५३ | १२।५७ | १८।४० | २४।२९ | ३०।९ | ३५।५० | ४१।३९ | ४७।२० | ५२।१९ | ५६।२६ | ०।४ | ७ |
| ८ | ३।५० | ८।२ | १३।८ | १८।५२ | २४।४१ | ३०।२१ | ३६।१ | ४१।५० | ४७।३० | ५२।२८ | ५६।३४ | ०।११ | ८ |
| ९ | ३।५८ | ८।१२ | १३।१९ | १९।४ | २४।५२ | ३०।३२ | ३६।१३ | ४२।२ | ४७।४१ | ५२।३७ | ५६।४१ | ०।१८ | ९ |
| १० | ४।५ | ८।२१ | १३।३० | १९।१५ | २५।४ | ३०।४३ | ३६।२४ | ४२।१४ | ४७।५२ | ५२।४६ | ५६।४९ | ०।२५ | १० |
| ११ | ४।१३ | ८।३० | १३।४१ | १९।२७ | २५।१५ | ३०।५४ | ३६।३६ | ४२।२५ | ४८।३ | ५२।५५ | ५६।५६ | ०।३२ | ११ |
| १२ | ४।२१ | ८।४० | १३।५२ | १९।३९ | २५।२६ | ३१।६ | ३६।४७ | ४२।३७ | ४८।१३ | ५३।३ | ५७।४ | ०।३९ | १२ |
| १३ | ४।२९ | ८।४९ | १४।३ | १९।५० | २५।३८ | ३१।१७ | ३६।५९ | ४२।४९ | ४८।२४ | ५३।१२ | ५७।११ | ०।४६ | १३ |
| १४ | ४।३७ | ८।५९ | १४।१४ | २०।२ | २५।४९ | ३१।२८ | ३७।१० | ४३।० | ४८।३४ | ५३।२१ | ५७।१९ | ०।५३ | १४ |
| १५ | ४।४५ | ९।९ | १४।२६ | २०।१४ | २६।१ | ३१।३९ | ३७।२२ | ४३।१२ | ४८।४५ | ५३।२९ | ५७।२६ | १।१ | १५ |
| १६ | ४।५३ | ९।१८ | १४।३७ | २०।२६ | २६।१२ | ३१।५१ | ३७।३४ | ४३।२३ | ४८।५५ | ५३।३८ | ५७।३३ | १।८ | १६ |
| १७ | ५।१ | ९।२८ | १४।४८ | २०।३७ | २६।२३ | ३२।२ | ३७।४५ | ४३।३५ | ४९।५ | ५३।४६ | ५७।४१ | १।१५ | १७ |
| १८ | ५।९ | ९।३८ | १५।० | २०।४९ | २६।३५ | ३२।१३ | ३७।५७ | ४३।४६ | ४९।१६ | ५३।५५ | ५७।४८ | १।२२ | १८ |
| १९ | ५।१७ | ९।४८ | १५।११ | २१।१ | २६।४६ | ३२।२५ | ३८।८ | ४३।५८ | ४९।२६ | ५४।३ | ५७।५५ | १।२९ | १९ |
| २० | ५।२५ | ९।५८ | १५।२३ | २१।१२ | २६।५७ | ३२।३६ | ३८।२० | ४४।९ | ४९।३६ | ५४।१२ | ५८।२ | १।३६ | २० |
| २१ | ५।३४ | १०।८ | १५।३४ | २१।२४ | २७।९ | ३२।४७ | ३८।३२ | ४४।२१ | ४९।४६ | ५४।२० | ५८।१० | १।४४ | २१ |
| २२ | ५।४२ | १०।१८ | १५।४६ | २१।३६ | २७।२० | ३२।५९ | ३८।४३ | ४४।३२ | ४९।५६ | ५४।२८ | ५८।१७ | १।५१ | २२ |
| २३ | ५।५० | १०।२८ | १५।५७ | २१।४७ | २७।३१ | ३३।१० | ३८।५५ | ४४।४४ | ५०।६ | ५४।३६ | ५८।२४ | १।५८ | २३ |
| २४ | ५।५९ | १०।३९ | १६।९ | २१।५९ | २७।४३ | ३३।२१ | ३९।७ | ४४।५५ | ५०।१६ | ५४।४४ | ५८।३१ | २।५ | २४ |
| २५ | ६।७ | १०।४९ | १६।२० | २२।११ | २७।५४ | ३३।३३ | ३९।१८ | ४५।६ | ५०।२६ | ५४।५३ | ५८।३८ | २।१३ | २५ |
| २६ | ६।१६ | १०।५९ | १६।३२ | २२।२२ | २८।५ | ३३।४४ | ३९।३० | ४५।१८ | ५०।३५ | ५५।१ | ५८।४६ | २।२० | २६ |
| २७ | ६।२४ | ११।१० | १६।४३ | २२।३४ | २८।१७ | ३३।५५ | ३९।४२ | ४५।२९ | ५०।४५ | ५५।९ | ५८।५३ | २।२७ | २७ |
| २८ | ६।३३ | ११।२० | १६।५५ | २२।४५ | २८।२८ | ३४।७ | ३९।५३ | ४५।४० | ५०।५५ | ५५।१७ | ५९।० | २।३५ | २८ |
| २९ | ६।४२ | ११।३१ | १७।७ | २२।५७ | २८।३९ | ३४।१८ | ४०।५ | ४५।५२ | ५१।४ | ५५।२५ | ५९।७ | २।४२ | २९ |

**नेपालदेशीय २४।१९।३७" अयनांशीया निरयण**
**प्रथम लग्नसारणी काठमण्डुपनर्गया: यत्राक्षांशा: २७।४**
**पलभा ६।१८ परमक्रान्ति: २३।२६।१७"**

आवश्यक परेका दिनको समयलाई इष्ट घ प मा बदल्ने अर्थात् इष्टकाल ल्याउने। त्यही समयको स्पष्टसूर्यको राशि तथा अंशानुसार सारणीबाट [illegible] लिने। ठाडो (माथिबाट तल) सूर्यको राशि र तेर्सो (बायाबाट दाँया) स्पष्ट सूर्यको अंश हो। दुवैको मिलन भएको कोठामा रहेको अंक नै फल हो। उक्तफलमा इष्टकाल जोड्ने र त्यस योगफल बराबरको अङ्क सारिणीमा खोज्ने, जहाँ मिल्छ त्यसैको आधारमा ठाडोजाँदा पाइएको अङ्क इष्ट लग्नको राशिको अङ्क [illegible] बायाँ जाँदा पाइएको अङ्क अंशको अङ्क हुन्छ। उक्त योग फलको तुल्य [illegible] नभेटिएमा नजिकको साना अङ्क लिने, उक्तयोगफल भन्दा धेरै (ठुलो) अङ्क [illegible] हुँदैन। योगफलतुल्य अङ्क ठ्याक्क मिलेमा कला विकला शून्य हुन्छन। [illegible] शेष रहेमा अनुपातद्वारा कला विकला ल्याउनु पर्दछ।

**उदाहरण-** मानौं कुनैदिनको सूर्योदय प्रात: ६।५० बजे छ, त्यही [illegible] १५।२० बजेको लग्नल्याउँदा- (१५।२०) - (६।५०) = ८।३०, अब ८।३० [illegible] २।३० = २१।१५ इष्ट घ प भयो। कल्पित स्पष्टसूर्यको राशि संख्या ८ [illegible] संख्या २ का आधारमा सारिणीबाट फल लिंदा ४६।२५ प्राप्त भयो [illegible] २१।१५ इष्ट घ प जोड्दा ७४० भयो। यसको सबैभन्दा नजिकको अङ्क [illegible] णीमा खोज्दा ७३५ प्राप्त भयोयसका आधारमा लग्नको राशि [illegible] स. ५ प्राप्त भयो, अब आफ्नो अभिष्ट योगफल ७४० र सारिणीबाट [illegible] स. ७३५ को अन्तर ५ छ सारिणीमा अभिष्ट क्रमागत दुई कोठाको [illegible] (७४४-७३५) = ९ छ, अब ५ अन्तरको फल कला विकलामा [illegible] निकाल्न पर्दछ- (६० X ५ ÷ ९) = ३३ कला र २० विकला प्राप्त हुन्छ [illegible] प्रकार प्राप्त सबै फललाई यथास्थानमा राख्दा अभिष्ट लग्न राश्यादि [illegible] हुन्छ। यस्तै रितले अन्य वेलाको लग्न निकाल्न सकिन्छ।

## श्री विक्रम सवत् २०६७ श्री शाके १९३२ ने सवत् ११३० शुद्धवैशाखकृष्णपक्षः (चौलागा) पापक्षांणिः रेवती, अश्विनी (अप्रैल ४ सन् २०१०) उत्तरायणं वसन्तर्तुः शोभननामक संवत्सरः

| | ग | वा | ति | घ प | बजेसम्म | न | घ प | बजेसम्म | यो | घ प | बजेसम्म | क | घ प | बजेसम्म | योगाः | व.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| वै | १ | ब | ३० | ३०।४९ | १८।२ | रे | २९।१ | १७।१९ | वै | २७।२८ | १६।४२ | कि | ६०।० | ५।४३ | उत्पात | २९।१=१७।१९ | ३१।५१ | ५।४३ | १८।२७ | 14 |

**सं. २०६७ शिववास जुर्नेदिनहरू**

**ज्येष्ठः** १४, १८, १९, २०, २२, २५, २६, २७ र ३१ गते। **आषाढः** ३, ४, ६, ९, १०, ११, १३, १६, १७, १८, २०, २४, २५, २९ र ३२ गते। **श्रावणः** १, २, ४, ६, ७, ८, ११, १४, १५, १६, १८, २१, २२, २३,२९, ३० र ३१ गते। **भाद्रः** २, ५, ६, ७, ९, १२, १३, १४, १५, १९, २०, २१, २५, २८, २९ र ३१ गते। **आश्विनः** ४, ५, ६, ८, ११, १२, १३, १५, १८, १९, २३, २६, २७ र २८ गते। **कार्तिकः** २२, २५, २६, २७ र २९ गते। **मार्गशीर्षः** २, ३, ४, ६, ९, १०, ११, १३, १६, १७, २१, २४, २५, २६ र २९ गते। **पौषः** ३, ४, ५, ७, १०, ११, १३, १६, १७, १८, २२, २५, २६, २७ र २९ गते। **माघः** २, ३, ४, ६, ९, १०, ११, १३, १६, १७, २२, २५, २६, २७ र २९ गते। **फाल्गुनः** ३, ४, ५, ७, १०, ११, १३, १६, १७, १८, २२, २६, २७, २८ र ३० गते। **चैत्रः** ३, ४ र ६ गते।

**सं. २०६७ अग्निवास जुर्नेदिनहरू**

**ज्येष्ठः** १४, १६, १८, २०, २२, २४, २६, २८ र ३० गते। **आषाढः** १, ३, ५, ६, ८, १०, १२, १४, १६, १८, २१, २२, २४, २७, २८, ३० र ३२ गते। **श्रावणः** ३, ५, ७, ११, १३, १५, १६, १८, २०, २२, २४, २८ र ३० गते। **भाद्रः** १, ३, ५, ६, ८, १०, १२, १४, १६, १८, २१, २३, २४, २६, २८, २९ र ३१ गते। **आश्विनः** २, ४, ६, ८, १०, १२, १४, १६, १७, १९, २१, २२, २५, २७ र २९ गते। **कार्तिकः** २१, २३, २५, २७ र २९ गते। **मार्गशीर्षः** १, ३, ६, ८, १०, १२, १४, १७, १९, २०, २२, २४, २७ र २८ गते। **पौषः** १, ३, ४, ६, ८, १०, ११, १३, १५, १७, १९, २२, २४, २५, २७ र २९ गते। **माघः** १, ३, ५, ७, १०, १२, १४, १७, १९, २०, २१, २४, २६ र २८ गते। **फाल्गुनः** १, ३, ५, ७, ८, १०, १२, १४, १५, १७, १९, २२, २४, २६, २८ र ३० गते। **चैत्रः** २, ५ र ७ गते।

**अधिकमासकर्त्तव्य-** यसवर्ष (स २०६७)को वैशाख २ गतदेखि ३१ गतेसम्म अधिकमास (पुरुषोत्तममास) परेको छ। यस मासमा अन्य शुभकार्यहरु वर्जित हुन्छन्। यस मासमा पुरुषोत्तम भगवानको पूजन माहात्म्य श्रवण यथाशक्ति अपूप (मालपुवा) दानको महिमा छ। अपूपदानगर्दा पुरुषोत्तम भगवानका निम्न लिखित ३३ नामले ३३ वटा मालपुवा काँशको थालीमा राख्ने, यसमा थालीले छोप्ने र दुवैलाई पहेलो कपडाले छोप्ने, त्यसमाथि काँशका कचौरामा घ्यु, कालोतील र स्वर्णप्रतिमाराखी भगवानका ३३ नामले पूजनगरी दानगर्ने। उक्त नाम- १ ॐ विष्णवेनमः, २ ॐ जिष्णवेनमः, ३ ॐ महाविष्णवेनमः, ४ ॐ हरयेनमः, ५ ॐ कृष्णायनमः,६ ॐ अधोक्षजायनमः, ७ ॐ केशवायनमः, ८ ॐ माधवायनमः, ९ ॐ रामायनमः, १० ॐ अच्युतायनमः, ११ ॐ पुरुषोत्तमायनमः, १२ ॐ गोविन्दायनमः, १३ ॐ वामनायनमः, १४ ॐ श्रीशायनमः, १५ ॐ श्रीकण्ठायनमः, १६ ॐ विश्वसाक्षिणेनमः, १७ ॐ नारायणायनमः, १८ ॐ मधुरिपवेनमः, १९ ॐ अनिरुद्धायनमः, २० ॐ त्रिविक्रमायनमः, २१ ॐ वासुदेवायनमः, २२ ॐ जगद्योनयेनमः, २३ ॐ अनन्तायनमः, २४ ॐ शेषशायिनेनमः, २५ ॐ सकर्षणायनमः, २६ ॐ प्रद्युम्नायनमः, २७ ॐ दैत्यारयेनमः, २८ ॐ विश्वतोमुखायनमः, २९ ॐ जनार्दनाय नमः, ३० ॐ धरावासाय नमः, ३१ ॐ ब्रम्हणेनमः, ३२ ॐ भास्करायनमः, ३३ ॐ श्रीपतयेनमः ॥ **दानसङ्कल्प-** अद्येहामुक गोत्रामुकशर्माहं मम पुरुषोत्तममासे विपुललक्ष्मीशौभाग्यश्चारोग्य भुक्तिमुक्ति प्राप्तये सकलशुद्धिद्वारा यथामिलितोपचारैः विष्णुरुपि सहस्राशु श्रीभगवान्पुरुषोत्तम नारायणपूजनपूर्वक मलमासपर्व निमित्तकं त्रयत्रिंशतापूपोपेतं काश्यपात्रादिसहितानिवस्तूनि पुरुषोत्तम दैवताकममुकगोत्रामुकशर्मणे पुरुषोत्तमस्वरूपिणे ब्राम्हणाय तुभ्यमहंसप्रददे। **प्रार्थनामंत्रः** विष्णुरुपिसहस्राशु सर्वपाप प्रणाशनः।अपूपान्नप्रदानेन मम पापं व्यपोहतु।नारायण जगद्विज भास्करप्रतिरुपकः। दानेनानेन पुत्राश्च संपदश्च विवर्धय। यस्यहस्तेगदाचक्रं गरुडोयस्य वाहनम्। शंखकरतले यस्य स मे विष्णुः प्रसीदतु। यसपछि ब्राम्हणलाई दक्षिणादि दिनु र कायेनवाचा आदि पाठ गर्नु।

❺ध प निवृत्ति २९।१

❶ दर्शश्राद्धं निशी तथा हलोबार्ने, अश्विन्या१मेषे र्क ७।२८ ❷ **वैशाखसंक्रान्ति**, भ पु विश्वध्वजपातनं नववर्षारम्भ ❸ (खायुसल्हु) मातातीर्थस्नान (आमाकोमुखहेर्नेदिन) ❹ चांगुनारायण छिन्नमस्ताकिलेश्वरमूलरथयात्रा ❺

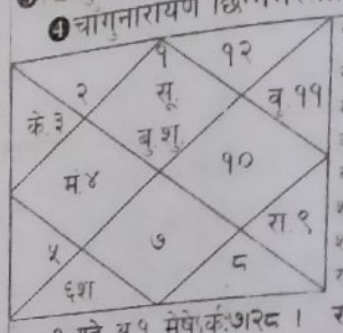


| १ | वैशाख १गते बधे अ२८ | |
|---|---|---|
| स | ०।०।०।० | ५८।[illegible] |
| म | ३।१०।५९।१२ | १७।[illegible] |
| बु | ०।१४।३२।३९ | २५।[illegible] |
| ब | १०।२७।१६।५९ | १३।[illegible] |
| शु | ०।१३।४५।३९ | ७३।[illegible] |
| श | ५।६।५।४ | ४।२[illegible] |
| रा | ८।२१।२९।५८ | ३।११ |

१ गते अ१ मेषे र्क ७।२८। **राशिप्रवेशः** १गते सूर्य१

**पापांशाः** भौमः७, शनिः११, राहुः७-केतुः१, १गते सूर्य१

**ग्रहाणा वक्रमार्गोदयास्तः** म मा उ., बु मा उ प., वृ मा उ., शु मा उ प., श व उ

**श्री संवत् २०६७ श्री शाके १९३२ ने.संवत् ११३० अधिकवैशाखशुक्लपक्षः (अनलाथ्व) पाः अश्वि. आ. पुन. ति. पूफा. उफा. (अप्रैल ४ सन् २०१०) उत्तरायणं वसन्तर्तुः शोभननामक संवत्सरः**

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | च.ग. घ.प.=बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | २ | वृ | १ | ३१।५२ | १८।२७ | अ | ३१।४० | १८।२२ | वि | २५।४४ | १६।० | किं | १।३२ | ६।१८ | मानस | मेष | ३१।५५ | ५।४२ | १८।२८ | 15 | ❶मूलरथयात्रा, मध्यपुर(ठिमी)बालकुमारी यात्रा, ❷ |
| | ३ | शु | २ | ३१।३८ | १८।२० | भ | ३३।५ | १८।५५ | प्री | २३।० | १४।५३ | बा | १।५६ | ६।२७ | मुद्गर | ४८।१४=०।५८ | ३१।५९ | ५।४१ | १८।२८ | 16 | चन्द्रोदयः, **अधिकमासापूपदानारम्भौ**, टोखा (चण्डेश्वरी) ❶ |
| प्र | ४ | श | ३ | ३०।१० | १७।४४ | कृ | ३३।१७ | १८।५९ | आ | १९।१८ | १३।२३ | तै | [illegible] | [illegible] | ध्वज | वृष | ३२।३ | ५।४० | १८।२९ | 17 | भ.पु.ब्रम्हाणीयात्रा, ❷भ.पु. महाकाली/महालक्ष्मीयात्रा, ❸ |
| | ५ | आ | ४ | २७।३३ | १६।४० | रो | ३२।२२ | १८।३६ | सौ | १४।३९ | ११।३१ | ब | ५५।४९ | ३।५९ | धाता | वृष | ३२।७ | ५।३९ | १८।२९ | 18 | भ.पु.छुमागणेशयात्रा, |
| | ६ | सो | ५ | २३।५५ | १५।१२ | मृ | ३०।२८ | १७।४९ | शो | ९।११ | ९।१८ | कौ | ५१।४५ | २।२० | आनन्द | १।३३=६।१५ | ३२।१० | ५।३८ | १८।३० | 19 | भ.२७।३३या., भ.पु.भैरवभद्रकालीयात्रा, |
| प्र | ७ | म | ६ | १९।२६ | १३।२३ | आ | २७।४५ | १६।४३ | अ | [illegible] | [illegible] | ग | ४६।५४ | ०।२३ | चर | मिथुन | ३२।१४ | ५।३७ | १८।३१ | 20 | वृषेसायनार्कः ५६।१, |
| | ८ | बु | ७ | १४।१६ | ११।१८ | पु | २४।२३ | १५।२१ | धृ | ४८।५७ | १।११ | भ | ४१।२८ | २२।११ | गद | १०।१७=९।४३ | ३२।१८ | ५।३६ | १८।३१ | 21 | त्रिपुष्करः२७।४५उ., ❺**लोकतन्त्र दिवसः**, |
| | ९ | वृ | ८ | ८।३७ | ९।२ | ति | २०।३३ | १३।४८ | शू | ४१।२५ | २२।९ | बा | ३५।३८ | १९।५० | शुभ | कर्कट | ३२।२२ | ५।३५ | १८।३२ | 22 | भ.१४।१६उ.४१।२८या., छन्द दिवसः, |
| | १० | शु | ९ | [illegible] | [illegible] | श्ले | १६।२८ | १२।९ | गं | ३३।४४ | १९।४ | तै | २९।३६ | १७।२४ | मृत्यु | १६।२८=१२।९ | ३२।२५ | ५।३४ | १८।३२ | 23 | **अष्टमीव्रतं**, गोरखकालीपूजा, |
| | ११ | श | ११ | ५०।३५ | १।४७ | म | १२।१९ | १०।२९ | वृ | २६।४ | १५।५९ | व | २३।३३ | १४।५८ | पद्म | सिंह | ३२।२९ | ५।३३ | १८।३३ | 24 | ❸ल.पु. श्रीमत्स्येन्द्रनाथरथारोहणं (बुंगद्यःरथयलैगु), |
| प्र | १२ | आ | १२ | ४४।५६ | २३।३० | पू | ८।२१ | ८।५३ | ध्रु | १८।३५ | १२।५८ | व | १७।४३ | १२।३७ | छत्र | २२।२४=१४।३० | ३२।३३ | ५।३२ | १८।३३ | 25 | भ.२३।३३उ.५०।३५या.,स्मार्त्तानां **पद्मिनी ११ व्रतं**,❻ |
| | १३ | सो | १३ | ३९।४६ | २१।२६ | उ | ४।४६ | ७।२५ | व्या | ११।२७ | १०।६ | कौ | १२।१८ | १०।२६ | श्रीवत्स | कन्या | ३२।३६ | ५।३१ | १८।३४ | 26 | वैष्णवानां **पद्मिनीएकादशीव्रतं**, त्रिपु.८।२१उ.४४।५६, |
| | १४ | म | १४ | ३५।१८ | १९।३८ | ह | [illegible] | [illegible] | ह | [illegible] | [illegible] | ग | ७।२७ | ८।२९ | सौम्य | ३०।२८=१७।४२ | ३२।४० | ५।३० | १८।३४ | 27 | **सोमप्रदोषव्रतम्**, |
| | १५ | बु | १५ | ३१।४० | १८।१० | स्वा | ५८।३ | ४।४३ | सि | ५३।२५ | २।५१ | भ | ३।२३ | ६।५१ | धूम्र | तुला | ३२।४४ | ५।२९ | १८।३५ | 28 | भ.३।२३या. (अनलापुन्हि),**पूर्णिमाव्रतम्**, |

*नोटः रात्री १ बजेबाट दिनको १२ बजेसम्मलाई १, २, ..... १२ बजे, दिन १ बाट रात्री ११ बजेसम्मलाई १३, १४, ..... २३ बजे र रात्री १२ बजेलाई ० बजेले सकेत गरिएको छ ।*

**ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः** म मा उ, बु.४व ७अ.प., बृ.मा.उ, शु.मा.उ.प., श.व.उ.

**पापांशाः** भौमः७, शनिः११, राहुः७-केतुः१, ४सूर्यः२, ७सूर्यः३, ८भौमः८, ११सूर्यः४, १४सूर्यः५,


**यो पञ्चाङ्गको प्राप्ति स्थानहरू**

**वैदिक संस्कार तथा सामाग्री प्रतिष्ठान** बिर्तामोड, झापा

**श्रेष्ठ बुक्स एण्ड न्यूज** दमक, झापा, नेपाल

**विद्या कुटिर** उलांवारी, मोरङ, नेपाल

**रमेश बुक डिपो** धरान, नेपाल


**ग्रह संचार समय घडि पलामा**

३ गते कृत्तिकायांशुक्रः ३०।२३
४ गते अश्विन्यांरसूर्यः ३२।८
४ गते वक्रीबुधः ५४।३८
६ गते कृ.२वृषेशुक्रः १४।३७
७ गते अश्विन्यांरसूर्यः ५७।१३
७ गते पश्चिमास्तोबुधः २८।१६

**ग्रह संचार समय घडि पलामा**

८ गते तिष्ये४भौमः ६।५०
१० गते पुनःअश्विन्यांबुधः५९।५४
११ गते अश्विन्यां४सूर्यः २२।४७
१३ गते पू.४मीनेगुरुः २२।२२
१४ गते रोहिण्यांशुक्रः २८।५९
१४ गते भरण्यां१सूर्यः ४८।४४

| | | | |
|---|---|---|---|
| २ | वैशाख ८गते बुध ७।४६ | | |
| सू | ०।६।५०।१४ | ५८।२७ | |
| म | ३।१३।२०।२० | २०।४ | |
| बु | ०।१४।४४।५७ | १७।४० | |
| बृ | १०।२८।५१।१६ | १२।५२ | |
| शु | १।२।१७।३६ | ७३।२ | |
| श | ५।५।३४।५३ | ४।५ | |
| रा | ८।२१।७।४१ | ३।११ | |

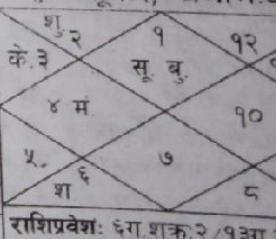


**राशिप्रवेशः** ६रा.शुक्रः२/१३रा.गुरुः१२

| | | |
|---|---|---|
| ३ | वैशाख १५गते बुधे८।२ | |
| सू | ०।१३।३८।४२ | ५८।११ |
| म | ३।१५।५८।४४ | २२।३६ |
| बु | ०।१०।१५।१० | ४३।१८ |
| बृ | ११।०।२२।४१ | १२।२६ |
| शु | १।१०।४७।१४ | ७२।४१ |
| श | ५।५।७।४७ | ३।३४ |
| रा | ८।२०।४५।२५ | ३।११ |

श्री संवत् २०६७ श्री शाके १९३२ ने.संवत् ११३० अधिकवैशाखकृष्णपक्षः (अनलागा) पाः अनु. १७. मू. पूषा. २३. रे. कृ. (अप्रैल ४-मई ५ सन् २०१०) उत्तरायणं वसन्तर्तुः शोभननामक संवत्सरः

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | च.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | १६ | वृ | १ | २९।३ | १७।६ | वि | ५७।४४ | ४।३४ | व्य | ४८।५९ | १।४ | वा | ०।१५ / ५८।९ | ५।३५ / ४।४४ | प्रवर्द्ध | ४२।४३=२२।३४ | ३२।४७ | ५।२९ | १८।३६ | 29 | |
| | १७ | शु | २ | २७।३५ | १६।३० | अ | ५८।३७ | ४।५४ | व | ४५।२९ | २३।३९ | व | ५७।१७ | ४।२३ | राक्षस | वृश्चिक | ३२।५१ | ५।२८ | १८।३६ | 30 | भ.५७।१७उ., |
| प्र | १८ | श | ३ | २७।२१ | १६।२३ | ज्ये | ६०।० | समस्त | प | ४२।५९ | २२।३९ | ब | ५७।४१ | ४।३१ | मुशल | वृश्चिक | ३२।५४ | ५।२७ | १८।३७ | 1 | भ.२७।२१या., **मजदूरदिवसः**, (मई ५ता.३१), |
| | १९ | आ | ४ | २८।२३ | १६।४७ | ज्ये | ०।४५ | ५।४४ | शि | ४१।३० | २२।२ | कौ | ५९।२१ | ५।११ | काण | ०।४५=५।४४ | ३२।५८ | ५।२६ | १८।३७ | 2 | |
| | २० | सो | ५ | ३०।४० | १७।४१ | मू | ४।७ | ७।४ | सि | ४०।५८ | २१।४८ | ग | ६०।० | ५।२५ | लुम्ब | धनु | ३३।१ | ५।२५ | १८।३८ | 3 | |
| प्र | २१ | मं | ६ | ३४।५ | १९।२ | पू | ८।३७ | ८।५१ | सा | ४१।१७ | २१।५६ | ग | २।१६ | ६।१९ | मित्र | २४।५४=१५।२२ | ३३।४ | ५।२५ | १८।३८ | 4 | भ.३४।५उ., त्रिपुष्करः३४।५उ., |
| | २२ | बु | ७ | ३८।२५ | २०।४६ | उ | १४।७ | ११।२ | शु | ४२।१८ | २२।१९ | भ | ६।१० | ७।५२ | मुद्गर | मकर | ३३।८ | ५।२४ | १८।३९ | 5 | भ.६।१०या., |
| | २३ | वृ | ८ | ४३।२१ | २२।४४ | श्र | २०।१९ | १३।३१ | शु | ४३।४६ | २२।५४ | बा | १०।५१ | ९।४३ | ध्वज | ५३।३४=२।४८ | ३३।११ | ५।२३ | १८।३९ | 6 | **अष्टमीव्रतं**, गोरखकालीपूजा, ध.पं.प्रवृत्तिः५३।३४, |
| | २४ | शु | ९ | ४८।३१ | ०।४७ | ध | २६।५३ | १६।७ | ब्र | ४५।२५ | २३।३२ | तै | १५।५७ | ११।४५ | धाता | कुम्भ | ३३।१४ | ५।२२ | १८।४० | 7 | किरॉत समाजसुधार दिवसः, |
| | २५ | श | १० | ५३।२७ | २।४४ | श | ३३।२२ | १८।४२ | ऐं | ४६।५४ | ०।७ | व | २१।३ | १३।४७ | आनन्द | कुम्भ | ३३।१७ | ५।२२ | १८।४१ | 8 | भ.२१।३उ.५३।२७या., |
| | २६ | आ | ११ | ५७।४५ | ४।२७ | पू | ३९।२१ | २१।५ | वै | ४७।५६ | ०।३१ | ब | २५।४३ | १५।३८ | चर | २२।५६=१४।३१ | ३३।२१ | ५।२१ | १८।४१ | 9 | **स्मार्त्तानां परमाएकादशीव्रतम्, कानूनदिवसः** |
| | २७ | सो | १२ | ६०।० | समस्त | उ | ४४।३२ | २३।९ | वि | ४८।१८ | ०।३९ | कौ | २९।३५ | १७।१० | गद | मीन | ३३।२४ | ५।२० | १८।४२ | 10 | **वैष्णवानां परमा एकादशीव्रतम्** |
| प्र | २८ | मं | १२ | १।१० | ५।४८ | रे | ४८।४० | ०।४८ | प्री | ४७।४९ | ०।२७ | ग | ३२।२६ | १८।१८ | शुभ | ४८।४०=०।४८ | ३३।२७ | ५।२० | १८।४२ | 11 | **प्रदोषव्रतं**, ध.पं.निवृत्तिः४८।४०, ❷अपूपदानपूर्त्तिश्च, |
| | २९ | बु | १३ | ३।२५ | ६।४१ | अ | ५१।३६ | १।५७ | आ | ४६।२२ | २३।५२ | भ | ३४।३ | १८।५६ | मृत्यु | मेष | ३३।३० | ५।१९ | १८।४३ | 12 | भ.३।२५उ.३४।३या., (अनला च.द्वेपूजा), |
| | ३० | वृ | १४ | ४।२४ | ७।४ | भ | ५३।१७ | २।३७ | सौ | ४३।५६ | २२।५३ | च | ३४।२४ | १९।४ | पद्म | मेष | ३३।३३ | ५।१८ | १८।४३ | 13 | **दर्शश्राद्धं**, निशीबार्ने, अगस्त्यास्तः२४।४४, |
| | ३१ | शु | ३० | ४।७ | ६।५६ | क | ५३।४४ | २।४७ | शो | ४०।२९ | २१।२९ | किं | ३३।२९ | १८।४१ | छत्र | ८।३२=८।४२ | ३३।३६ | ५।१८ | १८।४४ | 14 | स्नानदानादौअमावास्या, हलोबार्ने, **अधिकमासमाप्तिः**, ❷ |

**पालिखे बुक्स एण्ड स्टेशनर्स**
महेन्द्रपुल
पोखरा

**वक्रमार्गोदयास्तः** मं.मा.उ., बु.२६मा.२१.उ.पू., वृ.मा.उ., शु.मा.उ.प., श.व.उ.

**पापांशाः** भौमः८, शनिः११, राः७-केप१, १६भौमः९, १८सूर्यः६, २१सूर्यः७, २४भौः१०, २५सू.:८, २८सूर्यः९, २९राहुः६-केतुः१२

**ग्रह संचार समय घडि पलामा**
१६ गते श्लेषायां१भौमः ५१।२०
१८ गते भरण्यां२सूर्यः १५।८
२१ गते भरण्यां३सूर्यः ४१।५४
२१ गते पूर्वोदितोबुधः १७।५०
२४ गते श्लेषायां२भौमः ४५।५७
२५ गते भरण्यां४सूर्यः ९।६

**ग्रह संचार समय घडि पलामा**
२५ गते मृगशीर्षेशुक्र : ३२।३३
२६ गते मार्गीबुधः १७।२७
२८ गते कृत्तिकायां१सूर्यः ३६।४०
२९ गते उ.भा.यां१गुरुः ३६।२०
२९ गते पू.षा.यां२राहुः आर्द्रायां४केतुः २४।५१
३१ गते मृ.३मिथुनेशुक्र : ६।२५

| | वैशाख २२ गते बुधे ८।१६ | |
|---|---|---|
| सू. | ०।२०।२५।२७ | ५७।५७ |
| मं. | ३।१८।५१।४५ | २४।४५ |
| बु. | ०।५।२०।२८ | २२।३९ |
| वृ. | ११।१।५०।३९ | ११।५५ |
| शु. | १।१९।१४।२३ | ७२।२० |
| श. | ५।४।४४।२८ | २।५८ |
| रा. | ८।२०।२३।८ | ३।११ |

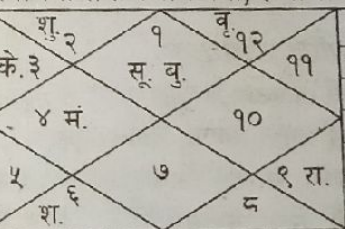


ग्रहणां राशिप्रवेशः ३१ गते शुक्रः३

| | वैशाख २९ गते बुधे ८।२८ | |
|---|---|---|
| सू. | ०।२७।१०।३६ | ५७।४३ |
| मं. | ३।२१।५७।१८ | २६।३५ |
| बु. | ०।४।५०।९ | २०।२७ |
| वृ. | ११।३।१४।३५ | ११।१९ |
| शु. | १।२७।३८।५३ | ७१।५६ |
| श. | ५।४।२५।३२ | २।१८ |
| रा. | ८।२०।०।५२ | ३।११ |

श्री संवत् २०६७ श्री शाके १९३२ ने.संवत् ११३० शुद्धवैशाखशुक्ल(विश्वघस्र)पक्षः (वछलाश्व) पाः आर्द्रा. श्लेषा. उफा. अनु. (मई ५ सन् २०१०) उत्तरायणं ग्रीष्मर्तुः शोभननामक संवत्सरः

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | च.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ज्ये | १ | श | १ | २।३५ / ५९।५३ | ६।१९ / ५।१४ | रो | ५३।३ | २।३० | अ | ३६।६ | १९।४३ | बा | ३१।२२ | १७।५० | श्रीवत्स | वृष | ३३।३९ | ५।१७ | १८।४५ | 15 | ❶ श्रीपरशुरामजयन्ती, लूभू श्रीमहालक्ष्मी भैरवयात्रा, |
| | २ | आ | ३ | ५६।१२ | ३।४५ | मृ | ५१।२१ | १।४९ | सु | ३०।५१ | १७।३७ | तै | २८।१० | १६।३३ | सौम्य | २२।२०=१४।१२ | ३३।४१ | ५।१७ | १८।४५ | 16 | चन्द्रोदयः वृषेऽर्कः४।३८ (ज्येष्ठसंक्रान्ति), द्विपुष्करः❶ |
| | ३ | सो | ४ | ५१।३९ | १।५६ | आ | ४८।४७ | ०।४७ | धृ | २४।५१ | १५।१३ | व | २४।२ | १४।५३ | काल | मिथुन | ३३।४४ | ५।१६ | १८।४६ | 17 | अक्षय ३, त्रेतायुगादिः युगादिश्राद्धं, धर्मघटादिदानं,❶ |
| प्र | ४ | मं | ५ | ४६।२६ | २३।५० | पु | ४५।३१ | २३।२८ | शू | १८।१४ | १२।३३ | ब | १९।८ | १२।५५ | स्थिर | ३१।२४=१७।४९ | ३३।४७ | ५।१६ | १८।४६ | 18 | भ.२४।२उ.५१।३९या., ❶५३।३उ.५९।५३या., |
| | ५ | बु | ६ | ४०।४३ | २१।३२ | ति | ४१।४६ | २१।५७ | गं | ११।८ | ९।४२ | कौ | १३।३८ | १०।४२ | मातङ्ग | कर्कट | ३३।४९ | ५।१५ | १८।४७ | 19 | श्रीआद्यशंकराचार्यजयन्ती, श्रीरामानुजाचार्य जयन्ती,❷ |
| प्र | ६ | वृ | ७ | ३४।४१ | १९।७ | श्ले | ३७।४२ | २०।१९ | वृ | ३।४१ / ५६।२ | ६।४३ / ३।३९ | ग | ७।४४ | ८।२० | अमृत | ३७।४२=२०।१९ | ३३।५२ | ५।१५ | १८।४७ | 20 | ❸सौरात्क्रोधीनामकसंवत्सरः प्रविष्टः५७७, भ.३४।४१उ.श्रीगङ्गोत्पत्तिः गङ्गा ७, मिथुनेसायनार्कः ५९।१४, |
| | ७ | शु | ८ | २८।३२ | १६।३९ | म | ३३।३२ | १८।३९ | व्या | ४८।२३ | ०।३५ | भ | ११।३७ / ५५।२८ | ५।५३ / ३।२५ | कौण | सिंह | ३३।५५ | ५।१४ | १८।४८ | 21 | भ.१।३७या., अष्टमीव्रतं, गो.का.पूजा,श्रीपशुपतेदमनार्पणं, |
| | ८ | श | ९ | २२।२९ | १४।१३ | पू | २९।२९ | १७।१ | ह | ४०।५२ | २१।३५ | तै | ४९।३३ | १।३ | लुम्ब | ४३।३१=२२।३८ | ३३।५७ | ५।१४ | १८।४८ | 22 | श्रीसीताजयन्ती, ❷ल.पु. मत्स्येन्दनाथरथयात्रारम्भः, ❸ |
| | ९ | आ | १० | १६।४४ | ११।५५ | उ | २५।४६ | १५।३२ | व | ३३।४० | १८।४१ | व | ४४।१ | २२।५० | मित्र | कन्या | ३३।५९ | ५।१३ | १८।४९ | 23 | भ.४४।१उ., |
| | १० | सो | ११ | ११।२८ | ९।४८ | ह | २२।३४ | १४।१५ | सि | २६।५५ | १५।५९ | ब | ३९।५ | २०।५१ | वज्र | ५१।१३=१।४२ | ३४।२ | ५।१३ | १८।५० | 24 | भ.११।२८या., मोहिनीएकादशीव्रतम् |
| प्र | ११ | मं | १२ | ६।५३ | ७।५८ | चि | २०।५ | १३।१४ | व्य | २०।४६ | १३।३१ | कौ | ३४।५६ | १९।१० | ध्वांक्ष | तुला | ३४।४ | ५।१२ | १८।५० | 25 | प्रदोषव्रतं, कोकाकौशिकीसंगममा मत्स्यदर्शनम्,❺ |
| | १२ | बु | १३ | ३।८ | ६।२७ | स्वा | १८।२८ | १२।३५ | व | १५।१९ | ११।२० | ग | ३१।३७ | १७।५१ | धूम्र | तुला | ३४।६ | ५।१२ | १८।५१ | 26 | श्रीनृसिंहजयन्ती, ❺द्विपुष्करः ६।५३या., |
| | १३ | वृ | १४ | ०।२३ / ५८।४५ | ५।२१ / ४।४२ | वि | १७।५३ | १२।२१ | प | १०।४३ | ९।२९ | भ | २९।२५ | १६।५८ | प्रवर्द्ध | २।५६=६।२२ | ३४।८ | ५।१२ | १८।५१ | 27 | भ.०।२३उ.२९।२५या., पूर्णिमाव्रतं, कूर्मजयन्ती,❼ |

❼चण्डीपूर्णिमा, गौतमबुद्धजयन्ती, वैशाखस्नानसमाप्तिः (स्वाँयापून्हि) बन्दिकापुरेचण्डेश्वरीरथयात्रा, घाटुनृत्यविसर्जनं, उभौलीपर्व (किराँतसमुहको), स्याङ्जा लसर्घा आलमदेवीपूजा,

*नोटः रात्री १ बजेबाट दिनको १२ बजेसम्मलाई १, २, ..... १२ बजे, दिन १ बाट रात्री ११ बजेसम्मलाई १३, १४, ..... २३ बजे र रात्री १२ बजेलाई ० बजेले संकेत गरिएको छ।*

ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः मं.मा.उ., बु.मा.उ.पू., वृ.मा.उ., शु.मा.उ.प., श.व.उ.

पापांशाः भौमः१०, शनिः११, राहुः६-केतुः१२, १सूर्यः१०-भौमः११, ४सूर्यः११, ८सूर्यः१२-भौमः१२, ११सूर्यः१,

**यो पञ्चाङ्गको प्राप्ति स्थानहरू**

**मास्के पुस्तक भण्डार** नारायणगढ़, चितवन, नेपाल
**दिलमाया पुस्तक भण्डार** नारायणगढ़, चितवन
**स्टेशनरी स्टोर्स** नारायणगढ़, चितवन, नेपाल
**धार्मिक पुस्तक पसल** मेनरोड-नारायणगढ़,
**अरूण पुस्तक भण्डार** नारायणगढ़, चितवन, नेपाल

**ग्रह संचार समय घडि पलामा**

१ गते कृ.२वृषेऽर्कः ४।३८
१ गते श्लेषायां३भौमः ८।०
४ गते कृत्तिकायां३सूर्यः ३२।५५
५ गते आर्द्रायांशुक्रः ४१।४७
८ गते कृत्तिकायां४सूर्यः १।३५
८ गते श्लेषायां४भौमः ६।४४
८ गते भरण्यां बुधः ५१।९
११ गते रोहिण्यां१सूर्यः ३०।३३

**यस पञ्चाङ्गमा व्यावसायिक विज्ञापन प्रकाशित गर्नु परेमा ९८४१५५१६९९ मा सम्पर्क गरौं**

| | | |
|---|---|---|
| ६ | ज्येष्ठ ५ गते बुधे ८।३८ | |
| सू. | १।३।५४।१५ | ५७।३० |
| मं. | ३।२५।१३।४७ | २८।११ |
| बु. | ०।९।२१।५६ | ५६।४० |
| वृ. | ११।४।३३।५२ | १०।३९ |
| शु. | २।६।०।३२ | ७१।३१ |
| श. | ५।४।११।२८ | १।३५ |
| रा. | ८।१९।३८।३६ | ३।११ |

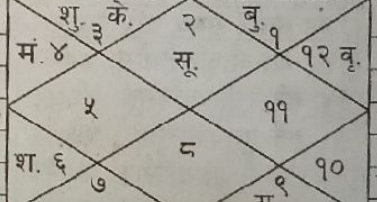


ग्रहणां राशिप्रवेशः १गते सूर्यः२

| | | |
|---|---|---|
| ७ | ज्येष्ठ १२ गते बुधे ८।४५ | |
| सू. | १।१०।३६।३१ | ५७।१९ |
| मं. | ३।२८।३९।४३ | २९।३३ |
| बु. | ०।१७।३१।५८ | ८०।४२ |
| वृ. | ११।५।४७।५० | ९।५३ |
| शु. | २।१४।१९।७ | ७१।४ |
| श. | ५।४।२।३७ | ०।४९ |
| रा. | ८।१९।१६।२० | ३।११ |

श्री विक्रम संवत् २०६७ श्री शाके १९३२ ने.संवत् ११३० ज्येष्ठकृष्णपक्षः(वछलागा) पाः अनु. पूषा. अभि. २२. रे. भ. मृ. (मई ५- जून ६ सन् २०१०) उत्तरायणं गीष्मर्तुः शोभननामक संवत्सर

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजसम्म | योगाः | च.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | १४ | शु | १ | ५८।२२ | ४।३२ | अ | १८।२७ | १२।३४ | शि | ७।२ | ८।० | बा | २८।२५ | १६।३३ | राक्षस | वृश्चिक | ३४।१० | ५।११ | १८।५२ | 28 | |
| | १५ | श | २ | ५९।१५ | ४।५३ | ज्ये | २०।१५ | १३।१७ | सि | ४।२१ | ६।५६ | तै | २८।३९ | १६।३९ | मुशल | २०।१५=१३।१७ | ३४।१२ | ५।११ | १८।५२ | 29 | गणतन्त्र दिवसः , |
| | १६ | आ | ३ | ६०।० | समस्त | मू | २३।१८ | १४।३० | सा | २।४१ | ६।१५ | व | ३०।१० | १७।१५ | सिद्धि | धनु | ३४।१४ | ५।११ | १८।५३ | 30 | भ.३०।१०उ., |
| प्र | १७ | सो | ३ | १।२४ | ५।४४ | पू | २७।३२ | १६।१२ | शु | १।५९ | ५।५८ | ब | ३२।५३ | १८।२० | उत्पात | ४३।४६=२२।४१ | ३४।१६ | ५।११ | १८।५३ | 31 | भ.१।२४या., |
| | १८ | मं | ४ | ४।४० | ७।२ | उ | ३२।४८ | १८।१८ | शु | २।११ | ६।३ | कौ | ३६।३९ | १९।५० | मानस | मकर | ३४।१८ | ५।१० | १८।५४ | 1 | (जून ६ ता.३०) मंगल ४ व्रतम्, |
| | १९ | बु | ५ | ८।५१ | ८।४३ | श्र | ३८।५१ | २०।४३ | ब्र | ३।६ | ६।२५ | ग | ४१।१२ | २१।३९ | छत्र | मकर | ३४।१९ | ५।१० | १८।५४ | 2 | |
| | २० | वृ | ६ | १३।४० | १०।३८ | ध | ४५।२० | २३।१८ | ऐं | ४।३२ | ६।५९ | भ | ४६।१२ | २३।३९ | श्रीवत्स | १२।४=१०।० | ३४।२१ | ५।१० | १८।५५ | 3 | भ.१३।४०उ.४६।१२या., ध.पं.प्रवृतिः१२।४, |
| | २१ | शु | ७ | १८।४५ | १२।४० | श | ५१।५१ | १।५४ | वै | ६।१२ | ७।३९ | बा | ५१।१३ | १।३९ | सौम्य | कुम्भ | ३४।२३ | ५।१० | १८।५५ | 4 | अष्टमीव्रतम्, |
| | २२ | श | ८ | २३।३६ | १४।३६ | पू | ५७।५८ | ४।२१ | वि | ७।४६ | ८।१६ | तै | ५५।४९ | ३।३० | काल | ४१।३०=२१।४६ | ३४।२४ | ५।१० | १८।५५ | 5 | गोरखकालीपूजा, |
| | २३ | आ | ९ | २७।५२ | १६।१८ | उ | ६०।० | समस्त | प्री | ८।५७ | ८।४५ | व | ५९।४० | ५।२ | स्थिर | मीन | ३४।२५ | ५।१० | १८।५६ | 6 | भ.५९।४०उ. |
| | २४ | सो | १० | ३१।१३ | १७।३९ | उ | ३।२१ | ६।३० | आ | ९।३० | ८।५८ | ब | ६०।० | ५।९ | गद | मीन | ३४।२७ | ५।१० | १८।५६ | 7 | भ.३१।१३या., |
| | २५ | मं | ११ | ३३।२७ | १८।३२ | रे | ७।४३ | ८।१५ | सौ | ९।१४ | ८।५१ | ब | २।२९ | ६।९ | शुभ | ७।४३=८।१५ | ३४।२८ | ५।१० | १८।५७ | 8 | अपराएकादशीव्रतम्, ध.पं.निवृत्तिः७।४३, |
| प्र | २६ | बु | १२ | ३४।२६ | १८।५६ | अ | १०।५४ | ९।३१ | शो | ८।१ | ८।२२ | कौ | ४।६ | ६।४८ | मृत्यु | मेष | ३४।२९ | ५।९ | १८।५७ | 9 | प्रदोषव्रतम्, |
| | २७ | वृ | १३ | ३४।८ | १८।४९ | भ | १२।५१ | १०।१८ | अ | ५।४८ | ७।२९ | ग | ४।२६ | ६।५६ | पद्म | २८।८=१६।२५ | ३४।३० | ५।९ | १८।५७ | 10 | भ.३४।८उ., (सिथि चःह्रेपूजा), |
| | २८ | शु | १४ | ३२।३६ | १८।१२ | कृ | १३।३३ | १०।३५ | सु | २।३५ / ५८।२४ | ६।११ / ४।३१ | भ | ३।३१ | ६।३४ | छत्र | वृष | ३४।३१ | ५।९ | १८।५८ | 11 | भ.३।३१या., |
| | २९ | श | ३० | २९।५५ | १७।८ | रो | १३।६ | १०।२४ | शू | ५३।२० | २।३० | च | १।२४ / ५८।१२ | ५।४३ / ४।२६ | श्रीवत्स | ४२।२८=२२।९ | ३४।३२ | ५।९ | १८।५८ | 12 | दर्शश्राद्धं, वटसावित्रीव्रतं, निशी तथा हलोबार्ने, |

**वक्रमार्गोदयास्तः** मं.मा.उ., बु.मा.२७ अ.पू., बृ.मा.उ., शु.मा.उ.प., श.२०मा.उ.

**पापांशाः** शनिः११, राहुः६-केतुः१२, १४सूर्यः२-भौमः१, १८सूर्यः३, २१सूर्यः४-भौमः२, २५.सूर्यः५, २७भौमः३, २८सूर्यः६,

**ग्रह संचार समय घडि पलामा**

१४ गते म.१सिंहेभौमः ४८।२
१४ गते रोहिण्यांरसूर्यः ५९।५०
१६ गते पुनर्वसौशुक्र : ५७।३५
१७ गते उ.भा.यांरगुरुः २७।२७
१८ गते कृत्तिकायांबुधः १८।३२
१८ गते रोहिण्यांरसूर्यः २९।२५

**ग्रह संचार समय घडि पलामा**

२० गते कृ.रवृषेबुधः २२।१
२० गते मार्गीशनिः १।१३
२१ गते मघायांरभौमः १५।४३
२१ गते रोहिण्यां४सूर्यः ५९।१५
२५ गते पु.४कर्कटेशुक्रः २९।३१
२५ गते मृगशीर्षे१सूर्यः २९।२०

**ग्रह संचार समय घडि पलामा**

२६ गते रोहिण्यांबुधः १२।११
२७ गते मघायांरभौमः ३२।२४
२७ गते पूर्वास्तोबुधः २५।३५
२८ गते तिष्येशुक्रः २१।१५
२८ गते मृगशीर्षेरसूर्यः ५९।३९

| ८ | ज्येष्ठ १९ गते बुधे ८।५० | |
|---|---|---|
| सू. | १।१७।१७।३५ | ५७।१० |
| मं. | ४।२।१३।५१ | ३०।४५ |
| बु. | ०।२८।०।३६ | ९५।४२ |
| बृ. | ११।६।५५।४९ | ९।२ |
| शु. | २।२२।३४।२० | ७०।३४ |
| श. | ५।३।५९।१० | ०।३ |
| रा. | ८।१८।५४।४ | ३।११ |

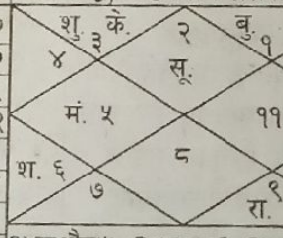


१४ग.भौमः५ / २०ग.बुधः२ / २५ग.शुक्रः४

| ९ | ज्येष्ठ २६ गते बुधे ८।५२ | |
|---|---|---|
| सू. | १।२३।५७।३६ | ५७।२ |
| मं. | ४।५।५५।१२ | ३१।४८ |
| बु. | १।९।५४।७ | १०४।४५ |
| बृ. | ११।७।५७।८ | ८।५ |
| शु. | ३।०।४५।५३ | ७०।१ |
| श. | ५।४।१।१५ | ०।४४ |
| रा. | ८।१८।३१।४८ | ३।११ |

**श्री विक्रम संवत् २०६७ श्री शाके १९३२ ने.संवत् ११३० ज्येष्ठशुक्लपक्षः (तछलाथ्व) पाः मृ. आ. म. उफा. पूषा. (जून ६ सन् २०१०) उत्तरायणं ग्रीष्मर्तुः शोभननामक संवत्सरः**

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | चरा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ३० | आ | १ | २६।१४ | १५।३९ | मृ | ११।३५ | ९।४८ | गं | ४७।३० | ०।९ | बा | ५४।३ | २।४७ | सौम्य | मिथुन | ३४।३३ | ५।९ | १८।५९ | 13 | ❺कर्कटेसायनार्क:२८।३४, |
| | ३१ | सो | २ | २१।४० | १३।५० | आ | ९।११ | ८।५० | वृ | ४१।० | २१।३४ | तै | ४९।७ | ०।४८ | काल | ५१।५३=१।५५ | ३४।३३ | ५।९ | १८।५९ | 14 | चन्द्रोदयः, **दशहरास्नानारम्भः**, |
| प्र | १ | मं | ३ | १६।२५ | ११।४४ | पु | ६।२ | ७।३५ | ध्रु | ३४।० | १८।४६ | व | ४३।३६ | २२।३६ | स्थिर | कर्कट | ३४।३४ | ५।१० | १८।५९ | 15 | ❸वज्रगुरु पद्मसंभवजयन्ती,❺ |
| आ | २ | बु | ४ | १०।४० | ९।२६ | ति | ३।३१ / ५८।२० | ६।६ / ४।२९ | व्या | २६।३७ | १५।४९ | ब | ३७।३९ | २०।१३ | मातङ्ग | ५८।२०=४।२९ | ३४।३४ | ५।१० | १८।५९ | 16 | भ.४३।३६उ., मिथुनेऽर्क:३०।८ (**आषाढसंक्रान्ति**), |
| | ३ | वृ | ५ | ४।३५ / ५८।२२ | ७।० / ४।३१ | म | ५४।८ | २।४९ | ह | १९।१ | १२।४६ | कौ | ३१।२९ | १७।४५ | मुशल | सिंह | ३४।३५ | ५।१० | १९।० | 17 | भ.१०।४०या., ❷रु रु(रिडी)क्षेत्रे हृषीकेशोत्सवः,❸ |
| प्र | ४ | शु | ७ | ५२।१५ | २।४ | पू | ५०।१ | १।१० | व | ११।२२ | ९।४३ | ग | २५।१७ | १५।१७ | सिद्धि | सिंह | ३४।३५ | ५।१० | १९।० | 18 | कुमारषष्ठी, भ.पु.चण्डीभगवतीयात्रा, (सिथिनखः), |
| | ५ | श | ८ | ४६।२५ | २३।४४ | उ | ४६।११ | २३।३९ | सि | ३।४९ / ५६।३४ | ६।४२ / ३।४७ | भ | १९।१७ | १२।५३ | उत्पात | ४।१=६।४७ | ३४।३६ | ५।१० | १९।० | 19 | भ.५२।१५उ., कुमारयात्रा, |
| | ६ | आ | ९ | ४१।४ | २१।३६ | ह | ४२।५० | २२।१८ | व | ४९।४३ | १।३ | बा | १३।४० | १०।३८ | मानस | कन्या | ३४।३६ | ५।१० | १९।० | 20 | भ.१९।१७या., **अष्टमीव्रतं**, वायुः ८, गोरखकालीपूजा, |
| | ७ | सो | १० | ३६।२२ | १९।४३ | चि | ४०।८ | २१।१४ | प | ४३।२६ | २२।३३ | तै | ८।३७ | ८।३७ | मुद्गर | ११।२३=९।४४ | ३४।३६ | ५।१० | १९।१ | 21 | ❼भूमिरजः, त्रिपुष्करः३८।१७उ., |
| | ८ | मं | ११ | ३२।२९ | १८।१० | स्वा | ३८।१७ | २०।२९ | शि | ३७।५१ | २०।१९ | व | ४।१८ | ६।५४ | ध्वज | तुला | ३४।३६ | ५।११ | १९।१ | 22 | **गंगादशहरा** १० रामेश्वरपूजा, हत्यामोचनस्नानं,❷ |
| प्र | ९ | बु | १२ | २९।३६ | १७।१ | वि | ३७।२६ | २०।९ | सि | ३३।५ | १८।२५ | ब | ०।५५ / ५८।३५ | ५।३३ / ४।३७ | धाता | २२।३३=१४।१२ | ३४।३६ | ५।११ | १९।१ | 23 | भ.४।१८उ.३२।२९या., **निर्जला११व्रतं**, तुलसीवीजारोपणं,❼ |
| | १० | वृ | १३ | २७।५१ | १६।१९ | अ | ३७।४२ | २०।१६ | सा | २९।१४ | १६।५२ | ग | ५७।२५ | ४।९ | आनन्द | वृश्चिक | ३४।३५ | ५।११ | १९।१ | 24 | **प्रदोषव्रतम्**, |
| | ११ | शु | १४ | २७।१८ | १६।७ | ज्ये | ३९।१२ | २०।५२ | शु | २६।२१ | १५।४४ | भ | ५७।३१ | ४।१२ | चर | ३९।१२=२०।५२ | ३४।३५ | ५।११ | १९।१ | 25 | ❹पनौती भैरव-भद्रकाली इन्द्रेश्वरयात्रा, |
| | १२ | श | १५ | २८।२ | १६।२४ | मू | ४१।५६ | २१।५८ | शु | २४।३० | १४।५९ | बा | ५८।५३ | ४।४५ | गद | धनु | ३४।३५ | ५।११ | १९।१ | 26 | भ.२७।१८उ.५७।३१या., **पूर्णिमाव्रतं**, भूमिपूजा, गैडुपूजा, मष्टोपूर्णिमा(ज्यापून्हि) मन्वादिः पनौतीस्नानं❹ |

*नोटः रात्री १ बजेबाट दिनको १२ बजेसम्मलाई १, २, ..... १२ बजे, दिन १ बाट रात्री ११ बजेसम्मलाई १३, १४, ..... २३ बजे र रात्री १२ बजेलाई ० बजेले संकेत गरिएको छ।*

**ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः** मं.मा.उ., बु.मा.अ.पू., वृ.मा.उ., शु.मा.उ.प., श.मा.उ.

**पापांशाः** शनिः११, राहुः६-केतुः१२, १सूर्यः७, २भौमः४, ५सूर्यः८, ८सूर्यः९-भौमः५, १२सूर्यः१०,

***यो फञ्चाङ्गको प्राप्ति स्थानहरूः***

**पोखरा साहित्य सदन** महेन्द्रपुल, पोखरा, नेपाल
**गोरखापत्र बाजे** महेन्द्रपुल, पोखरा, नेपाल
**जोशी पुस्तक पसल** महेन्द्रपुल, पोखरा, नेपाल
**सरस्वती पुस्तक पसल** पालिखेचोक, पोखरा, नेपाल

**ग्रह संचार समय घडि पलामा**

१ गते मृ.३मिथुनेऽर्कः ३०।८
२ गते मघायां४भौमः ३९।५९
२ गते मृगशीर्षेबुधः ३२।८
५ गते मृगशीर्षे४सूर्यः ०।४८
६ गते मृ.३मिथुनेबुधः ६।३

**ग्रह संचार समय घडि पलामा**

८ गते आर्द्रायां१सूर्यः ३१।३७
८ गते पू.फा.यां१भौमः ३९।५०
८ गते श्लेषायांशुक्र : ५४।२६
९ गते आर्द्रायांबुधः ३८।१
१२ गते आर्द्रायां२सूर्यः २।३२

| १० | आषाढ २ गते बुधे ८।५१ | |
|---|---|---|
| सू. | २।०।३६।४६ | ५६।५६ |
| मं. | ४।९।४२।५४ | ३२।४४ |
| बु. | १।२२।३६।४८ | १०९।५३ |
| वृ. | ११।८।५१।४ | ७।४ |
| शु. | ३।८।५३।२२ | ६९।२४ |
| श. | ५।४।८।५० | १।३० |
| रा. | ८।१८।९।३३ | ३।११ |

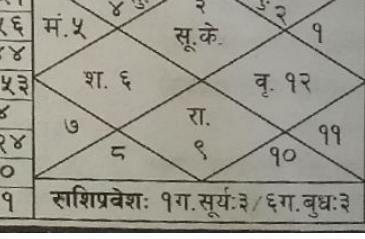


**राशिप्रवेशः** १ग.सूर्यः३/६ग.बुधः३

| ११ | आषाढ ९ गते बुधे ८।४९ | |
|---|---|---|
| सू. | २।७।१५।१७ | ५६।५२ |
| मं. | ४।१३।३६।१६ | ३३।३४ |
| बु. | २।५।४४।४६ | ११२।१० |
| वृ. | ११।९।३६।५७ | ५।५७ |
| शु. | ३।१६।५६।२९ | ६८।४४ |
| श. | ५।४।२१।४८ | २।१५ |
| रा. | ८।१७।४७।१७ | ३।११ |

श्री विक्रम संवत् २०६७ श्री शाके १९३२ ने.संवत् ११३० आषाढकृष्णपक्षः (तछलागा) पाः पूषा. रे. अश्वि. आ. पुन. (जून ६-जुलाई ७ सन् २०१०) उत्तरायणं ग्रीष्मर्तुः शोभननामक संवत्सरः

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | च.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | १३ | आ | १ | ३०।२ | १७।१२ | पू | ४५।५३ | २३।३३ | ब्र | २३।३७ | १४।३९ | तै | ६०।० | ५।१२ | शुभ | धनु | ३४।३४ | ५।१२ | १९।२ | 27 | त्रिपुष्करः४५।५३उ., |
| | १४ | सो | २ | ३३।९ | १८।२८ | उ | ५०।५५ | १।३४ | ऐं | २३।३९ | १४।४० | तै | १।२७ | ५।४७ | मृत्यु | २।२=६।१ | ३४।३४ | ५।१२ | १९।२ | 28 | |
| प्र | १५ | मं | ३ | ३७।१४ | २०।६ | श्र | ५६।४७ | ३।५५ | वै | २४।२८ | १४।५९ | व | ५।५ | ७।१४ | लुम्ब | मकर | ३४।३३ | ५।१२ | १९।२ | 29 | भ.५।५उ.३७।१४या., |
| | १६ | बु | ४ | ४१।५८ | २२।० | ध | ६०।० | समस्त | वि | २५।४९ | १५।३२ | ब | ९।३२ | ९।१ | मित्र | २९।५६=१७।११ | ३४।३३ | ५।१३ | १९।२ | 30 | धनिष्ठा पञ्चक प्रवृत्तिः२९।५६, |
| | १७ | वृ | ५ | ४६।५८ | ०।० | ध | ३।१० | ६।२९ | प्री | २७।२८ | १६।१२ | कौ | १४।२७ | ११।० | श्रीवत्स | कुम्भ | ३४।३२ | ५।१३ | १९।२ | 1 | (जुलाई ७ ता.३१), |
| | १८ | शु | ६ | ५१।४९ | १।५७ | श | ९।४२ | ९।६ | आ | २९।६ | १६।५२ | ग | १९।२६ | १३।० | सौम्य | ५९।२६=५।० | ३४।३१ | ५।१३ | १९।२ | 2 | भ.५१।४९उ., ❻देवपत्तने त्रिशूलयात्रा, |
| प्र | १९ | श | ७ | ५६।५ | ३।४० | पू | १५।५५ | ११।३६ | सौ | ३०।२३ | १७।२३ | भ | २४।२ | १४।५० | काल | मीन | ३४।३० | ५।१४ | १९।२ | 3 | भ.२४।२या. त्रिपुष्करः१५।५५या., |
| | २० | आ | ८ | ५९।२८ | ५।१ | उ | २१।२८ | १३।४९ | शो | ३१।४ | १७।४० | बा | २७।५४ | १६।२३ | स्थिर | मीन | ३४।२९ | ५।१४ | १९।२ | 4 | **अष्टमीव्रतं**, गोरखकालीपूजा, भलभल अष्टमी, ❻ |
| | २१ | सो | ९ | ६०।० | समस्त | रे | २६।४ | १५।४० | अ | ३०।५८ | १७।३८ | तै | ३०।४५ | १७।३२ | मातङ्ग | २६।४=१५।४० | ३४।२८ | ५।१४ | १९।२ | 5 | ध.पं.निवृत्तिः२६।४, |
| | २२ | मं | ९ | १।४४ | ५।५६ | अ | २९।३१ | १७।३ | सु | २९।५७ | १७।१३ | व | ३२।२५ | १८।१३ | अमृत | मेष | ३४।२७ | ५।१५ | १९।१ | 6 | भ.३२।२५उ., |
| | २३ | बु | १० | २।४६ | ६।२२ | भ | ३१।४४ | १७।५७ | धृ | २७।५५ | १६।२५ | ब | ३२।५० | १८।२३ | काण | ४७।६=०।६ | ३४।२५ | ५।१५ | १९।१ | 7 | भ.२।४६या. (नक्वाःदिसि), |
| | २४ | वृ | ११ | २।३३ | ६।१७ | कृ | ३२।४२ | १८।२१ | शू | २४।५३ | १५।१३ | कौ | ३१।५८ | १८।३ | लुम्ब | वृष | ३४।२४ | ५।१६ | १९।१ | 8 | **योगिनीएकादशीव्रतम्** |
| प्र | २५ | शु | १२ | १।४ / ५८।२८ | ५।४३ / ४।३९ | रो | ३२।२९ | १८।१६ | गं | २०।५२ | १३।३७ | ग | २९।५४ | १७।१४ | मित्र | वृष | ३४।२२ | ५।१६ | १९।१ | 9 | भ.५८।२८उ., **प्रदोषव्रतम्**, |
| | २६ | श | १४ | ५४।४९ | ३।१२ | मृ | ३१।१२ | १७।४५ | वृ | १५।५८ | ११।४० | भ | २६।४५ | १५।५९ | वज्र | १।५८=६।३ | ३४।२१ | ५।१६ | १९।१ | 10 | भ.२६।४५या. (दिलाचःद्वेपूजा), |
| | २७ | आ | ३० | ५०।१८ | १।२४ | आ | २८।५८ | १६।५२ | ध्रु | १०।१५ | ९।२३ | च | २२।३९ | १४।२० | ध्वांक्ष | मिथुन | ३४।१९ | ५।१७ | १९।१ | 11 | **दर्शश्राद्धं**, निशी एवं हलोबार्ने, |

ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः मं.मा.उ., बु.मा.२६उ.प., वृ.मा.उ., शु.मा.उ.प., श.मा.उ.

पापांशाः शनिः११, राहुः६-केतुः१२, १४भौमः६, १५सूर्यः११, १९सूर्यः१२, २०भौमः७, २२सूर्यः१, २६सूर्यः२-भौमः८,


यो पञ्चाङ्गको प्राप्ति स्थानहरू:

**ओजन बुक्स एण्ड स्टेशनर्स** महेन्द्रपुल, पोखरा

**मनकामना बुक्स एण्ड स्टेशनर्स**

महेन्द्रपुल, पोखरा

**हेलो स्टेशनरी एण्ड बुक्स हाउस** महेन्द्रपुल, पोखरा

**त्रिशंकर स्टेशनरी** महेन्द्रपुल, पोखरा, नेपाल


**ग्रह संचार समय घडि पलामा**

१३ गते उ.भा.यां३गुरुः १६।५७
१४ गते पू.फा.यां२भौमः ३३।३
१५ गते आर्द्रायां३सूर्यः ३३।३२
१६ गते पुनर्वसौबुधः ४१।०
१९ गते आर्द्रायां४सूर्यः ४।३५
२० गते पूफायां३भौमः २०।२६
२० गते म.१सिंहेशुक्रः ३९।०६
२२ गते पु.४कर्कटेबुधः २।४१
२२ गते पुनर्वसौ१सूर्यः ३५।४०
२३ गते तिष्येबुधः ५१।४१
२६ गते पुनर्वसौ२सूर्यः ६।४०
२६ गते पू.फा.यां४भौमः २।३९
२६ गते पश्चिमोदितोबुधः ३५।७

| १२ | आषाढ १६ ग बुधे ८।४४ | |
|---|---|---|
| सू. | २।१३।५३।२१ | ५६।५० |
| मं. | ४।१७।३४।४७ | ३४।२० |
| बु. | २।१८।५९।१५ | १११।५७ |
| वृ. | ११।१०।१४।६ | ४।४४ |
| शु. | ३।२४।५४।५१ | ६७।५८ |
| श. | ५।४।३९।५८ | २।५८ |
| रा. | ८।१७।२५।२ | ३।११ |

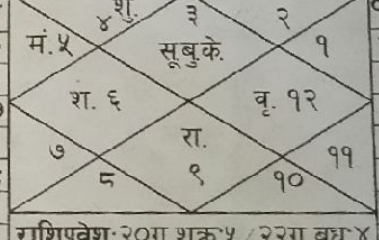


राशिप्रवेशः२०ग.शुक्रः५/२२ग.बुधः४

| १३ | आषाढ २३ ग बुधे ८।३७ | |
|---|---|---|
| सू. | २।२०।३१।१५ | ५६।५० |
| मं. | ४।२१।३७।५६ | ३५।१ |
| बु. | ३।२।१।१५ | १०९।१३ |
| वृ. | ११।१०।४१।५६ | ३।२८ |
| शु. | ४।२।४७।४३ | ६७।४ |
| श. | ५।५।३।५ | ३।३८ |
| रा. | ८।१७।२।४६ | ३।११ |

श्री संवत् २०६७ श्री शाके १९३२ ने.संवत् ११३० आषाढशुक्लपक्षः (दिल्लाश्व) पाः पुन. पूफा. उफा. ज्ये. पूषा. (जुलाई ७ सन् २०१०) उत्तरायणं ग्रीष्मर्तुः दक्षिणायनं वर्षर्तुः शोभननामक सवत्सरः

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | च.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | २८ | सो | १ | ४५।४ | २३।१९ | पु | २५।५८ | १५।४० | व्या | ३।५२ / ५६।५७ | ६।५० / ४।४ | किं | १७।४५ | १२।२३ | धूम्र | ११।४६=१०।० | ३४।१८ | ५।१७ | १९।० | 12 | ❹द्विपुष्करः२।३६उ.९।३४या. |
| | २९ | मं | २ | ३९।२० | २१।२ | ति | २२।२२ | १४।१५ | व | ४९।३७ | १।९ | बा | १२।१५ | १०।१२ | प्रवर्द्ध | कर्कट | ३४।१६ | ५।१८ | १९।० | 13 | ❸देवपत्तने गंगामाइ रथयात्रा, ❹ |
| प्र | ३० | बु | ३ | ३३।१५ | १८।३६ | श्ले | १८।२३ | १२।३९ | सि | ४२।३ | २२।७ | तै | ६।१८ | ७।५० | राक्षस | १८।२३=१२।३९ | ३४।१४ | ५।१८ | १९।० | 14 | चन्द्रोदयः जगन्नाथरथयात्रा, **भानुभक्त जयन्ती,** |
| | ३१ | वृ | ४ | २७।१ | १६।७ | म | १४।१२ | १०।५९ | व्य | ३४।२२ | १९।४ | व | ०।७ / ५३।५५ | ५।२२ / ३।५३ | मुशल | सिंह | ३४।१२ | ५।१९ | १९।० | 15 | भ.०।७उ.२७।१या., |
| | ३२ | शु | ५ | २०।५२ | १३।४० | पू | १०।१ | ९।२० | व | २६।४७ | १६।२ | कौ | ४७।५३ | ०।२८ | सिद्धि | २४।१=१४।५६ | ३४।१० | ५।१९ | १८।५९ | 16 | ❶रात्रौ लुतोनिक्षेपणं (लुतोफाल्ने) दक्षिणायनारम्भः |
| प्र | १ | श | ६ | १४।५९ | ११।१९ | उ | ६।६ | ७।४६ | प | १९।२६ | १३।६ | ग | ४२।१३ | २२।१३ | उत्पात | कन्या | ३४।८ | ५।२० | १८।५९ | 17 | कर्कटेऽर्कः८।२४ (**श्रावणसंक्रान्ति**), कण्डारकपूजा,❶ |
| श्रा | २ | आ | ७ | ९।३४ | ९।१० | ह | २।३६ / ५९।४५ | ६।२३ / ५।१४ | शि | १२।२९ | १०।२० | भ | ३७।६ | २०।११ | मानस | ३१।५=१७।४६ | ३४।६ | ५।२० | १८।५९ | 18 | भ.९।३४उ.३७।६या., रवि सप्तमी व्रतं, सूर्यपूजा,❸ |
| | ३ | सो | ८ | ४।४८ | ७।१६ | स्वा | ५७।४० | ४।२५ | सि | ६।५ | ७।४७ | बा | ३२।४३ | १८।२६ | छत्र | तुला | ३४।४ | ५।२१ | १८।५८ | 19 | **अष्टमीव्रतं**, गोरखकालीपूजा, |
| | ४ | मं | ९ | ०।५१ / ५७।५३ | ५।४१ / ४।३० | वि | ५६।३४ | ३।५९ | सा | ०।३० / ५५।२५ | ५।२९ / ३।३१ | तै | २९।१४ | १७।३ | श्रीवत्स | ४१।४४=२२।३ | ३४।२ | ५।२१ | १८।५८ | 20 | मन्वादिः, ❺चातुर्मास्यव्रतारम्भः तुलसीरोपणम्, |
| | ५ | बु | ११ | ५६।२ | ३।४६ | अ | ५६।३३ | ३।५९ | शु | ५१।२२ | १।५४ | व | २६।४८ | १६।५ | सौम्य | वृश्चिक | ३३।५९ | ५।२२ | १८।५७ | 21 | भ.२६।४८उ.५६।२या., स्मार्त्तानां **हरिशयनी ११ वतं,**❺ |
| | ६ | वृ | १२ | ५५।२४ | ३।३२ | ज्ये | ५७।४५ | ४।२८ | ब्र | ४८।१७ | ०।४१ | व | २५।३३ | १५।३५ | काल | ५७।४५=४।२८ | ३३।५७ | ५।२२ | १८।५७ | 22 | वैष्णवानां **हरिशयनीएकादशीव्रतम्,** (तुलसीपिये), |
| | ७ | शु | १३ | ५६।२ | ३।४७ | मू | ६०।० | समस्त | ऐं | ४६।१२ | २३।५२ | कौ | २५।३२ | १५।३६ | स्थिर | धनु | ३३।५५ | ५।२३ | १८।५६ | 23 | **प्रदोषव्रतं**, सिंहेसायनार्कः६।३४, |
| | ८ | श | १४ | ५७।५५ | ४।३३ | मू | ०।१० | ५।२७ | वै | ४५।८ | २३।२६ | ग | २६।४९ | १६।७ | गद | धनु | ३३।५२ | ५।२३ | १८।५६ | 24 | भ.५७।५५उ., ❷मन्वादिः(दिलापुन्हि), |
| | ९ | आ | १५ | ६०।० | समस्त | पू | ३।५१ | ६।५६ | वि | ४४।५९ | २३।२३ | भ | २९।१८ | १७।७ | शुभ | १९।५७=१३।२२ | ३३।५० | ५।२४ | १८।५५ | 25 | भ.२९।१८या, **पूर्णिमाव्रतं**, श्रीगुरु (व्यासः) पूजा, |
| | १० | सो | १५ | ०।५७ | ५।४७ | उ | ८।३८ | ८।५१ | प्री | ४५।३८ | २३।३९ | वा | ३२।५२ | १८।३३ | काण | मकर | ३३।४७ | ५।२४ | १८।५५ | 26 | श्रीदक्षिणामूर्तिपूजा,श्री पशुपतेर्गुरुदक्षिणा,❷ |

ग्रहणां वक्रोमार्गोदयास्तः मं.मा.उ., बु.मा.उ.प., वृ.६व.उ., शु.मा.उ.प., श.मा.उ.

पापांशाः शनिः११, राहुः६-केतुः१२, २९सूर्यः३, ३०राहुः५-केतुः११, ३१भौमः९, १सूर्यः४, ४सूर्यः५, ५भौमः१०, ८सूर्यः६, १०भौमः११,

*यो पञ्चाङ्गको प्राप्ति स्थानहरूः*

**केदार वस्ती** पोखरा, नेपाल

**लक्ष्मी पुस्तक पसल** अमरपथ, बुटवल, नेपाल

**दिव्यज्योति पुस्तक पसल** राममन्दिर, बुटवल

**रेसुङ्गा पुस्तक पसल** , बुटवल, नेपाल

**ग्रह संचार समय घडि पलामा**

२९ गते पुनर्वसौ३सूर्यः ३७।३६
३० गते पू.षा.यां१राहुः आर्द्रायां३केतुः १८।१७
३१ गते उफायां१भौमः ४०।१६
३१ गते श्लेषायांबुधः २२।४२
३२ गते पू.फा.यांशुक्रः ३९।३५

१ गते पु.४कर्कटेऽर्कः ८।२४
४ गते तिष्ये१सूर्यः ३९।५
५ गते उ.२कन्यायांभौमः १३।३८
६ गते वक्रीगुरुः ५०।४१
७ गते म.१सिंहेबुधः ३९।१८
८ गते तिष्ये२सूर्यः ९।३५
१० गते उ.फा.यां३भौमः ४३।१०

| | | |
|---|---|---|
| १४ | आषाढ ३० ग बुधे ८।३० | |
| सू. | २।२७।९।१९ | ५६।५२ |
| मं. | ४।२५।४५।२३ | ३५।३९ |
| बु. | ३।१४।३२।१० | १०३।३६ |
| वृ. | ११।१०।५९।५४ | २।७ |
| शु. | ४।१०।३४।३ | ६६।० |
| श. | ५।५।३०।५० | ४।१६ |
| रा. | ८।१६।४०।३१ | ३।११ |

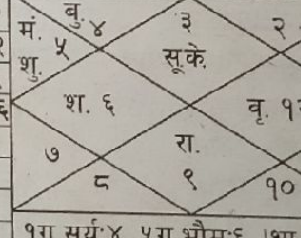


१ग.सूर्यः४, ५ग.भौमः६, ७आ.बुधः५

| | | |
|---|---|---|
| १५ | श्रावण ५ ग बुधे ८।२१ | |
| सू. | ३।३।४७।४९ | ५६।५६ |
| मं. | ४।२९।५६।४९ | ३६।१५ |
| बु. | ३।२६।८।४९ | ९४।० |
| वृ. | ११।११।७।३९ | ०।४५ |
| शु. | ४।१८।१२।३२ | ६४।४४ |
| श. | ५।६।२।५२ | ४।५१ |
| रा. | ८।१६।१८।१६ | ३।११ |

श्री विक्रम संवत् २०६७ श्री शाके १९३२ ने.संवत् ११३० श्रावणकृष्णपक्षः (दिल्लागा) पाः रेवती. आर्द्रा. श्लेषा. (जुलाई ७ – अगस्त ८ सन् २०१०) दक्षिणायनं वर्षर्तुः शोभननामक संवत्सर

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | च.रा. घ.प.= बजेसम | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ११ | मं | १ | ४।५८ | ७।२४ | श्र | १४।१९ | ११।८ | आ | ४६।५२ | ०।१० | तै | ३७।१६ | २०।१९ | लुम्ब | ४७।२५=०।२३ | ३३।४४ | ५।२५ | १८।५४ | 27 | द्विपुष्करः१४।१९उ., ध.पं.प्रवृतिः४७।२५, |
| | १२ | बु | २ | ९।४१ | ९।१७ | ध | २०।३७ | १३।४० | सौ | ४८।२८ | ०।४८ | व | ४२।११ | २२।१८ | मित्र | कुम्भ | ३३।४२ | ५।२५ | १८।५४ | 28 | भ.४२।११उ., |
| प्र | १३ | वृ | ३ | १४।४२ | ११।१९ | श | २७।९ | १६।१७ | शो | ५०।६ | १।२८ | ब | ४७।१२ | ०।१९ | वज्र | कुम्भ | ३३।३९ | ५।२६ | १८।५३ | 29 | भ.१४।४२या., |
| | १४ | शु | ४ | १९।३५ | १३।१६ | पू | ३३।२९ | १८।५० | अ | ५१।२६ | २।१ | कौ | ५१।५१ | २।११ | ध्वांक्ष | १६।५६=१२।१३ | ३३।३६ | ५।२६ | १८।५३ | 30 | |
| | १५ | श | ५ | २३।५६ | १५।१ | उ | ३९।१२ | २१।८ | सु | ५२।१४ | २।२० | ग | ५५।४८ | ३।४६ | धूम्र | मीन | ३३।३३ | ५।२७ | १८।५२ | 31 | ❸ध.पं.निवृत्तिः४४।२ |
| प्र | १६ | आ | ६ | २७।२५ | १६।२५ | रे | ४४।२ | २३।४ | धृ | ५२।१६ | २।२२ | भ | ५८।४६ | ४।५८ | प्रवर्द्ध | ४४।२=२३।४ | ३३।३० | ५।२७ | १८।५१ | 1 | भ.२७।२५उ.५८।४६या., (अगस्त ८ ता.३१),❸ |
| | १७ | सो | ७ | २९।४८ | १७।२३ | अ | ४७।४५ | ०।३४ | शू | ५१।२४ | २।१ | बा | ६०।० | ५।२८ | राक्षस | मेष | ३३।२७ | ५।२८ | १८।५१ | 2 | **अष्टमीव्रतम्,** |
| | १८ | मं | ८ | ३०।५८ | १७।५२ | भ | ५०।१५ | १।३४ | गं | ४९।३२ | १।१७ | बा | ०।३२ | ५।४१ | मुशल | मेष | ३३।२४ | ५।२८ | १८।५० | 3 | गोरखकालीपूजा, |
| | १९ | बु | ९ | ३०।५२ | १७।५० | कृ | ५१।३० | २।५ | वृ | ४६।४० | ०।९ | तै | १।४ | ५।५४ | सिद्धि | ५।४०=७।४५ | ३३।२१ | ५।२९ | १८।४९ | 4 | |
| | २० | वृ | १० | २९।३० | १७।१७ | रो | ५१।३३ | २।६ | ध्रु | ४२।४८ | २२।३७ | व | ०।१९ / ५८।२४ | ५।३७ / ४।५१ | उत्पाति | वृष | ३३।१८ | ५।२९ | १८।४९ | 5 | भ.०।१९उ.२९।३०या., |
| | २१ | शु | ११ | २६।५९ | १६।१८ | मृ | ५०।२९ | १।४१ | व्या | ३८।२ | २०।४३ | कौ | ५५।२१ | ३।३८ | मानस | २१।८=१३।५७ | ३३।१५ | ५।३० | १८।४८ | 6 | **कामिकाएकादशीव्रतम्,** ❶च:द्वेपूजा, |
| प्र | २२ | श | १२ | २३।२६ | १४।५३ | आ | ४८।२७ | ०।५३ | ह | ३२।२७ | १८।२९ | ग | ५१।२० | २।२ | मुद्गर | मिथुन | ३३।१२ | ५।३० | १८।४७ | 7 | **शनिप्रदोषव्रतम्,** |
| | २३ | आ | १३ | १९।० | १३।७ | पु | ४५।३६ | २३।४५ | व | २६।९ | १५।५८ | भ | ४६।३१ | ०।७ | ध्वज | ३१।२३=१८।४ | ३३।८ | ५।३१ | १८।४६ | 8 | भ.१९।०उ.४६।३१या., **घण्टाकर्ण १४** (गथाँमुग❶ |
| | २४ | सो | १४ | १३।५१ | ११।४ | ति | ४२।८ | २२।२३ | सि | १९।१७ | १३।१४ | च | ४१।४ | २१।५७ | धाता | कर्कट | ३३।५ | ५।३१ | १८।४५ | 9 | **दर्शश्राद्धं,** निशीबार्ने, |
| | २५ | मं | ३० | ८।१० | ८।४८ | श्ले | ३८।१३ | २०।४९ | व्य | १२।० | १०।२० | किं | ३५।११ | १९।३६ | आनन्द | ३८।१३=२०।४९ | ३३।२ | ५।३२ | १८।४५ | 10 | स्नानदानादौ अमावास्या, हलोबार्ने, |

ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः मं.मा.उ., बु.मा.उ.प., वृ.व.उ., शु.मा.उ.प., श.मा.उ.

पापांशाः शनिः११, राहुः५-केतुः११, ११सूर्यः७, १२शनिः१२, १५सूर्यः८, १६भौमः१२, १८सूर्यः९, २१भौमः१, २२सूर्यः१०, २५सूर्यः११,


*यो पञ्चाङ्गको प्राप्ति स्थानहरू:*

**प्रभात बुक्स एण्ड स्टेशनर्स** बुटवल, नेपाल

**ओम्निसेन्ट बुक्स एण्ड स्टेशनर्स** बुटवल, नेपाल

**रिक्की स्टेशनर्स** बुटवल, नेपाल

**चेतना स्टेशनर्स** बुटवल, नेपाल

**आशिष स्टेशनर्स** बुटवल, नेपाल


**ग्रह संचार समय घडि पलामा**

११ गते तिष्ये३सूर्यः ३९।५३

१२ गते उ.फा.यां४शनिः २१।४३

१३ गते उ.फा.यांशुक्रः ३।४५

१५ गते तिष्ये४सूर्यः ९।५८

१६ गते उ.फा.यां४भौमः ९।६

१६ गते उ.रकन्यायांशुक्रः १५।२

१८ गते पू.फा.यांबुधः १८।२५

१८ गते श्लेषायां१सूर्यः ३९।४९

२१ गते हस्तभे१भौमः ३१।४४

२२ गते श्लेषायां२सूर्यः ९।२२

२५ गते श्लेषायां३सूर्यः ३८।४०

| १६ | श्रावण १२ ग बुधे ८।१२ | |
|---|---|---|
| सू. | ३।१०।२६।५७ | ५७।२ |
| मं. | ५।४।११।५९ | ३६।४८ |
| बु. | ४।६।१७।३० | ७८।२१ |
| वृ. | ११।११।४।५८ | ०।३९ |
| शु. | ४।२५।४१।२६ | ६३।१० |
| श. | ५।६।३८।४७ | ५।२२ |
| रा. | ८।१५।५६।१ | ३।११ |

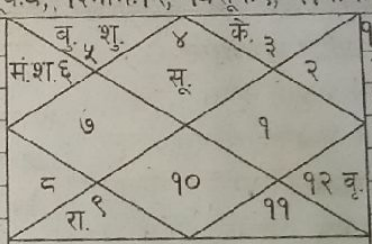


ग्रहाणां राशिप्रवेशः १६गते शुक्रः६।

| १७ | श्रावण १९ ग बुधे ८।३ | |
|---|---|---|
| सू. | ३।१७।६।५७ | ५७।१० |
| मं. | ५।८।३०।४१ | ३७।१९ |
| बु. | ४।१४।५।४३ | ५३।१९ |
| वृ. | ११।१०।५१।५४ | २।२ |
| शु. | ५।२।५८।३१ | ६१।१४ |
| श. | ५।७।१८।१२ | ५।५० |
| रा. | ८।१५।३३।४६ | ३।११ |

**श्री विक्रम संवत् २०६७ श्री शाके १९३२ ने.संवत् ११३० श्रावणशुक्लपक्षः (गुँलाथ्व) पाः उफा. हस्ता. अनु. पूषा. २२. (अगस्त ८ सन् २०१०) दक्षिणायनं वर्षर्तुः शोभननामक संवत्सरः**

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | च.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | २६ | बु | १ | ३।७ / ५५।५७ | ६।२३ / ३।५५ | म | ३४।३ | १९।१० | व | ४।२५ / ५६।४५ | ७।१९ / ४।१४ | बा | २९।३ | १७।९ | चर | सिंह | ३२।५८ | ५।३२ | १८।४४ | 11 | ⑩नक्साल नागपोखरी मेला , चन्द्रोदयः, **गुँलाधर्मारम्भः,** |
| | २७ | वृ | ३ | ४९।४९ | १।२९ | पू | २९।५२ | १७।३० | शि | ४९।६ | १।११ | तै | २२।५१ | १४।४१ | गद | ४३।५०=२३।५ | ३२।५५ | ५।३३ | १८।४३ | 12 | वराहजयन्ती, ❶धापाखेल नागदह (टौदह) मेला,⑩ |
| प्र | २८ | शु | ४ | ४३।५७ | २३।८ | उ | २५।५१ | १५।५४ | सि | ४१।४० | २२।१३ | व | १६।५० | १२।१७ | शुभ | कन्या | ३२।५२ | ५।३३ | १८।४२ | 13 | भ.१६।५०उ.४३।५७या., |
| | २९ | श | ५ | ३८।३२ | २०।५९ | ह | २२।१५ | १४।२८ | सा | ३४।३६ | १९।२४ | ब | ११।१० | १०।२ | मृत्यु | ५०।३९=१।५० | ३२।४८ | ५।३४ | १८।४१ | 14 | **नागपञ्चमी**, नागपूजन (नागटाँस्ने) ल.पु.दानघाट❶ |
| प्र | ३० | आ | ६ | ३३।४५ | १९।४ | चि | १९।१२ | १३।१५ | शु | २८।२ | १६।४७ | कौ | ६।२ | ७।५९ | पद्म | तुला | ३२।४५ | ५।३४ | १८।४० | 15 | कल्कीजयन्ती, |
| | ३१ | सो | ७ | २९।४६ | १७।३० | स्वा | १६।५६ | १२।२१ | शु | २२।७ | १४।२६ | ग | ११।३८ / ५८।१९ | ६।१४ / ४।५१ | छत्र | तुला | ३२।४१ | ५।३५ | १८।३९ | 16 | भ.२९।४६उ.५८।९या., श्रीगोस्वामीतुलसीदास जयन्ती, |
| भा | १ | मं | ८ | २६।४६ | १६।१८ | वि | १५।३५ | ११।५० | ब्र | १६।५८ | १२।२२ | बा | ५५।४२ | ३।५२ | श्रीवत्स | ०।५०=५।५५ | ३२।३८ | ५।३५ | १८।३८ | 17 | सिंहेऽर्कः ३६।१६ (**भाद्रसंक्रान्ति**), **भौमाष्टमीव्रतं,❶** |
| | २ | बु | ९ | २४।५३ | १५।३३ | अ | १५।१९ | ११।४४ | ऐं | १२।४१ | १०।४० | तै | ५४।२४ | ३।२२ | सौम्य | वृश्चिक | ३२।३४ | ५।३६ | १८।३८ | 18 | ❶गोरखकालीपूजा, (यलपञ्चदानं), |
| | ३ | वृ | १० | २४।१३ | १५।१८ | ज्ये | १६।१४ | १२।६ | वै | ९।२२ | ९।२१ | व | ५४।२२ | ३।२१ | काल | १६।१४=१२।६ | ३२।३० | ५।३६ | १८।३७ | 19 | भ.५४।२२उ., ❺हयग्रीवोत्पत्तिः, ध.पं.प्रवृतिः४।५१, |
| | ४ | शु | ११ | २४।४९ | १५।३३ | मू | १८।२३ | १२।५८ | वि | ७।३ | ८।२६ | ब | ५५।३६ | ३।५१ | स्थिर | धनु | ३२।२७ | ५।३७ | १८।३६ | 20 | भ.२४।४९या., **पुत्रदाएकादशीव्रतम्,** |
| प्र | ५ | श | १२ | २६।४१ | १६।१८ | पू | २१।४७ | १४।२० | प्री | ५।४४ | ७।५५ | कौ | ५८।५ | ४।५१ | मातङ्ग | ३७।४९=२०।४५ | ३२।२३ | ५।३७ | १८।३५ | 21 | **शनिप्रदोषव्रतं** (वहिंघःव्यय) त्रिपुष्करः२१।४७उ.२६।४१या., |
| | ६ | आ | १३ | २९।४४ | १७।३१ | उ | २६।१९ | १६।१० | आ | ५।२१ | ७।४६ | ग | ६०।० | ५।३८ | अमृत | मकर | ३२।१९ | ५।३८ | १८।३४ | 22 | ❹ल.पु.कुम्भेश्वरमेला, (गुँपून्हि ब्याँजानके),❺ |
| | ७ | सो | १४ | ३३।४६ | १९।९ | श्र | ३१।५० | १८।२२ | सौ | ५।४८ | ७।५८ | ग | १।३८ | ६।१८ | सिद्धि | मकर | ३२।१६ | ५।३८ | १८।३३ | 23 | भ.३३।४६उ., शिवस्यपवित्रारोपणं, कन्यायांसायनार्क:३०।११, |
| | ८ | मं | १५ | ३८।३० | २१।३ | ध | ३८।१ | २०।५१ | शो | ६।५४ | ८।२४ | भ | ६।४ | ८।४ | उत्पात | ४।५१=७।३५ | ३२।१२ | ५।३९ | १८।३२ | 24 | भ.६।४या. **पूर्णिमाव्रतं** ऋषितर्पणी **रक्षाबन्धन, जनैं१५❹** |

*नोटः रात्री १ बजेबाट दिनको १२ बजेसम्मलाई १, २, ..... १२ बजे, दिन १ बाट रात्री ११ बजेसम्मलाई १३, १४, ..... २३ बजे र रात्री १२ बजेलाई ० बजेले संकेत गरिएको छ ।*

**ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः** मं.मा.उ., बु.मा.२८.व.४अ.प., वृ.व.उ., शु.मा.उ.प., श.मा.उ.

**पापांशाः** शनिः१२, राहुः५-केतुः११, २६भौमः२, २९सूर्यः१२, १सूर्यः१-भौमः३, ५सूर्यः२, ६भौमः४, ८सूर्यः३,

***यो पञ्चाङ्गको प्राप्ति स्थानहरूः***

**साजन स्टोर्स** बुटवल, नेपाल
**योगेश कुमार** बुटवल, नेपाल
**वर्षा ट्रेड सेन्टर** बुटवल, नेपाल
**बुटवल किराना पसल** बुटवल, नेपाल
**पवन किराना भण्डार** बुटवल, नेपाल

**ग्रह संचार समय घडि पलामा**

२६ गते हस्तभे२भौमः ५१।१४
२६ गते हस्तभेशुक्रः ७।५
२८ गते वक्रीबुधः ३५।४३
२९ गते श्लेषायां४सूर्यः ७।३७
१ गते म.१ सिंहेऽर्कः ३६।१६
१ गते हस्तभे३भौमः ७।४६

**ग्रह संचार समय घडि पलामा**

१ गते पुनः उ.भा.यां२गुरुः २३।४७
४ गते पश्चिमास्तोबुधः ४३।०
५ गते मघायां२सूर्यः ४।३३
६ गते हस्तभे४भौमः २१।२९
८ गते मघायां३सूर्यः ३२।३०
८ गते पुनःमघायांबुधः ५।०

| १८ | श्रावण २६ ग बुधे ७।५४ | |
|---|---|---|
| सू. | ३।२३।४७।५९ | ५७।१९ |
| मं. | ५।१२।५२।४६ | ३७।४९ |
| बु. | ४।१८।१५।४६ | १५।३७ |
| वृ. | ११।१०।२८।४५ | ३।२१ |
| शु. | ५।१०।०।४९ | ५८।४९ |
| श. | ५।८।०।४१ | ६।१५ |
| रा. | ८।१५।११।३० | ३।११ |

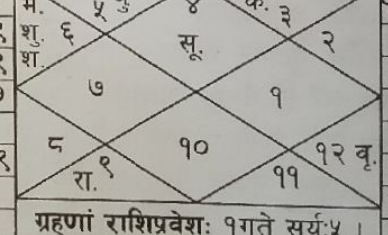


**ग्रहणां राशिप्रवेशः** १गते सूर्यः५ ।

| १९ | भाद्रपद २ गते बुधे ७।४६ | |
|---|---|---|
| सू. | ४।०।३०।१३ | ५७।३० |
| मं. | ५।१७।१८।७ | ३८।१७ |
| बु. | ४।१७।२८।५५ | २८।५५ |
| वृ. | ११।९।५६।१० | ४।३४ |
| शु. | ५।१६।४४।२३ | ५५।४५ |
| श. | ५।८।४५।४९ | ६।३६ |
| रा. | ८।१४।४९।१५ | ३।११ |

श्री विक्रम संवत् २०६७ श्री शाके १९३२ ने.संवत् ११३० भाद्रपदकृष्णपक्षः (गुँलागा) पाः उभा. रे. भ. आ. पूफा. (अगस्त ८- सितम्बर ९ सन् २०१०) दक्षिणायनं वर्षर्तुः शोभननामक संवत्सरः

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | चरा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ९ | बु | १ | ४३।३५ | २३।५ | श | ४४।३३ | २३।२८ | अ | ८।२३ | ९।१ | बा | ११।१ | १०।४ | मानस | कुम्भ | ३२।८ | ५।३९ | १८।३१ | 25 | ❹भगवती यात्रा नारायणीयात्राच, डोटी शीलंगढी❶ |
| | १० | वृ | २ | ४८।३४ | १।५ | पू | ५०।५७ | २।३ | सु | ९।५९ | ९।३९ | तै | १६।६ | १२।६ | मुद्गर | ३४।२३=१९।२५ | ३२।४ | ५।४० | १८।३० | 26 | गोयात्रा ,**गाईजात्रा** (सापारु), ❶मष्टजॉच, गूँगा नवमी, |
| | ११ | शु | ३ | ५३।१ | २।५३ | उ | ५६।५१ | ४।२५ | धृ | ११।२१ | १०।१३ | व | २०।५२ | १४।१ | ध्वज | मीन | ३२।१ | ५।४० | १८।२९ | 27 | रोपाइँयात्रा, (दथुसाया मतया), |
| प्र | १२ | श | ४ | ५६।३८ | ४।२० | रे | ६०।० | समस्त | शू | १२।१४ | १०।३४ | ब | २४।५६ | १५।३९ | धाता | मीन | ३१।५७ | ५।४१ | १८।२७ | 28 | भ. २०।५२उ.५३।१या., ❼शिक्षादिवसः, ❻गोकर्णस्नानं, **मोतीराम जयन्ती**, मन्वादिः❼ |
| | १३ | आ | ५ | ५९।९ | ५।२१ | रे | १।५३ | ६।२७ | गं | १२।२३ | १०।३८ | कौ | २८।२ | १६।५४ | प्रवर्द्ध | १।५३=६।२७ | ३१।५३ | ५।४१ | १८।२६ | 29 | ध.पं.निवृत्तिः१।५३, ❷गौरा ७, त्रिपुष्करः८।४०उ., |
| | १४ | सो | ६ | ६०।० | समस्त | अ | ५।५३ | ८।३ | वृ | ११।४० | १०।२२ | ग | २९।५७ | १७।४० | राक्षस | मेष | ३१।४९ | ५।४२ | १८।२५ | 30 | ❸दुर्वाष्टमीव्रतं, गौरापर्व, मन्वादिः (सितम्बर९ता.३०), |
| प्र | १५ | मं | ६ | ०।२६ | ५।५३ | भ | ८।४० | ९।१० | ध्रु | ९।५८ | ९।४१ | भ | ३०।३७ | १७।५७ | मुशल | २४।११=१५।२२ | ३१।४५ | ५।४२ | १८।२४ | 31 | भ.०।२६उ.३०।३७या., अमुक्ताभरणसप्तमीव्रतं,❷ |
| | १६ | बु | ७ | ०।२७ / ५९।१५ | ५।५४ / ५।२४ | कृ | १०।१३ | ९।४८ | व्या | ७।१६ | ८।३७ | बा | ३०।० | १७।४३ | सिद्धि | वृष | ३१।४१ | ५।४३ | १८।२३ | 1 | **अष्टमीव्रतं, श्रीकृष्णजन्माष्टमीव्रतं**, गोरखकालीपूजा,❸ |
| | १७ | वृ | ९ | ५६।५१ | ४।२७ | रो | १०।३२ | ९।५६ | हृ | ३।३४ / ५८।५७ | ७।९ / ५।१८ | तै | २८।१० | १६।५९ | उत्पात | ४०।१६=२१।४९ | ३१।३७ | ५।४३ | १८।२२ | 2 | श्रीकृष्णरथयात्रा, ल.पु.भीमयात्रा, पाल्पा तानसेन❹ |
| | १८ | शु | १० | ५३।२४ | ३।५ | मृ | ९।४३ | ९।३७ | सि | ५३।२९ | ३।७ | व | २५।१४ | १५।४९ | मानस | मिथुन | ३१।३४ | ५।४४ | १८।२१ | 3 | भ.२५।१४उ.५३।२४या., |
| | १९ | श | ११ | ४९।४ | १।२२ | आ | ७।५३ | ८।५३ | व्य | ४७।१७ | ०।३९ | ब | २१।२० | १४।१६ | मुद्गर | ५०।५८=२।७ | ३१।३० | ५।४४ | १८।२० | 4 | **अजा ११ व्रतं**, त्रिपुष्करः४९।४उ., अगस्त्योदयः५१।४५, |
| प्र | २० | आ | १२ | ४४।० | २३।२१ | पु | ५।१३ | ७।५० | व | ४०।२९ | २१।५६ | कौ | १६।३६ | १२।२३ | ध्वज | कर्कट | ३१।२६ | ५।४४ | १८।१९ | 5 | त्रिपुष्करः५।१३या., ❺निशी तथा हलोबार्ने, ❻ |
| | २१ | सो | १३ | ३८।२४ | २१।६ | ति | १।५२ / ५८।४ | ६।३० / ४।५८ | प | ३३।१४ | १९।२ | ग | ११।१५ | १०।१५ | धाता | ५८।४=४।५८ | ३१।२२ | ५।४५ | १८।१८ | 6 | भ.३८।२४उ. **सोमप्रदोषव्रतं**, जुगः यें पञ्चदानं, |
| | २२ | मं | १४ | ३२।२६ | १८।४४ | म | ५३।५७ | ३।२० | शि | २५।३९ | १६।१ | भ | ५।२६ / ५९।२३ | ७।५६ / ५।३० | काल | सिंह | ३१।१८ | ५।४५ | १८।१६ | 7 | भ.५।२६या., (जुगचःह्रेपूजा) निजामतिकर्मचारीदिवसः, |
| | २३ | बु | ३० | २६।१८ | १६।१७ | पू | ४९।४४ | १।४० | सि | १७।५६ | १२।५६ | किं | ५३।१४ | ३।४ | स्थिर | सिंह | ३१।१४ | ५।४६ | १८।१५ | 8 | **दर्शश्राद्धं** ,कुशग्रहणं (कुशे औशी)बाबुकोमुखहेर्नेदिन,❺ |

ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः मं.मा.उ., बु.१९मा.१७उ.पू., वृ.व.उ., शु.मा.उ.प., श.मा.उ.

पापांशाः शनिः१२, राहुः५-केतुः११, ११भौमः५, १२सूर्यः४-शनिः१, १५सूर्यः५, १६भौमः६, १८सूर्यः६, २१भौमः७, २२सूर्यः७,

*यो पञ्चाङ्गको प्राप्ति स्थानहरू*

**ठाकुरदीन नन्दकिशोर** बुटवल, नेपाल
**धार्मिक पुस्तक पसल** दमौली, तनहुँ, नेपाल
**वैशालु पुस्तक पसल** रिडी, गुल्मी, नेपाल
**पुस्तक भवन** ,स्याङ्जा, नेपाल

**ग्रह संचार समय घडि पलामा**

९ गते चित्रर्क्षेशुक्रः २६।८
११ गते चित्रर्क्षे१भौमः ३२।३२
१२ गते मघायां४सूर्यः ०।२
१२ गते हस्तभे१शनिः ५८।२६
१५ गते पू.फा.यां१सूर्यः २७।१३
१६ गते चित्रर्क्षे२भौमः ४०।५९

**ग्रह संचार समय घडि पलामा**

१७ गते चि.३तुलायांशुक्रः ३४।५२
१७ गते पूर्वोदितोबुधः ५३।१७
१८ गते पू.फा.यां२सूर्यः ५३।५९
१९ गते मार्गीबुधः ३९।३७
२१ गते चि.३तुलायांभौमः ४६।५७
२२ गते पू.फा.यां३सूर्यः २०।१९

| २० | भाद्र ९गते बुधे ७।३७ | | २१ | भाद्र १६ग बुधे ७।२९ | | २२ | भाद्र २३ग बुधे ७।२१ | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सू. | ४।७।१३।५० | ५७।४३ | सू. | ४।१३।५८।५६ | ५७।५६ | सू. | ४।२०।४५।३९ | ५८।११ |
| मं. | ५।२१।४६।३७ | ३८।४५ | मं. | ५।२६।१८।१२ | ३९।११ | मं. | ६।०।५२।४९ | ३९।३७ |
| बु. | ४।१२।२७।४९ | ४९।४५ | बु. | ४।७।५१।४८ | २३।५ | बु. | ४।७।४९।२९ | २१।७ |
| वृ. | ११।९।१५।१२ | ५।३८ | वृ. | ११।८।२७।१२ | ६।३० | वृ. | ११।७।३३।५४ | ७।७ |
| शु. | ५।२३।३।५६ | ५१।४९ | शु. | ५।२८।५२।१६ | ४६।४२ | शु. | ६।३।५९।३९ | ३९।५९ |
| श. | ५।९।३३।१० | ६।५४ | श. | ५।१०।२२।२० | ७।८ | श. | ५।११।१२।५२ | ७।१९ |
| रा. | ८।१४।२७।० | ३।११ | रा. | ८।१४।४।४५ | ३।११ | रा. | ८।१३।४२।३० | ३।११ |

१७गा.शु:७/२१ग.भौ:७

श्री विक्रम संवत् २०६७ श्री शाके १९३२ ने.संवत् ११३० भाद्रपदशुक्लपक्षः (जलाश्व) पाः ह. चि. मू. पूषा. श. उभा. (सितम्बर ९ सन् २०१०) दक्षिणायनं वर्षा-शरदृतुः शोभननामक संवत्सरः

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | च.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | २४ | वृ | १ | २०।१३ | १३।५१ | उ | ४५।४० | ०।२ | सा | १०।१२ | ९।५१ | बा | ४७।१६ | ०।४१ | मातङ्ग | ३।४१=७।१५ | ३१।१० | ५।४६ | १८।१४ | 9 |
| | २५ | शु | २ | १४।२३ | ११।३२ | ह | ४१।५७ | २२।३४ | शु | २।४० / ५५।२८ | ६।५१ / ३।५८ | तै | ४१।३८ | २२।२६ | अमृत | कन्या | ३१।६ | ५।४७ | १८।१३ | 10 |
| प्र | २६ | श | ३ | ९।० | ९।२३ | चि | ३८।४६ | २१।१८ | ब्र | ४८।४४ | १।१७ | व | ३६।३३ | २०।२४ | काण | १०।१७=९।५४ | ३१।२ | ५।४७ | १८।१२ | 11 |
| | २७ | आ | ४ | ४।१६ | ७।३० | स्वा | ३६।१९ | २०।१९ | ऐं | ४२।३७ | २२।५० | ब | ३२।११ | १८।४० | लुम्ब | तुला | ३०।५८ | ५।४८ | १८।११ | 12 |
| | २८ | सो | ५ | ०।१९ / ५७।२२ | ५।५६ / ४।४५ | वि | ३४।४५ | १९।४२ | वै | ३७।१३ | २०।४१ | कौ | २८।४३ | १७।१७ | मित्र | २०।२=१३।४९ | ३०।५४ | ५।४८ | १८।१० | 13 |
| प्र | २९ | मं | ७ | ५५।३० | ४।१ | अ | ३४।१३ | १९।३० | वि | ३२।४१ | १८।५३ | ग | २६।१७ | १६।१९ | वज्र | वृश्चिक | ३०।५० | ५।४९ | १८।८ | 14 |
| | ३० | बु | ८ | ५४।५२ | ३।४६ | ज्ये | ३४।५१ | १९।४५ | प्री | २९।५ | १७।२७ | भ | २५।१ | १५।४९ | ध्वांक्ष | ३४।५१=१९।४५ | ३०।४६ | ५।४९ | १८।७ | 15 |
| | ३१ | वृ | ९ | ५५।३० | ४।२ | मू | ३६।४३ | २०।३१ | आ | २६।२८ | १६।२५ | बा | २५।१ | १५।५० | धूम्र | धनु | ३०।४१ | ५।४९ | १८।६ | 16 |
| आ | १ | शु | १० | ५७।२५ | ४।४८ | पू | ३९।५० | २१।४६ | सौ | २४।५२ | १५।४७ | तै | २६।१८ | १६।२१ | प्रवर्द्ध | ५५।४८=४।९ | ३०।३७ | ५।५० | १८।५ | 17 |
| | २ | श | ११ | ६०।० | समस्त | उ | ४४।७ | २३।२९ | शो | २४।१३ | १५।३१ | व | २८।४९ | १७।२२ | राक्षस | मकर | ३०।३३ | ५।५० | १८।४ | 18 |
| | ३ | आ | ११ | ०।३० | ६।३ | श्र | ४९।२६ | १।३७ | अ | २४।२५ | १५।३७ | ब | ३२।२६ | १८।४९ | गद | मकर | ३०।२९ | ५।५१ | १८।३ | 19 |
| प्र | ४ | सो | १२ | ४।३५ | ७।४१ | ध | ५५।३० | ४।३ | सु | २५।१८ | १५।५९ | कौ | ३६।५६ | २०।३८ | शुभ | २२।२३=१४।४८ | ३०।२५ | ५।५१ | १८।१ | 20 |
| | ५ | मं | १३ | ९।२४ | ९।३७ | श | ६०।० | समस्त | धृ | २६।३९ | १६।३१ | ग | ४१।५९ | २२।३९ | मृत्यु | कुम्भ | ३०।२१ | ५।५२ | १८।० | 21 |
| | ६ | बु | १४ | १४।३५ | ११।४२ | श | १।५८ | ६।३९ | शू | २८।११ | १७।९ | भ | ४७।१० | ०।४४ | मानस | ५१।५२=२।३७ | ३०।१७ | ५।५२ | १७।५९ | 22 |
| | ७ | वृ | १५ | १९।३९ | १३।४४ | पू | ८।२६ | ९।१५ | गं | २९।३३ | १७।४२ | बा | ५२।२ | २।४१ | मुद्गर | मीन | ३०।१३ | ५।५३ | १७।५८ | 23 |

❶चन्द्रदर्शनदोषः, मन्वादिः (चथा), धर्मसभादिवसः, (गुँलाधर्मसमाप्तिः),चन्द्रोदयः, ❺ध.पं.प्रवृतिः२२।२३, (तीजको दरखाने), ❻(स्वाछा),कुमारीइन्द्रयात्रा, भ.३६।३३उ., **हरितालिका ३ व्रतं (तीज)**, गणेश ४ व्रतं,❶ भ.४।१६या., **ऋषि ५ व्रतं** सप्तर्षिपूजा, धर्मविनायकरथया सूर्यः६, (क्वखजाविये), ❸महालक्ष्मीव्रतारम्भः, भ.५५।३०उ., भ.पु.मंगलकुण्डमेला, **बालदिवसः**, भ.२५।१या., **बुधाष्टमीव्र.** गोरखकालीपूजा, कागेश्वरी८❷ अदुःखनवमीव्रतं, ❷कायजस्नानं, कागेश्वरमेला,❸ कन्यायामर्कः३६।४९ (**आश्विनसंक्रन्ति**), विश्वकर्मापूजा, भ.२८।४९उ., ❹द्विपुष्करः४९।२६उ., भ.०।३०या., **हरिपरिवर्तिनी११व्रतं**, वामन१२, दधिदानं,❹ **सोमप्रदोषव्रतं**, इन्द्रध्वजोत्थानं (मतछोयकें),❺ (न्हुँगया),❼भ.पु.सिद्धपोखरीमेला, तुलायांसायनार्कः२४।२२, भ.१४।३५उ.४७।१०या., अनन्त१४व्रतं,**पूर्णिमाव्रतं**, ❻ इन्द्रदहस्नानं, (यँयापन्हि मगया), चेपाङ चोनामपर्व,❼

ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः मं.मा.उ., बु.मा.उ.पू., बृ.व.उ., शु.मा.उ.प., श.मा.२९अ.

पापांशाः शनिः१, राहुः५-केतुः११, २५सूर्यः८, २६भौमः८, २९सूर्यः९, ३०राहुः४-केतुः१०, ३१भौमः९, १सूर्यः१०, ५सूर्यः११-भौमः१०,

*यो पञ्चाङ्गको प्राप्ति स्थानहरू*

**जय दुर्गे स्टेशनरी** कुश्मा, पर्वत, नेपाल
**हाम्रो पुस्तक पसल** वीरेन्द्रनगर, सुर्खेत, नेपाल
**लालचन्द राजेशचन्द राजभण्डारी** वारलुङ, नेपाल
**श्रेष्ठ न्यूज एजेन्सी** तानसेन, पाल्पा, नेपाल
**गौरी पुस्तक पसल** वीरेन्द्रनगर, सुर्खेत, नेपाल

**ग्रह संचार समय घडि पलामा**

२५ गते पू.फा.यां४सूर्यः ४६।१५
२६ गते चित्रर्क्षे४भौमः ५०।३१
२७ गते स्वात्यांशुक्रः २०।४८
२९ गते उ.फा.यां१सूर्यः ११।४५
२९ गते पुनःउभायां१गुरुः ४७।६
२९ गते पश्चिमास्तःशनिः ३२।३०

**ग्रह संचार समय घडि पलामा**

३० गते पू.फा.यां.बुधः ५७।४३
३० गते मूलभे४राहुः आर्द्रायां२केतुः ११।४४
३१ गते स्वात्यां१भौमः ५१।४५
१ गते उ.२कन्यायांमर्कः ३६।४९
५ गते उ.फा.यां३सूर्यः १।२६
५ गते स्वात्यां२भौमः ५०।४२

| २३ | भाद्रपद ३०गते बुधे ७।१३ | |
|---|---|---|
| सू. | ४।२७।३४।४ | ५८।२६ |
| मं. | ६।५।३०।२६ | ४०।२ |
| बु. | ४।१२।३१।२ | ५६।१५ |
| बृ. | ११।६।३७।१४ | ७।२८ |
| शु. | ६।८।१२।५२ | ३१।८ |
| श. | ५।१२।४।२३ | ७।२७ |
| रा. | ८।१३।२०।१४ | ३।११ |

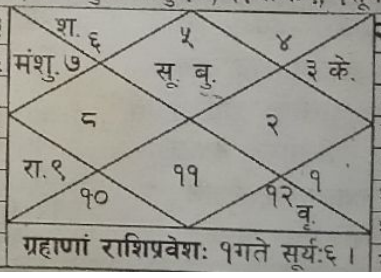


ग्रहाणां राशिप्रवेशः १गते सूर्यः६ ।

| २४ | आश्विन ६ गते बुधे ७।५ | |
|---|---|---|
| सू. | ५।४।२४।१५ | ५८।४२ |
| मं. | ६।१०।११।० | ४०।२७ |
| बु. | ४।२०।३१।२ | ७८।५८ |
| बृ. | ११।५।३९।२२ | ७।३३ |
| शु. | ६।११।१४।३२ | १९।३४ |
| श. | ५।१२।५६।२७ | ७।३१ |
| रा. | ८।१२।५७।५९ | ३।११ |

श्री संवत् २०६७ श्री शाके १९३२ ने.संवत् ११३० आश्विनकृष्ण(पितृ)पक्षः (अलागा) पाः उभा. रे. आ. पुन. ह. (सितम्बर ९-अक्टुबर १० सन् २०१०) दक्षिणायनं शरदृर्तुः शोभननामक संवत्सरः

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | च.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ८ | शु | १ | २४।१३ | १५।३४ | उ | १४।२९ | ११।४१ | वृ | ३०।३० | १८।५ | तै | ५६।१३ | ४।२२ | ध्वज | मीन | ३०।९ | ५।५३ | १७।५७ | 24 | षोडशश्राद्धारम्भः प्रतिपच्छ्राद्धं, पुञ्चलीभूजा, |
| | ९ | श | २ | २७।५६ | १७।४ | रे | १९।४५ | १३।४८ | ध्रु | ३०।४६ | १८।१२ | व | ५९।२५ | ५।४० | धाता | १९।४५=१३।४८ | ३०।५ | ५।५४ | १७।५६ | 25 | भ.५९।२५उ., द्वितीयाश्राद्धं, ध.पं.निवृत्तिः१९।४५, |
| प्र | १० | आ | ३ | ३०।३५ | १८।८ | अ | २४।१ | १५।३० | व्या | ३०।१२ | १७।५९ | ब | ६०।० | ५।५५ | आनन्द | मेष | ३०।१ | ५।५४ | १७।५४ | 26 | भ.३०।३५या., तृतीयाश्राद्धं, गातिला, विश्वमुटु दिवस, |
| | ११ | सो | ४ | ३१।५९ | १८।४२ | भ | २७।५ | १६।४५ | ह | २८।४० | १७।२३ | ब | १।२६ | ६।२९ | चर | ४२।४०=२२।५८ | २९।५७ | ५।५५ | १७।५३ | 27 | चौथीश्राद्धं, इन्द्रध्वजपातनं, नानीचायाः, |
| | १२ | मं | ५ | ३२।७ | १८।४६ | कृ | २८।५४ | १७।२९ | व | २६।८ | १६।२२ | कौ | २।१२ | ६।४८ | गद | वृष | २९।५२ | ५।५५ | १७।५२ | 28 | पञ्चमीश्राद्धम्, |
| प्र | १३ | बु | ६ | ३०।५९ | १८।१९ | रो | २९।३० | १७।४४ | सि | २२।३७ | १४।५८ | ग | १।४३ / ५९।५९ | ६।३६ / ५।५५ | शुभ | ५९।२२=५।४० | २९।४८ | ५।५६ | १७।५१ | 29 | भ.३०।५९उ.५९।५९या., षष्ठीश्राद्धम्, |
| | १४ | वृ | ७ | २८।४१ | १७।२४ | मृ | २८।५६ | १७।३० | व्य | १८।८ | १३।११ | बा | ५७।८ | ४।४७ | मृत्यु | मिथुन | २९।४४ | ५।५६ | १७।५० | 30 | अष्टमीव्रतं, सप्तमीश्राद्धं, महालक्ष्मीव्रतपूर्त्तिः, |
| | १५ | शु | ८ | २५।२० | १६।४ | आ | २७।१९ | १६।५२ | व | १२।४८ | ११।४ | तै | ५३।१९ | ३।१६ | पद्म | मिथुन | २९।४० | ५।५७ | १७।४९ | 1 | गोरखकालीपूजा, अष्टमीश्राद्धं, (अक्टोवर १० ता.३१), |
| | १६ | श | ९ | २१।४ | १४।२३ | पू | २४।५० | १५।५३ | प | ६।४३ / ६०।० | ८।३८ / ५।५७ | व | ४८।४० | १।२५ | छत्र | १०।३१=१०।१० | २९।३६ | ५।५७ | १७।४७ | 2 | भ.४८।४०उ., मातृनवमीश्राद्धं, नवमी-दशमीश्राद्धे, |
| | १७ | आ | १० | १६।५ | १२।२४ | ति | २१।३८ | १४।३७ | सि | ५२।४८ | ३।५ | ब | ४३।२३ | २३।१९ | श्रीवत्स | कर्कट | २९।३२ | ५।५८ | १७।४६ | 3 | भ.१६।५या., एकादशीश्राद्धम्, ❸नलाशनेचःह्रेपूजा, |
| | १८ | सो | ११ | १०।३३ | १०।११ | श्लै | १७।५३ | १३।७ | सा | ४५।१४ | ०।४ | कौ | ३७।३९ | २१।२ | सौम्य | १७।५३=१३।७ | २९।२८ | ५।५८ | १७।४५ | 4 | इन्दिरा११व्रतं,मघाश्रा. द्वादशीश्राद्धं, फर्पिङ्गहरिशङ्करयात्रा, |
| प्र | १९ | मं | १२ | ४।३९ / ५८।३६ | ७।५० / ५।२५ | म | १३।४९ | ११।३० | शु | ३७।२८ | २०।५८ | ग | ३१।३८ | १८।३८ | काल | सिंह | २९।२४ | ५।५९ | १७।४४ | 5 | भ.५८।३६उ., प्रदोषव्रतं, त्रयोदशीश्राद्धं, कलियुगादिः, |
| | २० | बु | १४ | ५२।३५ | ३।१ | पू | ९।३६ | ९।५० | शु | २९।४० | १७।५१ | भ | २५।३४ | १६।१३ | स्थिर | २३।३४=१५।२५ | २९।२० | ५।५९ | १७।४३ | 6 | भ.२५।३४या., शस्त्रादिभिर्हतानांचतुर्दशीश्राद्धं,❸ |
| | २१ | वृ | ३० | ४६।५० | ०।४३ | उ | ५।२९ | ८।११ | ब्र | २२।० | १४।४८ | च | १९।३९ | १३।५१ | मातङ्ग | कन्या | २९।१६ | ६।० | १७।४२ | 7 | दर्शश्राद्धं निशी तथा हलोबार्ने, पितृविसर्जनम्, |

*नोटः रात्री १ बजेबाट दिनको १२ बजेसम्मलाई १, २, ..... १२ बजे, दिन १ बाट रात्री ११ बजेसम्मलाई १३, १४, ..... २३ बजे र रात्री १२ बजेलाई ० बजेले संकेत गरिएको छ।*

ग्रहणां वक्रोमार्गोदयास्तः मं.मा.उ., बु.मा.१४अ.पू., वृ.व.द्व., शु.१५व.उ.प., श.मा.अ.

पापांशाः शनिः१, राहुः४-केतुः१०, ८सूर्यः१२, ९शनिः२, १०भौमः११, ११सूर्यः१, १५सूर्यः२-भौमः१२, १८सूर्यः३, २०भौमः१, २१सूर्यः४,


*यो पञ्चाङ्गको प्राप्ति स्थानहरू*

**जनता बुक स्टल** घोराही, दाङ, नेपाल
**गौरी पुस्तक भण्डार** तुल्सीपुर, दाङ, नेपाल
**उज्वल स्टेशनर्स** नेपालगञ्ज, नेपाल
**एभरेष्ट बुक्स** नेपालगञ्ज, नेपाल
**शुभम स्टेशनरी** नेपालगञ्ज, नेपाल


**ग्रह संचार समय घडि पलामा**

८ गते उ.फा.यां४सूर्यः २५।३८
९ गते हस्तभे२शनिः १६।१५
१० गते स्वात्यां३भौमः ४७।२७
१० गते उ.फा.यांबुधः ३१।२५
११ गते हस्तभे१सूर्यः ४९।२४
१२ गते उ.२कन्यायाबुधः४४।४२
१४गते पूर्वास्तोबुधः १२।४१

**ग्रह संचार समय घडि पलामा**

१५ गते हस्तभे२सूर्यः १२।४१
१५ गते स्वात्यां४भौमः ४२।३
१५ गते वक्रीशुक्र : १३।१७
१८ गते हस्तभे३सूर्यः ३५।३४
१९ गते हस्तभेबुधः ०।१६
२० गते विशाखायां१भौमः३४।३४
२१ गते हस्तभे४सूर्यः ५८।०

| २५ | आश्विन १३ ग बुधे ६।५७ | |
|---|---|---|
| सू. | ५।११।१६।१५ | ५८।५९ |
| मं. | ६।१४।५४।३१ | ४०।५१ |
| बु. | ५।०।३४।९ | ९२।४९ |
| वृ. | ११।४।४१।३५ | ७।२५ |
| शु. | ६।१२।४३।२९ | ४।५८ |
| श. | ५।१३।४८।४२ | ७।३२ |
| रा. | ८।१२।३५।४४ | ३।११ |

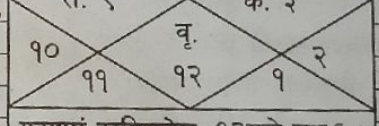


ग्रहाणां राशिप्रवेशः १२गते बुधः६।

| २६ | आश्विन २०ग बुधे ६।४८ | |
|---|---|---|
| सू. | ५।१८।१०।६ | ५९।१६ |
| मं. | ६।१९।४०।५८ | ४१।१४ |
| बु. | ५।११।५०।३६ | १००।५६ |
| वृ. | ११।३।४५।२७ | ७।० |
| शु. | ६।१२।१९।० | ११।५६ |
| श. | ५।१४।४०।५५ | ७।३१ |
| रा. | ८।१२।१३।२९ | ३।११ |

श्री संवत् २०६७ श्री शाके १९३२ ने.संवत् ११३० आश्विनशुक्ल(दुर्गा)पक्षः (कौलाश्व) पाः हं. वि. मू. पूषा. ध. पूभा. उभा. (अक्टुबर १० सन् २०१०) दक्षिणायनं शरदृतुः शोभननामक संवत्सरः

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | च.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | २२ | शु | १ | ४१।३१ | २२।३६ | ह | ११।४०/५८।२२ | ६।४०/५।३१ | ऐं | १४।३८ | ११।५१ | किं | १४।६ | ११।३८ | अमृत | २९।५७=१७।५९ | २९।१२ | ६।० | १७।४१ | 8 | ❺(योसिमतवियगु),(सिपुन्हि) ध.पं.निवृतिः३७।२९, |
| | २३ | श | २ | ३६।५० | २०।४५ | स्वा | ५५।४३ | ४।१८ | वै | ७।४२ | ९।५ | बा | ९।४ | ९।३८ | सिद्धि | तुला | २९।८ | ६।१ | १७।४० | 9 | मातामहश्राद्धं, नवरात्रारम्भः घटस्थापना (नःलास्वने), |
| प्र | २४ | आ | ३ | ३२।५८ | १९।१२ | वि | ५३।५६ | ३।३६ | वि | ११।२०/५५।४२ | ६।३३/४।१८ | तै | ४।४६ | ७।५६ | उत्पात | ३९।१७=२१।४४ | २९।४ | ६।१ | १७।३९ | 10 | चन्द्रोदयः, |
| | २५ | सो | ४ | ३०।४ | १८।३ | अ | ५३।९ | ३।१७ | आ | ५०।५२ | २।२२ | व | ११।३३/५९।१२ | ६।३५/५।३६ | मानस | वृश्चिक | २९।० | ६।२ | १७।३८ | 11 | ❸(असँचालँ), तुलायांमर्कः२।४१ (कार्त्तिकसंक्रान्ति), |
| | २६ | मं | ५ | २८।१७ | १७।२१ | ज्ये | ५३।३० | ३।२६ | सौ | ४६।५६ | ०।४९ | कौ | ५७।५१ | ५।११ | मुद्गर | ५३।३०=३।२६ | २८।५५ | ६।२ | १७।३७ | 12 | भ.१।२२उ.३०।४या., ❷ध.पं.प्रवृतिः३९।५३, |
| प्र | २७ | बु | ६ | २७।४३ | १७।८ | मू | ५५।५ | ४।५ | शो | ४३।५९ | २३।३९ | ग | ५७।५६ | ५।१३ | ध्वज | धनु | २८।५१ | ६।३ | १७।३५ | 13 | उपाङ्गललितावृतं, पचलीभैरवयात्रा, |
| | २८ | वृ | ७ | २८।२७ | १७।२६ | पू | ५७।५४ | ५।१३ | अ | ४२।२ | २२।५२ | भ | ५९।१८ | ५।४७ | धाता | धनु | २८।४७ | ६।३ | १७।३४ | 14 | विल्वनिमन्त्रणा, सरस्वत्यावाहनम्, ❶कुलछि भ्वय, |
| | २९ | शु | ८ | ३०।२७ | १८।१५ | उ | ६०।० | समस्त | सु | ४१।४ | २२।२९ | बा | ६०।० | ६।५ | आनन्द | १३।४७=११।३५ | २८।४३ | ६।४ | १७।३३ | 15 | भ.२८।२७उ.५९।१८या., नवपत्रिकाप्रवेशः फूलपाती, |
| | ३० | श | ९ | ३३।३९ | १९।३२ | उ | १।५४ | ६।५० | ध्रु | ४०।५८ | २२।२८ | बा | १।५४ | ६।५० | चर | मकर | २८।३९ | ६।५ | १७।३२ | 16 | अष्टमीव्रतंमहाष्टमीव्रतञ्च, गोरखकालीपूजा, कालरात्रि,❶ |
| | ३१ | आ | १० | ३७।५० | २१।१३ | श्र | ७।० | ८।५३ | शू | ४१।३७ | २२।४४ | तै | ५।३७ | ८।२० | गद | ३९।५३=२२।२ | २८।३६ | ६।५ | १७।३१ | 17 | महानवमीव्रतं, मन्वादिः (स्याक्व ट्याक्व), |
| का | १ | सो | ११ | ४२।४५ | २३।१२ | ध | १२।५४ | ११।१६ | गं | ४२।४६ | २३।१२ | व | १०।१३ | १०।११ | शुभ | कुम्भ | २८।३२ | ६।६ | १७।३० | 18 | विजयादशमी (दशैंटीका) खड्गयात्रा-चॉल, बौद्धावतार❷ |
| | २ | मं | १२ | ४८।१ | १।१९ | श | १९।१९ | १३।५० | वृ | ४४।१२ | २३।४७ | ब | १५।२२ | १२।१५ | मृत्यु | कुम्भ | २८।२८ | ६।६ | १७।२९ | 19 | भ.१०।१३उ.४२।४५या. पापाङ्कुशा११व्रतं, अन्नपूर्णायात्रा❸ |
| प्र | ३ | बु | १३ | ५३।१२ | ३।२४ | पू | २५।५० | १६।२७ | ध्रु | ४५।३४ | ०।२० | कौ | २०।३८ | १४।२२ | पद्म | ९।१३=९।४८ | २८।२४ | ६।७ | १७।२९ | 20 | त्रिपु.१९।१९उ.४८।१या.,पश्चिमास्तः शुक्रः ४६।३५, |
| | ४ | वृ | १४ | ५७।५० | ५।१६ | उ | ३२।० | १८।५६ | व्या | ४६।३४ | ०।४५ | ग | २५।३५ | १६।२२ | छत्र | मीन | २८।२० | ६।८ | १७।२८ | 21 | प्रदोषव्रतम्, ❻वृश्चिकेसायंनार्कः४३।३३, |
| | ५ | शु | १५ | ६०।० | समस्त | रे | ३७।२९ | २१।८ | ह | ४६।५७ | ०।५५ | भ | २९।५१ | १८।५ | श्रीवत्स | ३७।२९=२१।८ | २८।१६ | ६।८ | १७।२७ | 22 | भ.५७।५०उ., अखिलवलीपूर्त्तिः, |
| | ६ | श | १५ | १।३७ | ६।४८ | अ | ४१।५९ | २२।५६ | व | ४६।३३ | ०।४६ | बा | ३३।८ | १९।२४ | सौम्य | मेष | २८।१२ | ६।९ | १७।२६ | 23 | भ.२९।५१या.,पूर्णिमाव्रतं, कोजाग्रत पू.व्रतञ्च,सिगया❺ |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | कार्त्तिकस्नानाकाशदीपदानारम्भौ, कतिःपुन्हि,❻ |

सबै प्रकारका धार्मिक पुस्तकहरू, पूजन सामाग्रीहरू चाहिएमा

सम्पर्क:-

9842080419, 9841551629

9841598900, 9804460936

**वक्रमार्गोदयास्तः** मं.मा.उ., बु.मा.अ.पू., वृ.व.उ., शु.व.२अ.प., श.मा.२ उ.

**पापांशाः** शनिः२, राहुः४-केतुः१०, २५सूर्यः५-भौमः२, २८सूर्यः६, ३०भौमः३,१सूर्यः७, ३भौमः४, ४सूर्यः८, ५शनिः३,

**ग्रह संचार समय घडि पलामा**

२३ गते पुनःपूभायां४गुरुः २५।५९
२५ गते चित्रर्क्षे१सूर्यः १९।५९
२५ गते विशाखायां२भौमः २५।१
२६ गते चित्रर्क्षेबुधः ५०।२५
२८ गते चित्रर्क्षे२सूर्यः ४१।३३
३० गते विशाखायां३भौमः १३।२७
३० गते चि.३तुलायांबुधः ३९।१८
१ गते चि.३तुलायांमर्कः २।४१
१ गते पुनः चित्रर्क्षेशुक्रः ४८।३८
२ गते पूर्वोदितः शनिः २२।५२
२गते पश्चिमास्तः शुक्रः ४६।३५
३ गते वि.४वृश्चिकेभौमः ५९।५८
३ गते स्वात्यांबुधः २६।३९
४ गते चित्रर्क्षे४सूर्यः २३।२५
५ गते हस्तभे३शनिः १५।१९

| २७ | आश्विन २७ग बुधे ६।३८ | |
|---|---|---|
| सू. | ५।२५।५।४७ | ५९।३२ |
| मं. | ६।२४।३०।१९ | ४१।३७ |
| बु. | ५।२३।४८।१३ | १०५।१२ |
| वृ. | ११।२।५३।४ | ६।१९ |
| शु. | ६।९।५२।५७ | २७।५६ |
| श. | ५।१५।३२।५६ | ७।२७ |
| रा. | ८।११।५१।१४ | ३।११ |

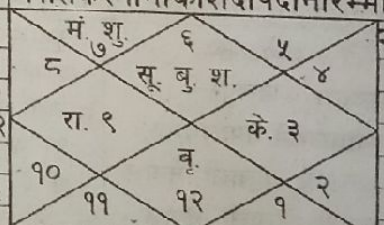


३०ग.बु:७, १ग.सू:७, ३ग.भौ:८ ।

| २८ | कार्त्तिक ३ ग बुधे ६।२८ | |
|---|---|---|
| सू. | ६।२।३।१७ | ५९।४८ |
| मं. | ६।२९।२२।३४ | ४२।० |
| बु. | ६।६।४।२८ | १०६।३३ |
| वृ. | ११।२।६।२३ | ५।२५ |
| शु. | ६।५।५०।२० | ३७।१० |
| श. | ५।१६।२४।२३ | ७।२० |
| रा. | ८।११।२८।५९ | ३।११ |

श्री संवत् २०६७ श्री शाके १९३२ ने.संवत् ११३० कार्तिककृष्णपक्षः (कौलागा) पाः ३. आ. पुन. श्ले. ह. स्वा. (अक्टुबर १०-नवम्बर ११ सन् २०१०) दक्षिणायनं शरदृर्तुः शोभननामक संवत्सरः

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | च.रा. ग्र.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ७ | आ | १ | ४।१९ | ७।५३ | भ | ४५।१९ | ०।१७ | सि | ४५।१२ | ०।१४ | तै | ३५।१४ | २०।१५ | काल | मेष | २८।८ | ६।१० | १७।२५ | 24 | त्रिपुष्करः४५।१९उ., **संयुक्तराष्ट्रसंघ दिवसः,** |
| | ८ | सो | २ | ५।४७ | ८।२९ | कृ | ४७।२६ | १।८ | व्य | ४२।५३ | २३।१९ | व | ३६।३ | २०।३५ | स्थिर | ०।५७=६।३३ | २८।४ | ६।१० | १७।२४ | 25 | भ.३६।३उ., ❻(कागतिहार) (स्वन्तिचःह्रेपूजा), |
| प्र | ९ | मं | ३ | ५।५८ | ८।३४ | रो | ४८।१८ | १।३० | व | ३९।३३ | २२।० | ब | ३५।३६ | २०।२५ | मातङ्ग | वृष | २८।१ | ६।११ | १७।२३ | 26 | भ.५।५८या., |
| | १० | बु | ४ | ४।५३ | ८।९ | मृ | ४७।५८ | १।२३ | प | ३५।१६ | २०।१८ | कौ | ३३।५५ | १९।४५ | अमृत | १८।१६=१३।३० | २७।५७ | ६।११ | १७।२२ | 27 | ❼(स्व)कुकुरपूजा, **लक्ष्मीपूजा,** दीपमालिका सुखरात्री, |
| | ११ | बृ | ५ | २।३८ / ५९।२१ | ७।१५ / ५।५६ | आ | ४६।३५ | ०।५० | शि | ३०।५ | १८।१४ | ग | ३१।७ | १८।३९ | काण | मिथुन | २७।५३ | ६।१२ | १७।२१ | 28 | भ.५९।२१उ., |
| प्र | १२ | शु | ७ | ५५।८ | ४।१६ | पू | ४४।१७ | २३।५६ | सि | २४।८ | १५।५२ | भ | २७।२० | १७।९ | लम्ब | २९।५६=१८।११ | २७।४९ | ६।१३ | १७।२१ | 29 | भ.२७।२०या., |
| | १३ | श | ८ | ५०।१२ | २।१८ | तै | ४१।१३ | २२।४३ | सा | १७।३० | १३।१४ | बा | २२।४४ | १५।१९ | मित्र | कर्कट | २७।४६ | ६।१४ | १७।२० | 30 | **अष्टमीव्रतं,** राधाष्टमी, गोरखकालीपूजा, |
| | १४ | आ | ९ | ४४।४२ | ०।७ | श्ले | ३७।३५ | २१।१६ | शु | १०।२१ | १०।२३ | तै | १७।२९ | १३।१४ | वज्र | ३७।३५=२१।१६ | २७।४२ | ६।१४ | १७।१९ | 31 | ❽(गाइ/गोरुतिहार), म्हपूजा, |
| | १५ | सो | १० | ३८।५२ | २१।४८ | म | ३३।३३ | १९।४० | शु | २।४८ / ५५।३ | ७।२२ / ४।१६ | व | ११।४८ | १०।५८ | ध्वांक्ष | सिंह | २७।३८ | ६।१५ | १७।१८ | 1 | भ.११।४८उ.३८।५२या., (नवम्बर ११ ता.३०), |
| | १६ | मं | ११ | ३२।५१ | १९।२४ | पू | २९।२१ | १८।० | ऐं | ४७।१० | १।८ | ब | ५।५१ / ५९।५२ | ८।३६ / ६।१२ | धूम्र | ४३।१८=२३।३५ | २७।३५ | ६।१६ | १७।१८ | 2 | **रमाएकादशीव्रतं,** गोवत्सद्वादशी, त्रिपुष्करः३२।५१उ., |
| प्र | १७ | बु | १२ | २६।५४ | १७।२ | उ | २५।११ | १६।२१ | वै | ३९।२३ | २२।२ | ग | ५४।१ | ३।५३ | प्रवर्द्ध | कन्या | २७।३१ | ६।१६ | १७।१७ | 3 | **प्रदोषव्रतं,** यमपञ्चकारम्भः, यमदीपदानं, |
| | १८ | बृ | १३ | २१।१२ | १४।४६ | ह | २१।१६ | १४।४८ | वि | ३१।५१ | १९।१ | भ | ४८।३२ | १।४२ | राक्षस | ४९।२९=२।५ | २७।२८ | ६।१७ | १७।१६ | 4 | भ.२१।१२उ.४८।३२या., धन्वन्तरीजयन्ती, काकवलि❻ |
| | १९ | शु | १४ | १५।५८ | १२।४१ | चि | १७।४८ | १३।२५ | प्री | २४।४३ | १६।११ | च | ४३।३६ | २३।४४ | मुशल | तुला | २७।२४ | ६।१८ | १७।१५ | 5 | **दर्शश्राद्धं** निशीबार्ने, **नरक** १४, प्रत्युषेऽभ्यङ्गस्नानं❼ |
| | २० | श | ३० | ११।२३ | १०।५२ | स्वा | १४।५९ | १२।१८ | आ | १८।६ | १३।३३ | किं | ३९।२४ | २२।४ | सिद्धि | ५८।२४=५।४० | २७।२१ | ६।१९ | १७।१५ | 6 | स्नानदानादौ अमावास्या, हलोबार्ने, गो.वलिपूजा❽ |

*नोटः रात्री १ बजेबाट दिनको १२ बजेसम्मलाई १, २, ..... १२ बजे, दिन १ बाट रात्रीं ११ बजेसम्मलाई १३, १४, ..... २३ बजे र रात्री १२ बजेलाई ० बजेले संकेत गरिएको छ।*

**ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः** मं.मा.उ., बु.मा.१९उ.प., बृ.व.उ., शु.व.१६उ.पू., श.मा.उ.

**पापांशाः** शनिः३, राहुः४-केतुः१०, ७सूर्यः९, ८भौमः५, ११सूर्यः१०, १३भौमः६, १४सूर्यः११, १७सूर्यः१२, १८भौमः७,


***यो पञ्चाङ्गको प्राप्ति स्थानहरूः***

**मञ्जुश्री इन्टरप्राइजेज** कोहलपुर

**माछापुच्छ्रे बुक्स एण्ड स्टेशनर्स** नेपालगञ्ज,

**चौलानी पुस्तक भण्डार** धनगढी, कैलाली, नेपाल

**चुवॉई पुस्तक पसल** धनगढी, कैलाली, नेपाल

**दुर्गा पुस्तक भण्डार** महेन्द्रनगर, कञ्चनपुर, नेपाल


**ग्रह संचार समय घडि पलामा**

७ गते स्वात्यां१सूर्यः ४३।४४
८ गते अनुराधायां१भौमः ४४।३३
११ गते स्वात्यां२सूर्यः ३।३८
११ गते विशाखायांबुधः ४।१२
१२ गते पुनःचि.२ कन्यायांशुक्रः २७।३०
१३ गते अनुराधायां२भौमः २७।१६
१४ गते स्वात्यां३सूर्यः २३।१०
१६ गते वि.४वृश्चिकेबुधः५७।३५
१६ गते पूर्वोदितःशुक्रः ४४।४७
१७ गते स्वात्यां४सूर्यः ४२।२०
१८ गते अनुराधायां३भौमः ८।१०
१८ गते अनुराधायांबुधः ५८।५७
१९ गते पश्मिोदितोबुधः २८।४८

| २९ | कार्त्तिक १०गते बुधे ६।१७ | |
|---|---|---|
| सू. | ६।९।२।३५ | ६०।४ |
| मं. | ७।४।१७।४२ | ४२।२२ |
| बु. | ६।१८।१९।४६ | १०५।७ |
| बृ. | ११।१।२७।१ | ४।१८ |
| शु. | ६।१।२०।४२ | ३४।२४ |
| श. | ५।१७।१४।५२ | ७।९ |
| रा. | ८।११।६।४३ | ३।११ |

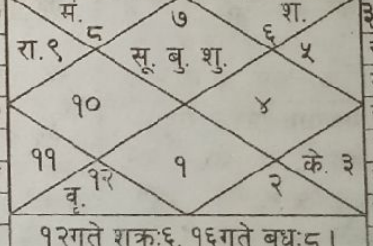


१२गते शुक्रः६, १६गते बुधः८।

| ३० | कार्त्तिक १७गते बुधे ६।५ | |
|---|---|---|
| सू. | ६।१६।३।३५ | ६०।१९ |
| मं. | ७।९।१५।४१ | ४२।४३ |
| बु. | ७।०।१४।९ | १००।४९ |
| बृ. | ११।०।५६।१९ | ३।४ |
| शु. | ५।२७।५१।३० | २१।१६ |
| श. | ५।१८।३।५७ | ६।५५ |
| रा. | ८।१०।४४।२८ | ३।११ |

श्री संवत् २०६७ श्री शाके १९३२ ने.संवत् ११३१ कार्तिकशुक्लपक्षः (कछलाश्व) पाः वि. अनु. मू. पूषा. ध. उभा. २. (नवम्बर ११ सन् २०१०) दक्षिणायनं शरद-हेमन्तर्तुः शोभननामक संवत्सरः

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | च.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | २१ | आ | १ | ७।३६ | ९।२२ | वि | १२।५८ | ११।३० | सौ | १२।९ | ११।११ | बा | ३६।५ | २०।४५ | उत्पात | वृश्चिक | २७।१७ | ६।१९ | १७।१४ | 7 |
| | २२ | सो | २ | ४।४८ | ८।१५ | अ | ११।५६ | ११।६ | शो | ७।० | ९।८ | तै | ३३।५० | १९।५२ | मानस | वृश्चिक | २७।१४ | ६।२० | १७।१४ | 8 |
| प्र | २३ | मं | ३ | ३।८ | ७।३६ | ज्ये | १२।० | ११।९ | अ | २।४३ / ५९।२६ | ७।२६ / ६।७ | व | ३२।४७ | १९।२७ | मुद्गर | १२।०=११।९ | २७।१० | ६।२१ | १७।१३ | 9 |
| | २४ | बु | ४ | २।४२ | ७।२६ | मू | १३।१७ | ११।४० | ध्रु | ५७।७ | ५।१२ | ब | ३२।५९ | १९।३३ | ध्वज | धनु | २७।७ | ६।२१ | १७।१२ | 10 |
| | २५ | वृ | ५ | ३।३३ | ७।४८ | पू | १५।४९ | १२।४२ | शू | ५५।४७ | ४।४१ | कौ | ३४।२९ | २०।१० | धाता | ३१।३९=१९।२ | २७।४ | ६।२२ | १७।१२ | 11 |
| प्र | २६ | शु | ६ | ५।४१ | ८।४० | उ | १९।३४ | १४।१३ | गं | ५५।२१ | ४।३२ | ग | ३७।१४ | २१।१६ | आनन्द | मकर | २७।१ | ६।२३ | १७।११ | 12 |
| | २७ | श | ७ | ९।१ | १०।० | श्र | २४।२५ | १६।१० | वृ | ५५।४३ | ४।४१ | भ | ४१।५ | २२।५० | स्थिर | ५७।१३=५।१७ | २६।५८ | ६।२४ | १७।११ | 13 |
| | २८ | आ | ८ | १३।२० | ११।४४ | ध | ३०।१० | १८।२९ | ध्रु | ५६।४० | ५।५ | बा | ४५।४७ | ०।४४ | मातङ्ग | कुम्भ | २६।५४ | ६।२५ | १७।१० | 14 |
| | २९ | सो | ९ | १८।२१ | १३।४६ | श | ३६।२९ | २१।१ | व्या | ५७।५८ | ५।३७ | तै | ५।१२ | २।५० | अमृत | कुम्भ | २६।५१ | ६।२५ | १७।१० | 15 |
| | ३० | मं | १० | २३।४३ | १५।५५ | पू | ४३।१ | २३।३८ | ह | ५९।१८ | ६।१० | व | ५६।२३ | ४।५९ | काण | २६।२३=१६।५९ | २६।४८ | ६।२६ | १७।९ | 16 |
| मं | १ | बु | ११ | २८।५७ | १८।२ | उ | ४९।१७ | २।१० | व | ६०।० | समस्त | ब | ६०।० | ६।२८ | लुम्ब | मीन | २६।४५ | ६।२७ | १७।९ | 17 |
| प्र | २ | वृ | १२ | ३३।३८ | १९।५५ | रे | ५४।५७ | ४।२६ | व | ०।२० | ६।३६ | ब | १।२२ | ७।० | मित्र | ५४।५७=४।२६ | २६।४२ | ६।२८ | १७।९ | 18 |
| | ३ | श | १३ | ३७।२७ | २१।२७ | अ | ५९।४१ | ६।२१ | सि | ०।५२ | ६।४९ | कौ | ५।४० | ८।४४ | वज्र | मेष | २६।४० | ६।२९ | १७।८ | 19 |
| | ४ | श | १४ | ४०।१० | २२।३३ | भ | ६०।० | समस्त | व्य | ०।३९ / ५९।३४ | ६।४५ / ६।१९ | ग | ८।५७ | १०।४ | ध्वांक्ष | मेष | २६।३७ | ६।२९ | १७।८ | 20 |
| | ५ | आ | १५ | ४१।३८ | २३।९ | भ | ३।१६ | ७।४८ | प | ५७।२९ | ५।३० | भ | ११।३ | १०।५५ | काल | १८।५९=१४।६ | २६।३४ | ६।३० | १७।८ | 21 |

❶(भाइटीका-किजापूजा),त्रिपु.७।३६उ.१२।५८या. चन्द्रोदयः गोवर्द्धनपूजा, यमद्वितीया/भातृद्वितीया❶ ❹खोटाङ्गे वराहपोखरी मेला, भ.३२।४७उ., ❸वराहक्षेत्र धार्मिकमेलारम्भः,❹ भ.२।४२या., ❷तुलसीविवाह, भीष्मपञ्चकारम्भः❸ फाल्गुनन्द जयन्ती,❺अखण्डदीपदर्शनं,ध.पं.नि.५४।५७ डालाषट्पूजा, ❶हेटौडा कुष्माण्डसरोवरमेला, भ.९।१उ.४१।५या., ध.पं.प्रवत्तिः५७।१३; अष्टमीव्रतं, मुखाष्टमी गोपाष्टमी, गोरखकालीपूजा, कुष्माण्डनवमी, सत्ययुगादिः (सक्वचँगुवने),❶ भ.५६।२३उ., वृश्चिकेऽर्कः५५।२७, बलम्बु महालक्ष्मीयात्रा, भ.२८।५७या. मार्गशीर्षसंक्रान्ति, हरिबोधिनी११व्रतं,❷ मन्वादिः रिडीक्षेत्रे ऋषिकेशरथयात्रा, चाँगुनारायण❺ प्रदोषव्रतं, पाल्पा (दर्लम) महाकाली भगवती यात्रा, भ.४०।१०उ., वैकुण्ठ १४ व्रतं, डोटी (दीपायल) जाँत, भ.११।३या. पूर्णिमाव्रतं, (सकिमनापुन्हि) त्रिपुरोत्सवः❼

ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः मं.मा.उ., बु.मा.उ.प., वृ.४मा.उ., शु.२५मा.उ.पू., श.मा.उ.

पापांशाः शनिः३, राहुः४-केतुः१०, २१सूर्यः१, २२भौमः८, २४सूर्यः२, २७सूर्यः३-भौमः९, ३०सूर्यः४, १राहुः३-केतुः९, २भौमः१०, ४सूर्यः५-शनिः४,

सबै प्रकारका धार्मिक पुस्तकहरू, पूजन सामाग्रीहरू चाहिएमा सम्पर्कः-
9842080419, 9841551629, 9841598900

❼चातुर्मास्यव्रतसमाप्तिः कार्त्तिकस्नानपूर्त्तिः मन्वादिः शीलगढी शैलेश्वरीजाँच, स्थानकोट वाणस्थली त्रिवेणी स्नानं, वराहक्षेत्रे धार्मिकमेलासमाप्तिः, निर्वाकाचार्यजयन्ती, गुरुनानकजयन्ती,

**ग्रह संचार समय घडि पलामा**

२१ गते विशाखायां१सूर्यः १।६
२२ गते अनुराधायां४भौमः४७।१९
२४ गते विशाखायां२सूर्यः १९।३३
२५ गते मार्गीशुक्रः ५९।१९
२७ गते विशाखायां३सूर्यः ३७।४०
२७ गते ज्येष्ठायां१भौमः २४।४३
२७ गते ज्येष्ठायांबुधः ३७।४२
३० गते वि.४वृश्चिकेऽर्कः ५५।२७
१ गते मूलभे३राहुः आर्द्रायां१केतुः ५।११
२ गते ज्येष्ठायां२भौमः ०।२७
४ गते अनुराधायां१सूर्यः १२।५५
४ गते मार्गीगुरुः ५५।५८
४ गते हस्तभे४शनिः ५६।०६

| ३१ | कार्तिक २४गते बुधे ५।५२ | |
|---|---|---|
| सू. | ६।२३।६।१२ | ६०।३२ |
| मं. | ७।१४।१६।३१ | ४३।४ |
| बु. | ७।११।२६।५ | ९२।४७ |
| वृ. | ११।०।३५।१२ | १।४३ |
| शु. | ५।२६।१५।२९ | ३।५७ |
| श. | ५।१८।५१।१५ | ६।३७ |
| रा. | ८।१०।२२।१३ | ३।११ |

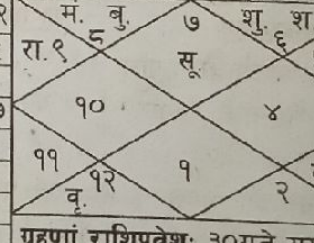


ग्रहणां राशिप्रवेशः ३०गते सूर्यः८।

| ३२ | मार्गशीर्ष १गते बुधे ५।३८ | |
|---|---|---|
| सू. | ७।०।१०।२० | ६०।४५ |
| मं. | ७।१९।२०।९ | ४३।२४ |
| बु. | ७।२१।२५।२४ | ७९।११ |
| वृ. | ११।०।२४।१५ | ०।२० |
| शु. | ५।२६।४२।२० | १२।३१ |
| श. | ५।१९।३६।२० | ६।१६ |
| रा. | ८।९।५९।५९ | ३।११ |

श्री संवत् २०६७ श्री शाके १९३२ ने.संवत् ११३१ मार्गशीर्षकृष्णपक्षः (कछलागा) पाः आ. पुन. ति. श्ले. ह. ज्ये. (नवम्बर११-दिसम्बर१२ सन् २०१०) दक्षिणायनं हेमन्तर्तुः शोभननामक संवत्सरः

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | वजेसम्म | न. | घ. प. | वजेसम्म | यो. | घ. प. | वजेसम्म | क. | घ. प. | वजेसम्म | योगाः | चरा. घप.= वजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | ❾धनुषिसायनार्क:३०।४६, |
| | ६ | सो | १ | ४१।४९ | २३।१४ | कृ | ५।३९ | ८।४७ | शि | ५४।२४ | ४।१७ | वा | ११।५२ | ११।१६ | स्थिर | वृष | २६।३१ | ६।३१ | १७।७ | 22 | त्रिजटार्घ्यदानं, स्थानकोटे महालक्ष्मीयात्रा,❾ |
| | ७ | मं | २ | ४०।४४ | २२।४९ | रो | ६।४७ | ९।१५ | सि | ५०।२१ | २।४० | तै | ११।२४ | ११।५ | मातङ्ग | ३६।५५=२१।१८ | २६।२९ | ६।३२ | १७।७ | 23 | द्विपुष्कर:६।४७उ.४०।४४या., |
| | ८ | बु | ३ | ३८।२८ | २१।५६ | मृ | ६।४४ | ९।१४ | सा | ४५।२३ | ०।४२ | व | ९।४३ | १०।२६ | अमृत | मिथुन | २६।२६ | ६।३२ | १७।७ | 24 | भ.९।४३उ.३८।२८या., |
| प्र | ९ | बृ | ४ | ३५।९ | २०।३७ | आ | ५।३४ | ८।४७ | शु | ३९।३६ | २२।२४ | व | ६।५४ | ९।१९ | काण | ४९।६=२।१२ | २६।२४ | ६।३३ | १७।७ | 25 | ❽(दिसम्बर १२ ता.३१) |
| | १० | शु | ५ | ३०।५६ | १८।५७ | पु | ३।२७ | ७।५७ | शु | ३३।७ | १९।४९ | कौ | ३।८/५८।३४ | ७।४९/६।० | लुम्ब | कर्कट | २६।२२ | ६।३४ | १७।७ | 26 | ❼(वाला च:द्वेपूजा), |
| प्र | ११ | श | ६ | २६।१ | १६।५९ | ति | ०।३३/५७।३ | ६।४८/५।२४ | ब्र | २६।४ | १७।० | भ | ५३।२१ | ३।५५ | मित्र | ५७।३=५।२४ | २६।१९ | ६।३५ | १७।७ | 27 | भ.२६।१उ.५३।२१या., |
| | १२ | आ | ७ | २०।३३ | १४।४९ | म | ५३।६ | ३।५० | ऐं | १८।३४ | १४।१ | वा | ४७।४१ | १।४० | मुद्गर | सिंह | २६।१७ | ६।३६ | १७।६ | 28 | रवि ७ व्रतं, **अष्टमीव्रतं**, सायं भैरवोत्पतिः, |
| | १३ | सो | ८ | १४।४४ | १२।३० | पु | ४८।५५ | २।१० | वै | १०।४८ | १०।५६ | तै | ४१।४७ | २३।१९ | ध्वज | सिंह | २६।१५ | ६।३६ | १७।६ | 29 | गोरखकालीपूजा, |
| | १४ | मं | ९ | ८।४६ | १०।८ | उ | ४४।४३ | ०।३० | वि | २।५३/५५।१३ | ७।४७/४।३८ | व | ३५।४९ | २०।५७ | धाता | २।५०=७।४५ | २६।१३ | ६।३७ | १७।६ | 30 | भ.३५।३९उ., |
| | १५ | बु | १० | २।५३/५७।१८ | ७।४७/५।३३ | ह | ४०।४३ | २२।५५ | आ | ४७।२२ | १।३५ | व | ३०।३ | १८।३९ | आनन्द | कन्या | २६।११ | ६।३८ | १७।६ | 1 | भ.२।५३या., स्मार्त्तानां **उत्पतिका११व्रतं**, गुह्येश्वरीयात्रा,❽ |
| | १६ | बृ | १२ | ५२।९ | ३।३० | चि | ३७।८ | २१।३० | सौ | ४०।२ | २२।४० | कौ | २४।३८ | १६।३० | चर | ८।५१=१०।११ | २६।९ | ६।३९ | १७।६ | 2 | वैष्णवानामुत्पत्तिकाएकादशीव्रतम्, |
| प्र | १७ | शु | १३ | ४७।४० | १।४३ | स्वा | ३४।९ | २०।१९ | शो | ३३।११ | १९।५६ | ग | १९।४८ | १४।३५ | गद | तुला | २६।७ | ६।४० | १७।६ | 3 | भ.४७।४०उ., **प्रदोषव्रतं**, खोटाङ्गे-हलेसी महादेवमेला, |
| | १८ | श | १४ | ४४।० | ०।१६ | वि | ३१।५६ | १९।२७ | अ | २६।५८ | १७।२८ | भ | १५।४२ | १२।५७ | शुभ | १७।२४=१३।३८ | २६।५ | ६।४० | १७।६ | 4 | भ.१५।४२या. वालाचतुर्दशी, **शतवीजरोपणं❼** |
| | १९ | आ | ३० | ४१।२० | २३।१३ | अ | ३०।३९ | १८।५७ | सु | २१।३० | १५।१७ | च | १२।३१ | ११।४१ | मृत्यु | वृश्चिक | २६।४ | ६।४१ | १७।७ | 5 | **दर्शश्राद्धं** निशी तथा हलोबार्ने, |

*नोटः रात्री १ बजेबाट दिनको १२ बजेसम्मलाई १, २, ..... १२ बजे, दिन १ बाट रात्री ११ बजेसम्मलाई १३, १४, ..... २३ बजे र रात्री १२ बज़ेलाई ० बजेले संकेत गरिएको छ ।*

**ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः** मं.मा.८अ., बु.१९व.उ.प., बृ.मा.उ., शु.मा.उ.प्रू., श.मा.उ.

**पापांशाः** शनिः४, राहुः३-केतुः९, ६भौमः११, ७सूर्यः६, १०सूर्यः७, ११भौमः१२, १४सूर्यः८, १५भौमः१, १७सूर्यः९,

***यो पञ्चाङ्गको प्राप्ति स्थानहरूः***

**सुकुन्दा पुस्तक भवन** भोटाहिटी, काठमाडौं, नेपाल
**नेशनल बुक सेन्टर** भोटाहिटी, काठमाडौं, नेपाल
**हेरिटेज पब्लिशर्स** भोटाहिटी, काठमाडौं
**दुर्गा न्यूज सेन्टर** न्यूरोड, काठमाडौं, नेपाल
के.पी. पुस्तक भण्डार, काठमाडौं, नेपाल

**ग्रह संचार समय घडि पलामा**

६ गते ज्येष्ठायां३भौमः ३४।३५
७ गते अनुराधायां२सूर्यः ३०।६
८ गते मूलभे१धनुषिबुधः ४१।२५
८ गते पश्चिचमास्तोभौमः४३।१९
१० गते चि.३तुलायांशुक्रः २२।४
१० गते अनुराधायां३सूर्यः ४७।२
११ गते ज्येष्ठायां४भौमः ७।७
१४ गते अनुराधायां४सूर्यः ३।४१
१५ गते मू.१धनुषिभौमः ३८।१०
१७ गते ज्येष्ठायां१सूर्यः २०।८
१९ गते वक्रीबुधः ३।७

| ३३ | मार्गशीर्ष ८ग बुधे ५।२४ | |
|---|---|---|
| सू. | ७।७।१५।५१ | ६०।५६ |
| मं. | ७।२४।२६।३२ | ४३।४४ |
| बु. | ७।२९।२६।२१ | ५६।५६ |
| बृ. | ११।०।२३।४४ | १।४ |
| शु. | ५।२८।५६।४४ | २६।६ |
| श. | ५।२०।१८।४८ | ५।५१ |
| रा. | ८।९।३७।४४ | ३।११ |

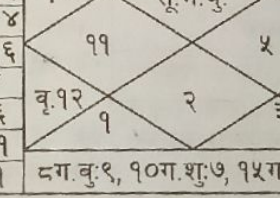


८ग.बु:९, १०ग.शु:७, १५ग.भौ:९ ।

| ३४ | मार्गशीर्ष१५ग बुधे ५।१० | |
|---|---|---|
| सू. | ७।१४।२२।३५ | ६१।६ |
| मं. | ७।२९।३५।३६ | ४४।२ |
| बु. | ८।४।१८।३० | २२।५ |
| बृ. | ११।०।३३।३९ | २।२६ |
| शु. | ६।२।३६।४१ | ३६।३९ |
| श. | ५।२०।५८।१३ | ५।२३ |
| रा. | ८।९।१५।२९ | ३।११ |

**श्री विक्रम संवत् २०६७ श्री शाके १९३२ ने.संवत् ११३१ मार्गशीर्षशुक्लपक्षः (थिंल्लाश्व) पाः ज्ये. मू. पूषा. उभा. आ. (दिसम्बर १२ सन् २०१०) दक्षिणायनं हेमन्तर्तुः शोभननामक संवत्सरः**

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | च.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | २० | सो | १ | ३९।४८ | २२।३७ | ज्ये | ३०।२८ | १८।५३ | धृ | १६।५३ | १३।२७ | किं | १०।२४ | १०।५२ | पद्म | ३०।२८=१८।५३ | २६।२ | ६।४२ | १७।७ | 6 |
| | २१ | मं | २ | ३९।३१ | २२।३१ | मू | ३१।२८ | १९।१८ | शू | १३।१२ | १२।० | बा | ९।२९ | १०।३० | छत्र | धनु | २६।१ | ६।४३ | १७।७ | 7 |
| | २२ | बु | ३ | ४०।३२ | २२।५६ | पू | ३३।४२ | २०।१२ | गं | १०।३१ | १०।५६ | तै | ९।५१ | १०।४० | श्रीवत्स | ४९।२८=२।३१ | २५।५९ | ६।४३ | १७।७ | 8 |
| प्र | २३ | वृ | ४ | ४२।४९ | २३।५२ | उ | ३७।११ | २१।३७ | वृ | ८।४९ | १०।१६ | व | ११।३० | ११।२० | सौम्य | मकर | २५।५८ | ६।४४ | १७।७ | 9 |
| | २४ | शु | ५ | ४६।१७ | १।१६ | श्र | ४१।४८ | २३।२८ | ध्रु | ८।३ | ९।५८ | ब | १४।२४ | १२।३० | धूम्र | मकर | २५।५७ | ६।४५ | १७।७ | 10 |
| | २५ | श | ६ | ५०।४४ | ३।३ | ध | ४७।२२ | १।४२ | व्या | ८।८ | १०।१ | कौ | १८।२४ | १४।७ | प्रवर्द्ध | १४।२८=१२।३३ | २५।५५ | ६।४५ | १७।८ | 11 |
| प्र | २६ | आ | ७ | ५५।५२ | ५।७ | श | ५३।३६ | ४।१२ | ह | ८।५२ | १०।१९ | ग | २३।१३ | १६।३ | राक्षस | कुम्भ | २५।५४ | ६।४६ | १७।८ | 12 |
| | २७ | सो | ८ | ६०।० | समस्त | पू | ६०।० | समस्त | व | १०।२ | १०।४८ | भ | २८।३३ | १८।१२ | मुशल | ४३।२९=०।१० | २५।५४ | ६।४७ | १७।८ | 13 |
| | २८ | मं | ८ | १।१६ | ७।१८ | पू | ०।५ | ६।५० | सि | ११।२२ | ११।२० | बा | ३३।५८ | २०।२३ | काण | मीन | २५।५३ | ६।४७ | १७।८ | 14 |
| | २९ | बु | ९ | ६।३२ | ९।२५ | उ | ६।२८ | ९।२३ | व्य | १२।३० | ११।४८ | तै | ३९।० | २२।२४ | लुम्ब | मीन | २५।५२ | ६।४८ | १७।९ | 15 |
| पौ | १ | वृ | १० | ११।१४ | ११।१८ | रे | १२।१८ | ११।४४ | व | १३।१२ | १२।५ | व | ४३।१६ | ०।७ | मित्र | १२।१८=११।४४ | २५।५१ | ६।४९ | १७।९ | 16 |
| | २ | शु | ११ | १५।२ | १२।५० | अ | १७।१६ | १३।४४ | प | १३।१३ | १२।६ | ब | ४६।३२ | १।२६ | वज्र | मेष | २५।५१ | ६।४९ | १७।१० | 17 |
| प्र | ३ | श | १२ | १७।४२ | १३।५५ | भ | २१।१० | १५।१८ | शि | १२।२३ | ११।४७ | कौ | ४८।३५ | २।१६ | ध्वांक्ष | ३६।५८=२१।३७ | २५।५० | ६।५० | १७।१० | 18 |
| | ४ | आ | १३ | १९।७ | १४।२९ | कृ | २३।५१ | १६।२३ | सि | १०।३६ | ११।५ | ग | ४९।२१ | २।३५ | धूम्र | वृष | २५।५० | ६।५० | १७।१० | 19 |
| | ५ | सो | १४ | १९।१५ | १४।३३ | रो | २५।१७ | १६।५८ | सा | ७।५० | ९।५९ | भ | ४८।५० | २।२३ | प्रवर्द्ध | ५५।३३=५।४ | २५।५० | ६।५१ | १७।११ | 20 |
| | ६ | मं | १५ | १८।६ | १४।६ | मृ | २५।३० | १७।४ | शु | ४।४ / ५९।२४ | ८।२९ / ६।३७ | बा | ४७।६ | १।४२ | राक्षस | मिथुन | २५।५० | ६।५२ | १७।११ | 21 |

❷श्रीइन्द्राणीयात्रा, ध.पं.निवृत्तिः१२।१८,
चन्द्रोदयः, ❻मकरेसायनार्कः ५६।७,
❺(थिलापुन्हि-योमरिपुन्हि), **उधौलीपूजा**,❻
भ.११।३०उ.४२।४९या.,
**विवाहपञ्चमीमेला** जनकपुरे सीताविवाह,
ध.पं.प्रवृतिः१४।२८,
भ.५५।५२उ., रवि७व्रतं, त्रिपुष्करः५३।३६उ.५५।५२या.,
भ.२८।३३या., **अष्टमीव्रतं**, गोरखकालीपूजा,
भौमाष्टमी (बखुमद),
पाङ्गा श्रीवैष्णवीदेवीयात्रा,
भ.४३।१६उ. धनुष्यर्कः२३।५७(**पौषसंक्रान्ति**) कीर्तिपुरे❷
भ.१५।२या., **मोक्षदाएकादशीव्रतं**,गीता जयन्ती,
**शनिप्रदोषव्रतम्**, ❸कुठीधान्य लक्ष्मीपूजा,❹
❹काशीस्थ पिशाचमोचनं तीर्थे श्राद्धं,
भ.१९।१५उ.४८।५०या., **पूर्णिमाव्रतं**, दत्तात्रयजयन्ती,❸
**धान्यपूर्णिमा**, धान्यपर्वतदानं धनेश्वरमेला, (गैडूपूजा)❺

**दुर्गा साहित्य अण्डार**
पो.ब.नं.१०९६,
वाराणसी, भारत

**वक्रमार्गोदयास्तः** मं.मा.अ., बु.व.२२अ.प., वृ.मा.उ., शु.मा.उ.पू., श.मा.उ.

**पापांशाः** शनिः४, राहुः३-केतुः९, २०सूर्यः१०-भौमः२, २३सूर्यः११, २४भौः३, २७सूर्यः१२, २९भौः४, १सूर्यः१, ४सूर्यः२-भौमः५,

**ग्रह संचार समय घडि पलामा**
२० गते ज्येष्ठायां२सूर्यः ३६।२१
२० गते मूलभे२भौमः ७।४३
२१ गते स्वात्यांशुक्रः ७।४६
२२ गते पश्चिमास्तोबुधः १०।३७
२३ गते ज्येष्ठायां३सूर्यः ५२।२४
२४ गते मूलभे३भौमः ३५।५३

**ग्रह संचार समय घडि पलामा**
२७ गते ज्येष्ठायां४सूर्यः ८।१४
२९ गते मूलभे४भौमः २।३९
२९ गते पुनः ज्ये.४वृश्चिकेबुधः २७।५८
१ गते मू.१ धनुष्यर्कः २३।५७
४ गते मूलभे२सूर्यः ३९।३३
४ गते पूषायां१भौमः २८।१०

| ३५ | मार्ग २२ गते | बुधे ४।५७ |
|---|---|---|
| सू. | ७।२१।३०।२३ | ६१।१३ |
| मं. | ८।४।४७।१९ | ४४।२० |
| बु. | ८।४।३८।० | २३।४१ |
| वृ. | ११।०।५३।४४ | ३।४६ |
| शु. | ६।७।२२।६ | ४४।४० |
| श. | ५।२१।३४।११ | ४।५२ |
| रा. | ८।८।५३।१४ | ३।११ |

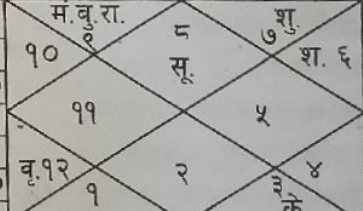


**राशिप्रवेशः**२९ग.बुधः८, १ग.सूर्यः९

| ३६ | मार्ग २९ गते | बुधे ४।४५ |
|---|---|---|
| सू. | ७।२८।३९।३ | ६१।१९ |
| मं. | ८।१०।१।३५ | ४४।३७ |
| बु. | ८।०।१९।१४ | ५६।२ |
| वृ. | ११।१।२३।३७ | ५।२ |
| शु. | ६।१२।५७।११ | ५०।४६ |
| श. | ५।२२।६।१८ | ४।१७ |
| रा. | ८।८।३०।५९ | ३।११ |

श्री विक्रम संवत् २०६७ श्री शाके १९३२ ने.संवत् ११३१ पौषकृष्णपक्षः (थिंल्लागा) पाः आ. पुन. ह. मू. पूषा. (दिसं.१२ सन् २०१०-जन.१ सन् २०११) दक्षिणायनं हेमन्तर्तुः शोभननामक संवत्सरः

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | च.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ७ | बु | १ | १५।४८ | १३।११ | आ | २४।३६ | १६।४३ | ब्र | ५३।५२ | ४।२५ | तै | ४४।१५ | ०।३४ | मुशल | मिथुन | २५।५० | ६।५२ | १७।१२ | 22 | कोकाकौशीकीसंगममेला, |
| | ८ | बृ | २ | १२।२७ | ११।५१ | पु | २२।४२ | १५।५८ | ऐं | ४७।३५ | १।५५ | व | ४०।२६ | २३।३ | सिद्धि | ८।१६=१०।११ | २५।५० | ६।५३ | १७।१२ | 23 | भ. ४०।२६उ., |
| प्र | ९ | शु | ३ | ८।१३ | १०।१० | ति | १९।५८ | १४।५३ | वै | ४०।४२ | २३।१० | ब | ३५।५० | २१।१३ | उत्पात | कर्कट | २५।५० | ६।५३ | १७।१३ | 24 | भ. ८।१३या., |
| | १० | श | ४ | ३।१७ / ५७।५० | ८।१२ / ६।२ | श्ले | १६।३५ | १३।३२ | वि | ३३।२० | २०।१४ | कौ | ३०।३७ | १९।८ | मानस | १६।३५=१३।३२ | २५।५० | ६।५४ | १७।१४ | 25 | क्रिसमसडे, |
| | ११ | आ | ६ | ५२।३ | ३।४३ | म | १२।४४ | ११।५९ | प्री | २५।३८ | १७।९ | ग | २४।५८ | १६।५३ | मुद्गर | सिंह | २५।५० | ६।५४ | १७।१४ | 26 | भ. ५२।३उ., |
| प्र | १२ | सो | ७ | ४६।७ | १।२१ | पू | ८।३६ | १०।२१ | आ | १७।४४ | १४।० | भ | १९।५ | १४।३२ | ध्वज | २२।३३=१५।५६ | २५।५१ | ६।५४ | १७।१५ | 27 | भ. १९।५या., ❶(नेपाल भ्रमण वर्ष प्रारम्भ) |
| | १३ | मं | ८ | ४०।१७ | २३।२ | उ | ४।२४ | ८।४० | सौ | ९।४९ | १०।५१ | बा | १३।१० | १२।११ | धाता | कन्या | २५।५१ | ६।५५ | १७।१५ | 28 | **भौमाष्टमीव्रतं**, गोरखकालीपूजा, |
| | १४ | बु | ९ | ३४।४५ | २०।४९ | ह | ०।२१ / ५६।४१ | ७।४ / ५।३६ | शो | २।३ / ५४।३६ | ७।४५ / ४।४६ | तै | ७।२८ | ९।५४ | आनन्द | २८।२८=१८।१८ | २५।५२ | ६।५५ | १७।१६ | 29 | ❶गया-विष्णुपादुका-गोकर्ण-वेत्रावती-बराहादिक्षेत्रश्राद्ध |
| | १५ | बृ | १० | २९।४२ | १८।४८ | स्वा | ५३।३४ | ४।२१ | सु | ४७।३४ | १।५७ | व | २।९ / ५७।२५ | ७।४७ / ५।५४ | स्थिर | तुला | २५।५३ | ६।५६ | १७।१७ | 30 | भ. २।९उ. २९।४२या. (दिसिपूजा), **तमुल्होछार**, |
| | १६ | शु | ११ | २५।१९ | १७।३ | वि | ५१।१० | ३।२४ | धृ | ४१।७ | २३।२३ | कौ | ५३।२६ | ४।१८ | मातङ्ग | ३६।४१=२१।३६ | २५।५४ | ६।५६ | १७।१७ | 31 | **सफलाएकादशीव्रतम्**, |
| प्र | १७ | श | १२ | २१।४७ | १५।३९ | अ | ४९।४१ | २।४९ | शू | ३५।२३ | २१।५ | ग | ५०।२३ | ३।६ | अमृत | वृश्चिक | २५।५५ | ६।५६ | १७।१८ | 1 | **शनिप्रदोषव्रतं**,(जन.१ ता.३१ सन् २०११ प्रारम्भः),❶ |
| | १८ | आ | १३ | १९।१५ | १४।३९ | ज्ये | ४९।१५ | २।३९ | गं | ३०।२८ | १९।८ | भ | ४८।२५ | २।१९ | काण | ४९।१५=२।३९ | २५।५६ | ६।५७ | १७।१९ | 2 | भ. १९।१५उ. ४८।२५या. (दिशी चःद्वेपूजा), |
| | १९ | सो | १४ | १७।५३ | १४।६ | मू | ४९।५९ | २।५६ | वृ | २६।२८ | १७।३२ | च | ४७।४० | २।१ | लुम्ब | धनु | २५।५७ | ६।५७ | १७।१९ | 3 | **दर्शश्राद्धं** निशीबार्ने, |
| | २० | मं | ३० | १७।४५ | १४।३ | पू | ५१।५८ | ३।४४ | ध्रु | २३।२६ | १६।१९ | किं | ४८।११ | २।१३ | मित्र | धनु | २५।५८ | ६।५७ | १७।२० | 4 | स्नानदानादौ अमावास्या हलोबार्ने, मौनी पौषी ३०,❶ |

*नोटः रात्री १ बजेबाट दिनको १२ बजेसम्मलाई १, २, ..... १२ बजे, दिन १ बाट रात्री ११ बजेसम्मलाई १३, १४, ..... २३ बजे र रात्री १२ बजेलाई ० बजेले संकेत गरिएको छ।*

ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः मं.मा.अ., बु.१२मा.८उ.पू., बृ.मा.उ., शु.मा.उ.पू., श.मा.उ.

पापांशाः शनिः४, राहुः३-केतुः९, ७सूर्यः३, ८भौमः६, ११सूर्यः४, १३भौमः७, १४सूर्यः५, १७सूर्यः६-भौमः८, २०सूर्यः७

**यो पञ्चाङ्गको प्राप्ति स्थानहरूः**

**बाबु माधवप्रसाद शर्मा** दूधविनायक, वाराणसी
**सुब्बा होमनाथ केदारनाथ** रामकटोरा, वाराणसी
**बम्बै पुस्तक भवन** कचौडीगल्ली, वाराणसी
**बम्बै बुक डिपो** कचौडीगल्ली, वाराणसी, भारत
**झावाली बुक स्टल** बड़ा बजार, शिलाङ्ग,भारत

**ग्रह संचार समय घडि पलामा**

७ गते विशाखायांशुक्रः ५८।१४
७ गते मूलभे३सूर्यः ५५।२
८ गते पूषायां२भौमः ५२।२६
८ गते पूर्वोदितोबुधः २७।५४
११ गते मूलभे४सूर्यः १०।२५
१२ गते मार्गीबुधः ५२।३५
१३ गते पूषायां३भौमः १५।३०
१४ गते पू.षा.यां१सूर्यः २५।४५
१७ गते पू.षा.यां४भौमः ३७।२७
१७ गते उ.भा.यां१गुरुः ५४।१८
१७ गते पू.षा.यां २सूर्यः ४१।३
१८ गते वि.४वृश्चिकेशुक्रः ११।४९
२० गते पू.षा.यां३सूर्यः ५६।२१

| ३७ | पौष ७ गते बुधे ४।३५ | |
|---|---|---|
| सू. | ८।५।४८।२४ | ६१।२४ |
| मं. | ८।१५।१८।१७ | ४४।५३ |
| बु. | ७।२४।५६।५४ | ४०।४१ |
| बृ. | ११।२।२।४३ | ६।१३ |
| शु. | ६।१९।१०।७ | ५५।२६ |
| श. | ५।२२।३४।१३ | ३।४० |
| रा. | ८।८।८।४४ | ३।११ |

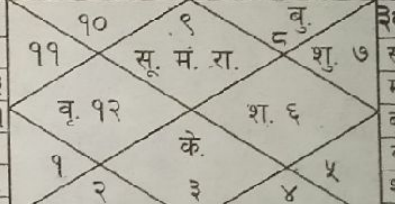


ग्रहाणां राशिप्रवेशः १८गते शुक्रः८

| ३८ | पौष १४ गते बुधे ४।२ |
|---|---|
| सू. | ८।१२।५८।१२ |
| मं. | ८।२०।३७।१९ |
| बु. | ७।२३।१६।५१ |
| बृ. | ११।२।५०।२७ |
| शु. | ६।२५।५२।१० |
| श. | ५।२२।५७।३३ |
| रा. | ८।७।४६।२८ |

श्री संवत् २०६७ श्री शाके १९३२ ने.संवत् ११३१ पौषशुक्लपक्षः (पोहेलाथ्व) पाः पूभा. मृ. आ. पुन. (जनवरी १ सन् २०११) दक्षिणायनं हेमन्तर्तुः उत्तरायणं शिशिरर्तुः शोभननामक संवत्सरः

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | च.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | २१ | बु | १ | १८।५६ | १४।३१ | उ | ५५।११ | ५।२ | व्या | २१।२४ | १५।३१ | बा | ५०।० | २।५७ | वज्र | ७।३९=१०।१ | २५।५९ | ६।५७ | १७।२१ | 5 |
| | २२ | वृ | २ | २१।२२ | १५।३० | श्र | ५९।३५ | ६।४७ | ह | २०।२० | १५।५ | तै | ५३।३ | ४।११ | ध्वज | मकर | २६।१ | ६।५७ | १७।२२ | 6 |
| क्र | २३ | शु | ३ | २४।५९ | १६।५७ | ध | ६०।० | समस्त | व | २०।८ | १५।१ | व | ५७।१० | ५।५० | धाता | ३२।१०=१९।४९ | २६।२ | ६।५८ | १७।२२ | 7 |
| | २४ | श | ४ | २९।३३ | १८।४७ | ध | ४।५८ | ८।५७ | सि | २०।४१ | १५।१४ | ब | ६०।० | ६।५८ | प्रवर्द्ध | कुम्भ. | २६।४ | ६।५८ | १७।२३ | 8 |
| | २५ | आ | ५ | ३४।४६ | २०।५२ | श | ११।६ | ११।२४ | व्य | २१।४५ | १५।४० | ब | २।६ | ७।४८ | राक्षस | कुम्भ | २६।५ | ६।५८ | १७।२४ | 9 |
| | २६ | सो | ६ | ४०।१४ | २३।४ | पू | १७।३६ | १४।० | व | २३।४ | १६।११ | कौ | ७।३० | ९।५८ | मुशल | ०।५८=७।२१ | २६।७ | ६।५८ | १७।२५ | 10 |
| प्र | २७ | मं | ७ | ४५।३० | १।१० | उ | २४।५ | १६।३६ | प | २४।१९ | १६।४२ | ग | १२।५५ | १२।८ | सिद्धि | मीन | २६।९ | ६।५८ | १७।२६ | 11 |
| | २८ | बु | ८ | ५०।१० | ३।२ | रे | ३०।६ | १९।० | शि | २५।१३ | १७।३ | भ | १७।५६ | १४।८ | उत्पात | ३०।६=१९।० | २६।११ | ६।५८ | १७।२६ | 12 |
| | २९ | वृ | ९ | ५३।५४ | ४।३१ | अ | ३५।१९ | २१।६ | सि | २५।३० | १७।१० | बा | २२।१० | १५।५० | मानस | मेष | २६।१३ | ६।५८ | १७।२७ | 13 |
| | ३० | शु | १० | ५६।२९ | ५।३४ | भ | ३९।३० | २२।४६ | सा | २५।० | १६।५८ | तै | २५।२१ | १७।६ | मुद्गर | ५५।२२=५।७ | २६।१५ | ६।५८ | १७।२८ | 14 |
| मा | १ | श | ११ | ५७।४८ | ६।५ | कृ | ४२।३० | २३।५८ | शु | २३।३५ | १६।२४ | व | २७।१९ | १७।५३ | ध्वज | वृष | २६।१७ | ६।५८ | १७।२९ | 15 |
| | २ | आ | १२ | ५७।५० | ६।६ | रो | ४४।१५ | ०।४० | शु | २१।११ | १५।२६ | ब | २७।५९ | १८।९ | धाता | वृष | २६।२० | ६।५८ | १७।३० | 16 |
| प्र | ३ | सो | १३ | ५६।३६ | ५।३६ | मृ | ४४।४६ | ०।५२ | ब्र | १७।४७ | १४।५ | कौ | २७।२२ | १७।५५ | आनन्द | १४।४०=१२।४९ | २६।२२ | ६।५८ | १७।३० | 17 |
| | ४ | मं | १४ | ५४।१३ | ४।३९ | आ | ४४।८ | ०।३७ | ऐं | १३।२७ | १२।२० | ग | २५।३३ | १७।११ | चर | मिथुन | २६।२४ | ६।५८ | १७।३१ | 18 |
| | ५ | बु | १५ | ५०।४८ | ३।१६ | पु | ४२।२९ | २३।५७ | वै | ८।१३ | १०।१५ | भ | २२।३७ | १६।० | गद | २७।५९=१८।९ | २६।२७ | ६।५७ | १७।३२ | 19 |

चन्द्रोदयः, **तोललोसार**, गुरु गोबिन्दसिंह जयन्ती, ❹चाँगुनारायणहैगु, भ.पु.हनुमत्तीर्थे त्रिवेणीमेला, भ.५७।१०उ., ध.पं.प्रवृत्तिः३२।१०, भ.२९।३३या., ❼**माघीपर्व**, मन्वादिः,हेटौंडा कु.स.मेला, ❽रु रु(रिडी)क्षेत्रेत्रिदिवसीयमेला, (घ्योचाकुसल्हु)❼ ❾ललितपुरशङ्खमूलस्नानं, देवघाट मकरस्नानं, ❽ भ.४५।३०उ., ❿**माघसंक्रान्ति**, उत्तरायणारम्भः❾ भ.१७।५६या., **बुधाष्टमीव्रतं**, गोरखकालीपूजा, स्वेत❷ ❷मत्स्येन्द्रनाथस्नानम् (जगन्हवं), ध.पं.निवृत्तिः३०।६, मकरेऽर्कः४२।३८, भ.२७।१९उ.५७।४८या., स्मार्त्तानां **पुत्रदा ११ व्रतं**,❿ वैष्णवानां **पुत्रदा११व्रतं**, मुस्याडुली, द्विपुष्करः❺ **सोमप्रदोषव्रतम्**, ❺४४।१५उ.५७।५०या., भ.५४।१३उ., ❸**स्वस्थानीव्रतारम्भः**, आर्यदिवसः❹ भ.२२।३७या. **पूर्णिमाव्रतं**, मिलापुन्हि, माघस्नानारम्भः❸

ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः मं.मा.अ., बु.मा.उ.पू., वृ.मा.उ., शु.मा.उ.पू., श.मा.उ.

पापांशाः शनिः४, राहुः३-केतुः९, २१भौमः९, २२शनिः५, २४सूर्यः८, २६भौमः१०, २७सूर्यः९, ३०सू.१०-म.११, ३सू.११, ४मं.१२-रा.२-के.८,


*यो पञ्चाङ्गको प्राप्ति स्थानहरू*

**मुकेश प्रकाशन** वाराणसी, भारत
**भारत पिक्चर हाउस** पश्चिम बंगाल, भारत
**प्रेम बुक स्टोर** चारहजारे ,मोटबुङ्ग, मनिपुर, भारत
**मित्र पुस्तक भण्डार** कालापहाड़, मनिपुर, भारत
**जगनिधि आचार्य** दुर्गामन्दिर-मोरह, मनिपुर, भारत


ग्रह संचार समय घडि पलामा

२१ गते उषायां१भौमः ५८।२१
२१ गते अनुराधायांशुक्रः २६।३७
२२ गते चित्रर्क्षे१शनिः ५३।३३
२४ गते पू.षा.यां४सूर्यः ११।४२
२४ गते मू.१धनुषिबुधः ५५।३३
२६ गते उ.२मकरेभौमः १८।१४
२७ गते उ.षा.यां१सूर्यः २७।७
३० गते उ.षा.यां३भौमः ३७।११
३० गते उ.२मकरेऽर्कः ४२।३८
३ गते ज्येष्ठायांशुक्रः ५४।३६
३ गते उ.षा.यां३सूर्यः ५८।१६
४ गते उ.४अभिजितिभौमः ५५।१५
४ गते मूलभे२राहुःमृगभे४केतुः ५८।३८
५ गते पू.षा.यांबुधः १९।३४

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ३९ | पौष२१ ग बुधे ४।२२ | | | | ४० | पौष२८ग बुधे ४।२१ | | | ४१ | माघ ५ ग बुधे ४।२२ | |
| सू. | ८।२०।८।१३ | ६१।२६ | | | सू. | ८।२७।१८।५ | ६१।२४ | | सू. | ९।४।२७।३२ | ६१।२० |
| मं. | ८।२५।५८।३४ | ४५।२१ | | | मं. | ९।१।२१।५२ | ४५।३३ | | मं. | ९।६।४७।४ | ४५।४४ |
| बु. | ७।२६।३१।१० | ४४।५८ | | | बु. | ८।३।३१।९ | ७२।१० | | बु. | ८।१२।५७।३२ | ८९।३ |
| वृ. | ११।३।४६।९ | ८।२० | | | वृ. | ११।४।४९।७ | ९।१५ | | वृ. | ११।५।५८।४० | १०।५ |
| शु. | ७।२।५६।५८ | ६१।५४ | | | शु. | ७।१०।१९।४२ | ६४।९ | | शु. | ७।१७।५६।४६ | ६५।५८ |
| श. | ५।२३।१६।२ | २।१६ | | | श. | ५।२३।२९।२३ | १।३२ | | श. | ५।२३।३७।२५ | ०।४५ |
| रा. | ८।७।२४।१३ | ३।११ | | | रा. | ८।७।१।५७ | ३।११ | | रा. | ८।६।३९।४२ | ३।११ |

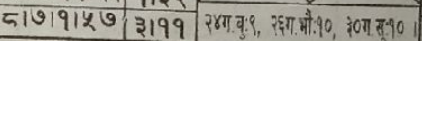


२४ग.बु.९, २६ग.भौ.१०, ३०ग.बु.१०

**श्री विक्रम संवत् २०६७ श्री शाके १९३२ ने.संवत् ११३१ माघकृष्णपक्षः (पोहेलागा) पाः चि. मू. उषा. श्र. (जनवरी १ - फरवरी २ सन् २०११) उत्तरायणं शिशिरर्तुः शोभननामक संवत्सरः**

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | च.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ६ | वृ | १ | ४६।३१ | १।३३ | ति | ३९।५८ | २२।५६ | वि | २।१३ / ५५।३३ | ७।५० / ५।१० | बा | १८।४५ | १४।२७ | शुभ | कर्कट | २६।२९ | ६।५७ | १७।३३ | 20 | कुम्भेसायनार्कः१४।५६, |
| | ७ | शु | २ | ४१।३२ | २३।३४ | श्ले | ३६।४४ | २१।३९ | आ | ४८।२२ | २।१८ | तै | १४।६ | १२।३५ | मृत्यु | ३६।४४=२१।३९ | २६।३२ | ६।५७ | १७।३४ | 21 | |
| | ८ | श | ३ | ३६।४ | २१।२२ | म | ३३।० | २०।९ | सौ | ४०।४८ | २३।१६ | व | ८।५१ | १०।२९ | पद्म | सिंह | २६।३५ | ६।५७ | १७।३५ | 22 | भ.८।५१उ.३६।४या., |
| प्र | ९ | आ | ४ | ३०।१६ | १९।३ | पू | २८।५६ | १८।३१ | शो | ३३।० | २०।८ | ब | ३।१२ / ५७।१८ | ८।१३ / ५।५२ | छत्र | ४२।५३=०।६ | २६।३७ | ६।५६ | १७।३५ | 23 | काशीस्थ बडागणेश जन्मजयन्ती, |
| | १० | सो | ५ | २४।२२ | १६।४१ | उ | २४।४६ | १६।५० | अ | २५।६ | १६।५९ | ग | ५१।२६ | ३।३० | श्रीवत्स | कन्या | २६।४० | ६।५६ | १७।३६ | 24 | |
| प्र | ११ | म | ६ | १८।३४ | १४।२१ | ह | २०।४२ | १५।१३ | सु | १७।१९ | १३।५१ | भ | ४५।४६ | १।१४ | सौम्य | ४८।४६=२।२६ | २६।४३ | ६।५६ | १७।३७ | 25 | भ.१८।३४उ.४५।४६या., द्विपुष्करः२०।४२उ., |
| | १२ | बु | ७ | १३।५ | १२।९ | चि | १६।५७ | १३।४२ | धृ | ९।४६ | १०।५० | बा | ४०।३० | २३।८ | काल | तुला | २६।४६ | ६।५६ | १७।३८ | 26 | **अष्टमीव्रतं**, गोरखकालीपूजा, |
| | १३ | वृ | ८ | ८।५ | १०।९ | स्वा | १३।४२ | १२।२४ | शू | २।३७ / ५५।५९ | ७।५८ / ५।१९ | तै | ३५।५० | २१।१५ | स्थिर | ५६।४२=५।३६ | २६।४९ | ६।५५ | १७।३९ | 27 | ❷बुटवलक्षेत्रेत्रिवेणीमेला, ध.पं.प्रवृत्तिः ५०।३९, |
| | १४ | शु | ९ | ३।४८ | ८।२६ | वि | ११।९ | ११।२३ | वृ | ५०।२ | २।५५ | व | ३१।५७ | १९।४१ | मातङ्ग | वृश्चिक | २६।५२ | ६।५५ | १७।४० | 28 | भ.३१।५७उ., |
| | १५ | श | १० | ०।२१ / ५७।५५ | ७।३ / ६।४ | अ | ९।२९ | १०।४२ | ध्रु | ४४।५२ | ०।५१ | ब | २९।० | १८।३० | अमृत | वृश्चिक | २६।५५ | ६।५४ | १७।४० | 29 | भ.०।२१या., स्मार्त्तानां **षट्तिला ११ व्रतम्,** |
| | १६ | आ | १२ | ५६।४० | ५।३४ | ज्ये | ८।४९ | १०।२६ | व्या | ४०।३५ | २३।८ | कौ | २७।९ | १७।४५ | काण | ८।४९=१०।२६ | २६।५८ | ६।५४ | १७।४१ | 30 | वैष्णवानां **षट्तिलाएकादशीव्रतम्,** **शहीददिवसः,** |
| प्र | १७ | सो | १३ | ५६।३९ | ५।३३ | मू | ९।१९ | १०।३७ | ह | ३७।१६ | २१।४८ | ग | २६।३० | १७।३० | लुम्ब | धनु | २७।२ | ६।५३ | १७।४२ | 31 | भ.५६।३९उ., **सोमप्रदोषव्रतं,** |
| | १८ | मं | १४ | ५७।५७ | ६।४ | पू | ११।२ | ११।१८ | व | ३४।५७ | २०।५२ | भ | २७।९ | १७।४४ | मित्र | २६।३९=१७।३३ | २७।५ | ६।५३ | १७।४३ | 1 | भ.२७।९या., (लैचःद्वेपूजा), (फरवरी २ ता.२८), |
| | १९ | बु | ३० | ६०।० | **समस्त** | उ | १४।० | १२।२८ | सि | ३३।३७ | २०।१९ | च | २९।५ | १८।३० | मुद्गर | मकर | २७।८ | ६।५२ | १७।४४ | 2 | **दर्शश्राद्धं** निशी बार्ने, ❶माधव नारायणमेला,❷ |
| | २० | वृ | ३० | ०।३१ | ७।४ | श्र | १८।१० | १४।८ | व्य | ३३।१२ | २०।९ | किं | ३२।१४ | १९।४५ | ध्वज | ५०।३९=३।७ | २७।११ | ६।५२ | १७।४४ | 3 | स्नानदानादौ अमावास्यां हलो बार्ने, आर्यघाटक्षेत्रे❶ |

**ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः** मं.मा.अ., बु.मा.१७ अ.पू., वृ.मा.उ., शु.मा.उ.पू., श.११व.उ.

**पापांशाः** शनिः५, राहुः२-केतुः८, ७सूर्यः१२, ९भौमः१, १०सूर्यः१, १३सूर्यः२-भौमः२, १७सूर्यः३-भौमः३, २०सूर्यः४,


**पञ्चाङ्गको प्राप्ति स्थानहरू**

**कृष्णप्रसाद शर्मा**
पल्टनबजार, गुवाहाटी, भारत

**पुष्पा म्युजिक सेन्टर**
(एन. बि. खत्री) दिल्ली

**शान्ति पुस्तक पसल**
मोरेह गेट नं.२, मनिपुर,


नेपाल हाम्रो मातृभूमि
नेपाली हाम्रो मातृभाषा
माताको दूध शिशुलाई
शिक्षा मातृभाषामा
प्रभाव पर्छ श्रृष्टिलाई
प्रकाशको गतिमा

**ग्रह संचार समय घडि पलामा**

७ गते अभिजितिसूर्यः १४।३
८ गते उभायां२गुरुः ५८।१९
९ गते श्रवणे१भौमः १२।३१
१० गते अभिजितित्यागभौमः २०।५९
१० गते श्रवणे१सूर्यः २९।५८
११ गते अभिजितित्यागसूर्यः २२।१५
११ गते वक्रीशनिः ५६।२३

१३ गते श्रवणे२सूर्यः ४६।५
१३ गते श्रवणे२भौमः २९।१
१३ गते उ.षा.यांबुधः ४३।५७
१५ गते उ.२मकरेबुधः ४२।३०
१५ गते मू.१ धनुषिशुक्रः ४९।१२
१७ गते श्रवणे३सूर्यः २।२४, श्रवणे३ भौमः ४४।४९, पूर्वास्तोबुधः ४३।४५
१९ गते उ.४अभिजितिबुधः३४।१५
२० गते श्रवणे४सूर्यः १८।५५

| ४२ | माघ १२ गते बुधे ४।२७ | |
|---|---|---|
| सू. | ९।११।३६।२२ | ६१।१५ |
| मं. | ९।१२।१४।० | ४५।५४ |
| बु. | ८।२३।५५।४ | २९।१८ |
| वृ. | ११।७।१४।६ | १०।५० |
| शु. | ७।२५।४५।२२ | ६७।२५ |
| श. | ५।२३।४०।३ | ०।१ |
| रा. | ८।६।१७।२६ | ३।११ |

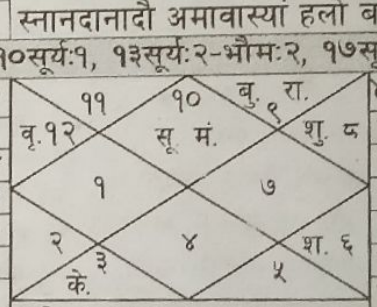


राशिप्रवेशः १५ग.बुधः१०/शुक्रः९ ।

| ४३ | माघ १९ गते बुधे ४।३४ | |
|---|---|---|
| सू. | ९।१८।४४।२२ | ६१।७ |
| मं. | ९।१७।४२।२७ | ४६।२ |
| बु. | ९।५।४८।१२ | १०५।१९ |
| वृ. | ११।८।३४।४६ | ११।२९ |
| शु. | ८।३।४३।८ | ६८।३५ |
| श. | ५।२३।३७।१३ | ०।४८ |
| रा. | ८।५।५५।१० | ३।११ |

**श्री विक्रम संवत् २०६७ श्री शाके १९३२ ने.संवत् ११३१ माघशुक्लपक्षः (शिल्लाथ्व) पाः पूभा. मृग. पुन. ९. (फरवरी २ सन् २०११) उत्तरायणं शिशिरर्तुः शोभननामक सवत्सरः**

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | च.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | २१ | शु | १ | ४।१३ | ८।३३ | ध | २३।२३ | १६।१२ | व | ३३।३४ | २०।१७ | बा | ३६।२५ | २१।२५ | धाता | कुम्भ | २७।१५ | ६।५१ | १७।४५ | 4 | चन्द्रोदयः **सोनमलोसार**, श्री वल्लभ जयन्ती, |
| | २२ | श | २ | ८।५१ | १०।२३ | श | २९।२४ | १८।३६ | प | ३४।३२ | २०।४० | तै | ४१।२४ | २३।२४ | आनन्द | कुम्भ | २७।१८ | ६।५१ | १७।४६ | 5 | ❸झापा किचकबधमेला, मीनेसायनार्कः४५।३७, |
| प्र | २३ | आ | ३ | १४।५ | १२।२८ | पू | ३५।५३ | २१।११ | शि | ३५।५२ | २१।११ | व | ४६।४९ | १।३४ | चर | १९।१५=१४।३२ | २७।२२ | ६।५० | १७।४७ | 6 | भ. ४६।४९उ.,तिलकुन्दचतुर्थी ❶ध.पं.निवृत्तिः४८।३७, |
| | २४ | सो | ४ | १९।३३ | १४।३९ | उ | ४२।२६ | २३।४८ | सि | ३७।१५ | २१।४३ | ब | ५२।१२ | ३।४२ | गद | मीन | २७।२५ | ६।४९ | १७।४८ | 7 | भ.१९।३३या., |
| | २५ | मं | ५ | २४।४६ | १६।४३ | रे | ४८।३७ | २।१६ | सा | ३८।२१ | २२।९ | कौ | ५७।८ | ५।४० | शुभ | ४८।३७=२।१६ | २७।२९ | ६।४९ | १७।४८ | 8 | **श्री पञ्चमी**, वसन्तश्रवणं, **सरस्वतीपूजा**, रतिकामपूजा,❶ |
| प्र | २६ | बु | ६ | २९।२० | १८।३२ | अ | ५४।४ | ४।२६ | शु | ३८।५६ | २२।२३ | ग | ६०।० | ६।४७ | मृत्यु | मेष | २७।३२ | ६।४८ | १७।४९ | 9 | स्कन्दषष्ठी, ❶(लगलाचुयके,) |
| | २७ | वृ | ७ | ३२।५८ | १९।५९ | भ | ५८।३२ | ६।१२ | शु | ३८।४७ | २२।१८ | ग | १।१८ | ७।१९ | पद्म | मेष | २७।३६ | ६।४७ | १७।५० | 10 | भ.३२।५८उ., मन्वादिः अचला एवं रथ सप्तमी,❶ |
| | २८ | शु | ८ | ३५।२६ | २०।५७ | कृ | ६०।० | समस्त | ब्र | ३७।४५ | २१।५३ | भ | ४।२२ | ८।३२ | छत्र | १४।३०=१२।३५ | २७।४० | ६।४७ | १७।५१ | 11 | भ.४।२२या., **अष्टमीव्रतं**,भीष्माष्टमी, गोरखकालीपूजा, |
| | २९ | श | ९ | ३६।३८ | २१।२५ | कृ | १।५३ | ७।३१ | ऐं | ३५।४४ | २१।४ | बा | ६।१३ | ९।१५ | ध्वज | वृष | २७।४३ | ६।४६ | १७।५१ | 12 | द्रोणनवमी, ❷४।२५उ.३२।४१या., |
| फा | १ | आ | १० | ३६।३२ | २१।२२ | रो | ३।५६ | ८।२० | वै | ३२।४४ | १९।५१ | तै | ६।४५ | ९।२७ | धाता | ३४।२९=२०।३३ | २७।४७ | ६।४५ | १७।५२ | 13 | कुम्भेऽर्कः१०।० (**फाल्गुनसंक्रान्ति**), शल्यदशमी, |
| | २ | सो | ११ | ३५।११ | २०।४९ | मृ | ४।४६ | ८।३९ | वि | २८।४६ | १८।१५ | व | ६।२ | ९।९ | आनन्द | मिथुन | २७।५१ | ६।४५ | १७।५३ | 14 | भ.६।२उ.३५।११या., **भीमाएकादशीव्रतम्**, |
| प्र | ३ | मं | १२ | ३२।४१ | १९।४८ | आ | ४।२५ | ८।३० | प्री | २३।५३ | १६।१७ | व | ४।५ | ८।२२ | चर | ४८।२६=२।६ | २७।५५ | ६।४४ | १७।५४ | 15 | भीष्मद्वादशी, वटु माघयात्रा, सन्याडुली, त्रिपुष्करः❷ |
| | ४ | बु | १३ | २९।११ | १८।२३ | पु | ३।१ | ७।५५ | आ | १८।१२ | १४।० | कौ | १।४ / ५७।५ | ७।९ / ५।३३ | गद | कर्कट | २७।५९ | ६।४३ | १७।५४ | 16 | **प्रदोषव्रतं**, सौभाग्यशूर्पदानम्, |
| | ५ | वृ | १४ | २४।४९ | १६।३८ | ति | ०।४२ / ५७।३७ | ६।५९ / ५।४५ | सौ | ११।४८ | ११।२५ | भ | ५२।२१ | ३।३९ | शुभ | ५७।३७=५।४५ | २८।२ | ६।४२ | १७।५५ | 17 | भ.२४।४९उ.५२।२१या., **पूर्णिमाव्र.**,श्रीपशुपतेच्छ्रायादर्शन, |
| | ६ | शु | १५ | १९।४७ | १४।३६ | म | ५४।० | ४।१७ | शो | ७।५० / ५७।३४ | ८।३७ / ५।३९ | वा | ४७।३ | १।३१ | काण | सिंह | २८।६ | ६।४१ | १७।५६ | 18 | माघस्नानपूर्तिः माघयात्रा (सिंपुन्हि) **स्वस्थानीव्रतपूर्तिः❸** |

ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः मं.मा.अ., बु.मा.अ.पू., वृ.मा.उ., शु.मा.उ.पू., श.व.उ.

पापांशाः शनिः५, राहुः२-केतुः८, २२भौमः४, २३सूर्यः५, २६सूर्यः६-भौमः५, १सूर्यः७-भौमः६, २शनिः४, ४सूर्यः८, ५भौमः७

**विषघटी काल तथा त्याज्य समय**

**वार विषघडी** आइतः२०, सोमः२, मङ्गलः१२, बुधः१०, बिही:७, शुक्रः५, शनिः२५ घडी पछिको ४ घडीको समय विषघटीको समय त्यागेर मात्र शुभकार्य गर्नु पर्दछ।

तिथि विषघटीः प्रतिपदाः१५, द्वितीयाः५, तृतीयाः८, चौथीः७, पञ्चमीः७, षष्ठीः५, सप्तमीः४, अष्टमीः८, नवमीः७, दशमीः१०, एकादशीः३, द्वादशीः१०,त्रयोदशीः१२, चतुर्दशीः७,

**ग्रह संचार समय घडि पलामा**

२१ गते श्रवणेबुधः २८।५
२१ गते अभिजितत्यागबुधः ५८।१५
२२ गते श्रवणे४भौमः ०।२
२३ गते धनिष्ठायां१सूर्यः ३५।४१
२६ गते धनिष्ठायां२सूर्यः ५२।४१
२६ गते धनिष्ठायां१भौमः १४।४२
२६ गते उभायां३गुरुः ४।३९
२७ गते पू.षा.यांशुक्रः २३।५२
२८ गते धनिष्ठायांबुधः ५५।२९
१ गते ध.३ कुम्भेऽर्कः १०।०
१ गते धनिष्ठायां२भौमः २८।५३
२ गते पुनः हस्तमे४शनिः ५।५२
३ गते ध.३ कुम्भेबुधः ३७।२७
४ गते धनिष्ठायां४सूर्यः २७।३५
५ गते ध.३ कुम्भेभौमः ४२।४२

| ४४ | माघ २६ गते बुधे ४।४५ | |
|---|---|---|
| सू. | ९।२५।५१।२० | ६०।५८ |
| मं. | ९।२३।१२।११ | ४६।९ |
| बु. | ९।१८।१२।४८ | १०८।५ |
| बृ. | ११।१०।०।१ | १२।४ |
| शु. | ८।११।४८।१ | ६९।३२ |
| श | ५।२३।२९।३ | १।३४ |
| रा. | ८।५।३२।५४ | ३।११ |

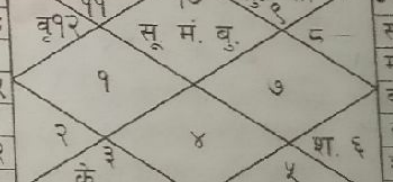


१ग.सू:११, ३ग.बु:११, ५ग.भौ:११।

| ४५ | फाल्गुन ४गते बुधे ४।५८ | |
|---|---|---|
| सू. | १०।२।५७।७ | ६०।४७ |
| मं. | ९।२८।४२।५६ | ४६।१४ |
| बु. | १०।०।४९।३० | १०८।१५ |
| बृ. | ११।११।२९।१४ | १२।३४ |
| शु. | ८।१९।५८।३९ | ७०।१८ |
| श | ५।२३।१५।४३ | २।१८ |
| रा | ८।५।१०।३७ | ३।११ |

श्री संवत् २०६७ श्री शाके १९३२ ने.संवत् ११३१ फाल्गुनकृष्णपक्षः (शिल्लागा) पाः ह. स्वा. वि. मू. उषा. श. (फरवरी २ – मार्च ३ सन् २०११) उत्तरायणं शिशिरर्तुः शोभननामक संवत्सरः

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | च.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ७ | श | १ | १४।१५ | १२।२३ | पू | ५०।१ | २।४१ | सु | ४९।४३ | २।३४ | तै | ४१।२१ | २३।१३ | लुम्ब | सिंह | २८।१० | ६।४० | १७।५६ | 19 | प्रजातन्त्रदिवसः, त्रिपुष्करः५०।१उ., |
| | ८ | आ | २ | ८।२६ | १०।२ | उ | ४५।५३ | १।१ | धृ | ४१।५४ | २३।२५ | व | ३५।२७ | २०।५० | मित्र | ४।१=८।१६ | २८।१४ | ६।४० | १७।५७ | 20 | भ.३५।२७उ., त्रिपुष्करः८।२६या., |
| प्र | ९ | सो | ३ | २।३० / ५६।४० | ७।३९ / ५।१९ | ह | ४१।४८ | २३।२२ | शू | ३४।७ | २०।१८ | ब | २९।३३ | १८।२८ | वज्र | कन्या | २८।१८ | ६।३९ | १७।५८ | 21 | भ.२।३०या., |
| | १० | मं | ५ | ५१।११ | ३।६ | चि | ३७।५९ | २१।४९ | गं | २६।३२ | १७।१५ | कौ | २३।५४ | १६।११ | ध्वांक्ष | ९।५१=१०।३४ | २८।२२ | ६।३८ | १७।५९ | 22 | |
| | ११ | बु | ६ | ४६।१४ | १।६ | स्वा | ३४।३७ | २०।२८ | वृ | १९।१८ | १४।२० | ग | १८।३९ | १४।४ | धूम्र | तुला | २८।२६ | ६।३७ | १७।५९ | 23 | भ.४६।१४उ., |
| प्र | १२ | वृ | ७ | ४१।५७ | २३।२३ | वि | ३१।५५ | १९।२२ | ध्रु | १२।३३ | ११।३७ | भ | १४।१ | १२।१२ | प्रवर्द्ध | १७।३२=१३।३७ | २८।३० | ६।३६ | १८।० | 24 | भ.१४।१या., |
| | १३ | शु | ८ | ३८।३४ | २२।० | अ | ३०।३ | १८।३६ | व्या | ६।२६ | ९।१० | बा | १०।१० | १०।३९ | राक्षस | वृश्चिक | २८।३४ | ६।३५ | १८।१ | 25 | अष्टमीव्रतं, गोरखकालीपूजा, |
| | १४ | श | ९ | ३६।११ | २१।३ | ज्ये | २९।१० | १८।१४ | ह | १।४ / ५६।३२ | ७।० / ५।११ | तै | ७।१५ | ९।२८ | मुशल | २९।१०=१८।१४ | २८।३८ | ६।३४ | १८।१ | 26 | |
| | १५ | आ | १० | ३४।५९ | २०।३३ | मू | २९।२५ | १८।१९ | सि | ५२।५८ | ३।४४ | व | ५।२७ | ८।४४ | सिद्धि | धनु | २८।४२ | ६।३३ | १८।२ | 27 | भ.५।२७उ.३४।५९या., |
| | १६ | सो | ११ | ३५।१ | २०।३३ | पू | ३०।५२ | १८।५३ | व्य | ५०।२३ | २।४१ | ब | ४।५२ | ८।२९ | उत्पात | ४६।२५=१।६ | २८।४६ | ६।३२ | १८।२ | 28 | विजयाएकादशीव्रतम्, ❶ सिलाचःद्वेपूजा, |
| प्र | १७ | मं | १२ | ३६।२१ | २१।४ | उ | ३३।३४ | १९।५७ | व | ४८।४९ | २।३ | कौ | ५।३३ | ८।४४ | मानस | मकर | २८।५० | ६।३१ | १८।३ | 1 | (मार्च ३ ता.३१), त्रिपुष्करः३३।३४या., |
| | १८ | बु | १३ | ३८।५७ | २२।५ | श्र | ३७।२९ | २१।३० | प | ४८।११ | १।४७ | ग | ७।३१ | ९।३१ | छत्र | मकर | २८।५४ | ६।३० | १८।४ | 2 | भ.३८।५७उ., प्रदोषव्रतं, महाशिवरात्रि १४ व्रतम्, ❶ |
| | १९ | वृ | १४ | ४२।४० | २३।३३ | ध | ४२।३० | २३।२९ | शि | ४८।२४ | १।५१ | भ | १०।४२ | १०।४६ | श्रीवत्स | ९।५३=१०।२६ | २८।५८ | ६।२९ | १८।४ | 3 | भ.१०।४२या., ध.पं.प्रवृतिः९।५३, |
| | २० | शु | ३० | ४७।१७ | १।२३ | श | ४८।२२ | १।४९ | सि | ४९।१७ | २।११ | च | १४।५४ | १२।२६ | सौम्य | कुम्भ | २९।२ | ६।२८ | १८।५ | 4 | दर्शश्राद्धं निशी तथा हलोबार्ने, द्वापारयुगादिः, |

*नोटः रात्री १ बजेबाट दिनको १२ बजेसम्मलाई १, २, ..... १२ बजे, दिन १ बाट रात्री ११ बजेसम्मलाई १३, १४, ..... २३ बजे र रात्री १२ बजेलाई ० बजेले संकेत गरिएको छ।*

पूर्णिमाः र औंशीः८ पछिको ४ घडी विषघटी हुन्छ। तिथिगणान्त (५।१०।१५/३०को अन्तिम १ घडी तथा १।६।११ को प्रारम्भिक १ घडी) विषघटी हुन्छ।

**नक्षत्र विषघटीः** अश्विनीः५०, भरणीः२४, कृतिकाः३०, रोहिणीः४०, मृगः२४, आर्द्राः२१, पुनर्वसुः३०, तिष्यः२०, श्लेषाः३२, मघाः३०, पू.फा.२०, उ.फा.१८, हस्ताः२१, चित्राः२०, स्वातीः१४, विशाखाः१४, अनुराधाः१०, ज्येष्ठाः१४,

**ग्रह संचार समय घडि पलामा**

७ गते शतभिषायां१सूर्यः ४५।२७
७ गते शतभिषायांबुधः २०।२५
९ गते धनिष्ठायां४भौमः ५६।११
९ गते उ.षा.यांशुक्रः ४५।४५
११ गते शतभिषायां२सूर्यः ३।४१
१२ गते उ.भा.यां४गुरुः २६।७
१२ गते उ.२ मकरेशुक्रः ३४।४६
१४ गते शतभिषायां१भौमः ९।२७
१४ गते पू.भा.यांबुधः ५५।५५
१४ गते शतभिषायां३सूर्यः २२।१३
१७ गते शतभिषायां४सूर्यः ४१।६
१८ गते शतभिषायां२भौमः २२।२९
१८ गते उ.४अभिजितिशुक्रः ११।२२
२० गते मीनेबुधः५५।३१, पश्चिमोदित बुधः५७।५८, श्रवणेशुक्रः ५९।१

| ४६ | फाल्गुन ११गते बुधे ५।१३ | |
|---|---|---|
| सू. | १०।१०।१।३३ | ६०।३५ |
| मं. | १०।४।१४।२९ | ४६।१७ |
| बु. | १०।१३।१८।४३ | १०५।४६ |
| वृ. | ११।१३।१।५० | १३।० |
| शु. | ८।२८।१३।५६ | ७०।५६ |
| श. | ५।२२।५७।३३ | २।५८ |
| रा. | ८।४।४८।२१ | ३।११ |

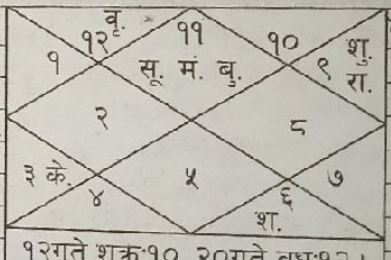


१२गते शुक्रः१०, २०गते बुधः१२।

| ४७ | फाल्गुन १८ग बुधे ५।३० | |
|---|---|---|
| सू. | १०।१७।४।२९ | ६०।२१ |
| मं. | १०।९।४६।३४ | ४६।१९ |
| बु. | १०।२५।२०।५७ | १००।८ |
| वृ. | ११।१४।३७।१५ | १३।२२ |
| शु. | ९।६।३३।० | ७१।२६ |
| श. | ५।२२।३५।० | ३।३५ |
| रा. | ८।४।२६।४ | ३।११ |

श्री विक्रम संवत् २०६७ श्री शाके १९३२ ने.संवत् ११३१ फाल्गुनशुक्लपक्षः (चिल्लाथ्व) पाः पूभा. उभा. मृ. पुन. (मार्च ३ सन् २०११) उत्तरायणं शिशिर-वसन्तर्तुः शोभननामक संवत्सरः

| | ग. | वा | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | च.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | २१ | श | १ | ५२।३० | ३।२७ | पू | ५४।४८ | ४।२२ | सा | ५०।३६ | २।४२ | किं | १९।५२ | १४।२४ | काल | ३८।१०=२१।४३ | २९।६ | ६।२७ | १८।६ | 5 | त्रिपुष्करः५२।३०उ.५४।४८या., ग्याल्पोल्होसार, |
| | २२ | आ | २ | ५७।५३ | ५।३५ | उ | ६०।० | समस्त | शु | ५२।५ | ३।१६ | बा | २५।१३ | १६।३१ | स्थिर | मीन | २९।१० | ६।२६ | १८।६ | 6 | चन्द्रोदयः, |
| | २३ | सो | ३ | ६०।० | समस्त | उ | १।२६ | ६।५९ | शु | ५३।२३ | ३।४६ | तै | ३०।३२ | १८।३८ | गद | मीन | २९।१५ | ६।२५ | १८।७ | 7 | |
| प्र | २४ | मं | ३ | ३।३ | ७।३७ | रे | ७।४५ | ९।३० | ब्रै | ५४।१५ | ४।६ | व | ३५।२२ | २०।३३ | शुभ | ७।४५=९।३० | २९।१९ | ६।२४ | १८।७ | 8 | भ.३५।२२उ., ध.पं.निवृत्तिः७।४५, नारीदिवसः, |
| | २५ | बु | ४ | ७।३१ | ९।२३ | अ | १३।२५ | ११।४५ | ऐं | ५४।२५ | ४।९ | ब | ३९।२३ | २२।८ | मृत्यु | मेष | २९।२३ | ६।२३ | १८।८ | 9 | भ.७।३१या., |
| | २६ | वृ | ५ | ११।१ | १०।४६ | भ | १८।९ | १३।३७ | वै | ५३।४५ | ३।५२ | कौ | ४२।१९ | २३।१७ | पद्म | ३४।९=२०।१ | २९।२७ | ६।२२ | १८।९ | 10 | |
| प्र | २७ | शु | ६ | १३।२१ | ११।४१ | कृ | २१।४५ | १५।३ | वि | ५२।८ | ३।१२ | ग | ४४।१ | २३।५७ | छत्र | वृष | २९।३१ | ६।२१ | १८।९ | 11 | ❺चीरोत्थानं (चीरस्थाये), |
| | २८ | श | ७ | १४।२५ | १२।६ | रो | २४।७ | १५।५८ | प्री | ४९।३० | २।८ | भ | ४४।२६ | ०।६ | श्रीवत्स | ५४।४९=४।१५ | २९।३५ | ६।२० | १८।१० | 12 | भ.१४।२५उ.४४।२६या., |
| | २९ | आ | ८ | १४।११ | ११।५९ | मृ | २५।१४ | १६।२४ | आ | ४५।५४ | ०।४० | बा | ४३।३५ | २३।४४ | सौम्य | मिथुन | २९।३९ | ६।१८ | १८।१० | 13 | अष्टमीव्रतं, गोरखकालीपूजा, होलीकारम्भः❺ |
| | ३० | सो | ९ | १२।४३ | ११।२३ | आ | २५।१० | १६।२१ | सौ | ४१।२२ | २२।५० | तै | ४१।३२ | २२।५४ | काल | मिथुन | २९।४३ | ६।१७ | १८।११ | 14 | |
| चै | १ | मं | १० | १०।७ | १०।१९ | पु | २४।१ | १५।५३ | शो | ३५।५९ | २०।४० | व | ३८।२४ | २१।३८ | स्थिर | ९।२४=१०।२ | २९।४८ | ६।१६ | १८।११ | 15 | भ.३८।२४उ., मीनेऽर्कः०।२६ (चैत्रसंक्रान्ति), |
| | २ | बु | ११ | ६।३० | ८।५१ | ति | २१।५४ | १५।१ | अ | २९।५१ | १८।१२ | ब | ३४।२१ | २०।० | मातङ्ग | कर्कट | २९।५२ | ६।१५ | १८।१२ | 16 | भ.६।३०या., आमलकीएकादशीव्रतं, |
| प | ३ | वृ | १२ | २।३ / ५६।५३ | ७।३ / ४।५९ | श्ले | १९।१ | १३।५० | सु | २३।७ | १५।२९ | कौ | २९।३३ | १८।३ | अमृत | १९।१=१३।५० | २९।५६ | ६।१४ | १८।१२ | 17 | प्रदोषव्रतं, गोविन्दद्वादशी, ❶होली १५ (होलिपुन्हि), |
| | ४ | शु | १४ | ५१।१७ | २।४४ | म | १५।३२ | १२।२६ | धृ | १५।५४ | १२।३५ | ग | २४।१० | १५।५३ | काण | सिंह | ३०।० | ६।१३ | १८।१३ | 18 | भ.५१।१७उ., |
| | ५ | श | १५ | ४५।२४ | ०।२२ | पू | ११।३८ | १०।५१ | शू | ८।२१ | ९।३२ | भ | १८।२४ | १३।३३ | लुम्ब | २५।३६=१६।२६ | ३०।४ | ६।१२ | १८।१४ | 19 | भ.१८।२४या., पूर्णिमाव्रतं, रात्रौ चीरदाह, मन्वादिः❶ |

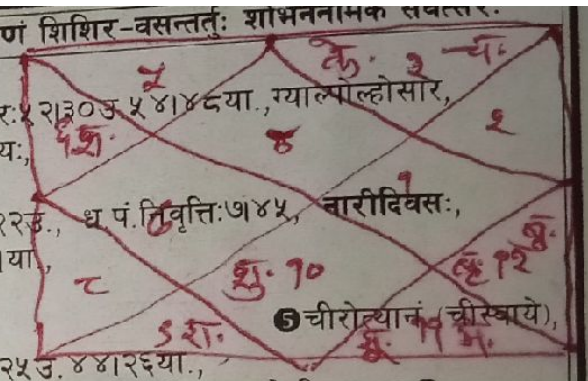


ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः मं.मा.अ., बु.मा.उ.प., वृ.मा.उ., शु.मा.उ.पू., श.व.उ.

पापांशाः शनिः४, राहुः२-केतुः८, २१सूर्यः१, २२भौमः११, २४सूर्यः२, २६भौमः१२, २७सूर्यः३, १सूर्यः४-भौमः१, ४सूर्यः५, ५भौमः२,

मूलः५६, पू.षा.२४, उ.षा.२०, श्रवणः१०, धनिष्ठाः१०, शतभिषाः१८, पू.भा.१६, उ.भाद्राः२४, रेवतीः३० घडी पछिको ४ घडी विषघटी हुन्छ।

**विष्कुम्भादि योगको वर्जितकालः** परिघको पूर्वार्द्ध, विष्कुम्भको शुरुको ५ घडि, शूल, गण्ड तथा व्याघातको ६ घडी, हर्षण तथा वज्रको ९ घडि, वैधृति तथा वज्रको शुरुको १६ घडी र वैधृति व्यतिपात योगको पूर्णकाल त्याज्य गर्नुपर्दछ।

**ग्रह संचार समय घडि पलामा**

२१ गते पू.भा.यां१सूर्यः ०।२३
२१ गते अभिजितित्यागशुक्रः ४३।४०
२२ गते शतभिषायां३भौमः ३५।२६
२३ गते उ.भा.यांबुधः १।३२
२४ गते पू.भा.यां२सूर्यः २०।०
२६ गते शतभिषायां४भौमः ४८।३२
२६ गते रेवत्यां१गुरुः ५२।१४
२७ गते पू.भा.यां३सूर्यः ४०।०
१ गते पू.४ मीनेऽर्कः०।२६
१ गते पू.भा.यां१भौमः १।५७
२ गते रेवत्यांबुधः ३।१४
२ गते धनिष्ठायांशुक्रः ६।२१
४ गते उ.भा.यां१सूर्यः २१।१३
५ गते पू.भा.यां२भौमः १५।३९

| ४८ | फाल्गुन २५ | ग बुधे ५।४८ | |
|---|---|---|---|
| सू. | १०।२४।५।५० | ६०।७ | |
| मं. | १०।१५।१८।५० | ४६।१८ | |
| बु. | ११।६।३०।३७ | ९०।८ | |
| वृ. | ११।१६।१४।५७ | १३।३९ | |
| शु. | ९।१४।५५।८ | ७१।५२ | |
| श. | ५।२२।८।३७ | ४।६ | |
| रा. | ८।४।३।४८ | ३।११ | |

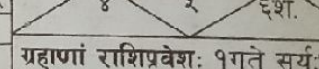


ग्रहाणां राशिप्रवेशः १गते सूर्यः१२।

| ४९ | चैत्र २ गते बुधे ६।७ | |
|---|---|---|
| सू. | ११।१।५।२९ | ५९।५१ |
| मं. | १०।२०।५०।३७ | ४६।१५ |
| बु. | ११।१६।९।३७ | ७३।२८ |
| वृ. | ११।१७।५४।२६ | १३।५३ |
| शु. | ९।२३।१९।४४ | ७२।१२ |
| श. | ५।२१।३९।६ | ४।३१ |
| रा. | ८।३।४१।३१ | ३।११ |

श्री विक्रम संवत् २०६७ श्री शाके १९३२ ने.संवत् ११३१ चैत्रकृष्णपक्षः (चिल्लागा) पाः ह. चि. मू. उषा. उभा. रे. (मार्च ३ - अप्रैल ४ सन् २०११) उत्तरायणं वसन्तर्तुः शोभननामक संवत्सरः

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | च.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ६ | आ | १ | ३९।२६ | २१।५७ | उ | ७।३१ | ९।११ | गं | ०।३७ / ५२।४९ | ६।२६ / ३।१८ | बा | १२।२६ | ११।९ | मित्र | कन्या | ३०।८ | ६।११ | १८।१४ | 20 | ❶(नालान्हवं), मेषेसायनार्कः४१।२९,गणगौर पूजा प्रारम्भ |
| | ७ | सो | २ | ३३।३५ | १९।३६ | ह | ३।२४ / ५९।२८ | ७।३१ / ५।५७ | धु | ४५।१४ | ०।१५ | तै | ६।३० | ८।४६ | वज्र | ३१।२४=१८।४३ | ३०।१३ | ६।१० | १८।१५ | 21 | तराईमाहोली, वसन्तादिस्तलौभ्यङ्गं, चूतपुष्पप्राशन❶ |
| प्र | ८ | मं | ३ | २८।४ | १७।२२ | स्वा | ५६।० | ४।३३ | व्या | ३७।५६ | २१।१९ | व | ०।४८ / ५५।२८ | ६।२८ / ४।२० | ध्वज | तुला | ३०।१७ | ६।८ | १८।१५ | 22 | ❶(चकंयात धूलयात), नाला मत्स्येन्दनाथस्नान❶ |
| | ९ | बु | ४ | २३।४ | १५।२१ | वि | ५३।९ | ३।२३ | ह | ३१।५ | १८।३४ | कौ | ५०।४८ | २।२७ | धाता | ३८।४८=२१।३९ | ३०।२१ | ६।७ | १८।१६ | 23 | भ.०।४८उ.२८।४या., नाला मत्स्येन्द्रनाथरथयात्रा❷ |
| | १० | वृ | ५ | १८।४७ | १३।३७ | अ | ५१।५ | २।३२ | व | २४।५० | १६।२ | ग | ४६।५५ | ०।५२ | आनन्द | वृश्चिक | ३०।२५ | ६।६ | १८।१६ | 24 | ❷(नालायात्रा), |
| प्र | ११ | शु | ६ | १५।२१ | १२।१४ | ज्ये | ४९।५८ | २।४ | सि | १९।१८ | १३।४८ | भ | ४४।० | २३।४१ | चर | ४९।५८=२।४ | ३०।२९ | ६।५ | १८।१७ | 25 | भ.१५।२१उ.४४।०या., |
| | १२ | श | ७ | १२।५८ | ११।१५ | मू | ४९।५६ | २।२ | व्य | १४।३६ | ११।५४ | बा | ४२।१० | २२।५६ | गंद | धनु | ३०।३३ | ६।४ | १८।१७ | 26 | **अष्टमीव्रतं**, गोरखकालीपूजा,पश्चिमास्तोगुरुः ५३।४७, |
| | १३ | आ | ८ | ११।४३ | १०।४४ | पू | ५१।७ | २।३० | व | १०।४९ | १०।२३ | तै | ४१।३३ | २२।४० | शुभ | धनु | ३०।३७ | ६।३ | १८।१८ | 27 | शीतलाष्टमी (दू दू च्यॉ च्यॉ), बासेरा, |
| | १४ | सो | ९ | ११।४४ | १०।४३ | उ | ५३।३२ | ३।२७ | प | ८।२ | ९।१४ | व | ४२।१२ | २२।५५ | मृत्यु | ६।३८=८।४१ | ३०।४२ | ६।२ | १८।१८ | 28 | भ.४२।१२उ., |
| | १५ | मं | १० | १३।२ | ११।१४ | श्र | ५७।११ | ४।५३ | शि | ६।१४ | ८।३० | व | ४४।८ | २३।४० | लुम्ब | मकर | ३०।४६ | ६।१ | १८।१९ | 29 | भ.१३।२या., |
| | १६ | बु | ११ | १५।३५ | १२।१३ | ध | ६०।० | समस्त | सि | ५।२५ | ८।१० | कौ | ४७।१६ | ०।५४ | मित्र | २९।२८=१७।४७ | ३०।५० | ५।५९ | १८।१९ | 30 | **पापमोचनीएकादशीव्रतं**,ध.पं.प्रवृतिः२९।२८, |
| प्र | १७ | वृ | १२ | १९।१५ | १३।४० | ध | २।१ | ६।४७ | सा | ५।२९ | ८।१० | ग | ५१।२४ | २।३२ | श्रीवत्स | कुम्भ | ३०।५४ | ५।५८ | १८।२० | 31 | **प्रदोषव्रतं**, देवपत्तने देशोद्वारपूजा, वारुणीयोगः१९।१५उ., |
| | १८ | शु | १३ | २३।४८ | १५।२८ | श | ७।४३ | ९।२ | शु | ६।१७ | ८।२८ | भ | ५६।१७ | ४।२८ | सौम्य | ५७।२३=४।५५ | ३०।५८ | ५।५७ | १८।२० | 1 | भ.२३।४८उ.५६।१७या.पिशाचचतुर्दशीव्रतं,❸ |
| | १९ | श | १४ | २८।५६ | १७।३० | पू | १४।३ | ११।३३ | शु | ७।३५ | ८।५८ | च | ६०।० | ५।५५ | काल | मीन | ३१।२ | ५।५६ | १८।२१ | 2 | ❸(पाशाचःद्वे पूजा),वारुणीयोगः७४३या.,(अप्रैल४ता.३०) |
| | २० | आ | ३० | ३४।१३ | १९।३६ | उ | २०।३९ | १४।११ | ब्र | ९।८ | ९।३४ | च | १।३६ | ६।३४ | स्थिर | मीन | ३१।६ | ५।५५ | १८।२१ | 3 | **दर्शश्राद्धं** निशी तथा हलोबार्ने, अश्वयात्रा (**घोडेजात्रा**), |

**ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः** मं.मा.अ., बु.१७व.१९अ.प., वृ.मा.१२अ., शु.मा.उ.पू., श.व.उ.

**पापांशाः** शनिः४, राहुः२-केतुः८, ७सूर्यः६, ८राहुः१-केतुः७, ९भौमः३, ११सूर्यः७, १३भौमः४, १४सूर्यः८, १७सूर्यः९-भौमः५,

शुभकर्महरूमा ।

**आनन्दादि योगको वर्जितकालः** ध्वांक्ष, मुद्गर, वज्र योगको प्रारम्भिक ५ घडी, काण तथा मुशलको २, पद्म तथा लुम्बको ४, धूम्रको १, गदको ७, चरको ३ घडीको प्रारम्भिक समय र मृत्यु, काल, उत्पात, राक्षसको सम्पूर्ण समय शुभकृत्यमा त्याज्य गर्नु भन्ने शास्त्रीय विचार छ।

**ग्रह संचार समय घडि पलामा**

७ गते उ.भा.यां२सूर्यः ४२।२६
७ गते ध.३ कुम्भेशुक्रः ३८।१९
८ गते मूलभे१राहुः मृगभे३केतुः ५२।४
९ गते पू.भा.यां३भौमः २९।४६
१० गते रेवत्यां२गुरुः ४९।१६
११ गतेउ.भा.यां३सूर्यः४।६

१२ गते पश्चिमास्तोगुरुः ५३।४७,
१३ गते पू.४ मीनेभौमः ४४।२२
१३ गते शतभिषायांशुक्रः ९।२८
१४ गते उ.भा.या४सूर्यः २६।९
१७ गते उ.भा.यां१भौमः ५९।३०
१७ गते वक्रीबुधः ५।२४
१७ गते रेवत्यां१सूर्यः ४८।३८
१९ गते पश्चिमास्तोबुधः ४।१५

| ५० | चैत्र ९ गते बुधे ६।२७ | |
|---|---|---|
| सू. | ११।८।३।२२ | ५९।३५ |
| मं. | १०।२६।२१।३९ | ४६।१० |
| बु. | ११।२३।१८।२४ | ४६।४३ |
| वृ. | ११।१९।३५।१२ | १४।२ |
| शु. | १०।१।४६।२१ | ७२।२९ |
| श. | ५।२१।७।१२ | ४।४९ |
| रा. | ८।३।१९।१४ | ३।११ |

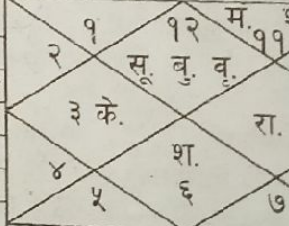


७गते शुक्रः११, १३गते भौमः१२ ।

| ५१ | चैत्र १६ गते बुधे ६।४७ | |
|---|---|---|
| सू. | ११।१४।५९।२६ | ५९।१९ |
| मं. | ११।१।५१।४० | ४६।३ |
| बु. | ११।२६।३१।३७ | ७।३७ |
| वृ. | ११।२१।१६।४८ | १४।९ |
| शु. | १०।१०।१४।३३ | ७२।४२ |
| श. | ५।२०।३३।४८ | ४।५९ |
| रा. | ८।२।५६।५८ | ३।११ |

**श्री विक्रम संवत् २०६७ श्री शाके १९३३ ने.संवत् ११३१ चैत्रशुक्लपक्षः (चौलाथ्व) पाः रेवती. मृगशिरा. पुनर्वसु. पूफा. (अप्रैल ४ सन् २०११) उत्तरायणं वसन्तर्तुः क्रोधीनामक संवत्सरः**

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | च.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | २१ | सो | १ | ३९।१४ | २१।३६ | रे | २७।४ | १६।४४ | ऐं | १०।३६ | १०।८ | किं | ६।४९ | ८।३७ | मातङ्ग | २७।४=१६।४४ | ३१।१० | ५।५४ | १८।२२ | 4 |
| | २२ | मं | २ | ४३।३५ | २३।१९ | अ | ३२।५५ | १९।३ | वै | ११।४१ | १०।३३ | बा | ११।३२ | १०।३० | अमृत | मेष | ३१।१४ | ५।५३ | १८।२२ | 5 |
| | २३ | बु | ३ | ४६।५८ | ०।३९ | भ | ३७।५३ | २१।१ | वि | १२।९ | १०।४३ | तै | १५।२६ | १२।२ | काण | ५३।५७=३।२७ | ३१।१८ | ५।५२ | १८।२३ | 6 |
| प्र | २४ | वृ | ४ | ४९।११ | १।३१ | कृ | ४१।४६ | २२।३३ | प्री | ११।४८ | १०।३४ | व | १८।१५ | १३।९ | लुम्ब | वृष | ३१।२२ | ५।५१ | १८।२४ | 7 |
| | २५ | शु | ५ | ५०।८ | १।५३ | रो | ४४।२५ | २३।३५ | आ | १०।३२ | १०।२ | ब | १९।५१ | १३।४६ | मित्र | वृष | ३१।२६ | ५।५० | १८।२४ | 8 |
| | २६ | श | ६ | ४९।४८ | १।४४ | मृ | ४५।४९ | ०।८ | सौ | ८।१६ | ९।७ | कौ | २०।९ | १३।५२ | वज्र | १५।१८=११।५६ | ३१।३० | ५।४८ | १८।२५ | 9 |
| पू | २७ | आ | ७ | ४८।१३ | १।५ | आ | ४६।१ | ०।१२ | शो | ५।० | ७।४७ | ग | १९।११ | १३।२८ | ध्वांक्ष | मिथुन | ३१।३४ | ५।४७ | १८।२५ | 10 |
| | २८ | सो | ८ | ४५।३१ | २३।५९ | पु | ४५।५ | २३।४८ | अ | ०।४६ / ५५।३८ | ६।५ / ४।१ | भ | १७।२ | १२।३५ | धूम्र | ३०।२६=१७।५७ | ३१।३८ | ५।४६ | १८।२६ | 11 |
| | २९ | मं | ९ | ४१।४९ | २२।२९ | ति | ४३।११ | २३।२ | ध | ४९।४५ | १।३९ | बा | १३।४८ | ११।१७ | प्रवर्द्ध | कर्कट | ३१।४२ | ५।४५ | १८।२६ | 12 |
| | ३० | बु | १० | ३७।१७ | २०।३९ | श्ले | ४०।२८ | २१।५५ | शू | ४३।१३ | २३।२ | तै | ९।४० | ९।३६ | राक्षस | ४०।२८=२१।५५ | ३१।४६ | ५।४४ | १८।२७ | 13 |
| वै | १ | वृ | ११ | ३२।५ | १८।३३ | म | ३७।५ | २०।३३ | गं | ३६।११ | २०।१२ | व | ४।४७ / ५९।१६ | ७।३८ / ५।२६ | मुशल | सिंह | ३१।५० | ५।४३ | १८।२७ | 14 |

❸नववर्षारम्भः भ.पु.विश्वध्वजपातनं (खायुसन्हु), वत्सरारम्भस्तैलाभ्यङ्गं, निम्वपत्रप्राशनं, चोवान्हव,❶ चन्द्रोदयः, मन्वादिः मत्स्यजयन्ती, गौरीव्रतं, ❷वैशाखसंक्रान्ति❸ भ.१८।१५उ.४९।११या., ❹ध.पं.निवृत्तिः२७।४, ❶श्रीस्वेत मत्स्येन्द्रनाथरथयात्रा (जवयात), ❶(चैतेदशैं) भवान्यूत्पत्तिः अशोककलिकाष्ठप्राशनं❶ भ.४८।१३उ., रवि ७ व्रतं, भ.पु.भैरवभद्रकालीयात्रा,❺ भ.१७।२या. अष्टमीव्रतं, गो.का.पूजा, चैत्राष्टमीव्रतं❶ श्रीरामनवमीव्रतं (रामजयन्ती) त्रिशूली श्रीरामयात्रा, भ.पु.विश्वध्वजोत्थानम्,❺त्रिपुष्करः४६।१उ.४८।१३या., भ.४।४७उ.३२।५या., कामदा ११ व्रतं, मेषेऽर्कः२२।५९❷

ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः मं.मा.अ., बु.व.अ.प., वृ.मा.अ., शु.मा.उ.पू., श.व.उ.

पापांशाः शनिः४, राहुः१-केतुः७, २१सूर्यः१०, २२भौमः६, २३शनिः३, २४सूर्यः११, २६भौमः७, २७सूर्यः१२, ३०भौमः८, १सूर्यः१,

**ग्रह संचार समय घडि पलामा**

२१ गते रेवत्यां२सूर्यः ११।३५
२२ गते उ.भा.यां२भौमः १५।१९
२३गते पुनःहस्तभे३शनिः ३।५७
२४ गते रेवत्यां३सूर्यः ३४।५६
२४ गते रेवत्यां३गुरुः ३४।३९

२४ गते पू.भा.यांशुक्रः ९।४२
२६ गते उ.भा.यां३भौमः ३१।४५
२७ गते रेवत्यां४सूर्यः ५८।४३
३० गते उ.भा.यां४भौमः ४८।५७
१ गते अ.१ मेषेऽर्कः२२।५९

| ५२ | चैत्र २३ गते बुधे ७।६ | |
|---|---|---|
| सू. | ११।२१।५३।३९ | ५९।२ |
| मं. | ११।७।२०।२६ | ४५।५५ |
| बु. | ११।२४।३८।३१ | ३३।२४ |
| वृ. | ११।२२।५८।४५ | १४।११ |
| शु. | १०।१८।४४।२ | ७२।५२ |
| श. | ५।१९।५९।४५ | ५।२ |
| रा. | ८।२।३४।४१ | ३।११ |

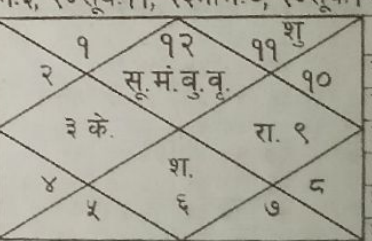


ग्रहाणां राशिप्रवेशः १गते सूर्यः१।

| १ | वैशाख १ ग गुरौ २२।५९ | |
|---|---|---|
| सू. | ०।०।०।० | ५८।४३ |
| मं. | ११।१३।४६।२४ | ४५।४४ |
| बु. | ११।१८।१८।३४ | ३८।१५ |
| वृ. | ११।२४।५९।१ | १४।११ |
| शु. | १०।२८।४६।२४ | ७३।२ |
| श. | ५।१९।१९।३४ | ४।५८ |
| रा. | ८।२।८।२४ | ३।११ |


**बिल लिने दिने वानी वसालौं**

सामान खरिद तथा विक्री गर्दाबिल लिने र दिने गरौं । तपाँइको सहभागिताले देश विकासमा सघाउ पुग्छ। विल नलिएमा तपाँइले तिरेको कर देश विकासका लागि नभईव्यक्तिगत हितमा उपयोग हुन्छ।

**आन्तरिक राजश्व विभाग**


## नववर्ष २०६८ को हार्दिक मङ्गलमय शुभकामना

हिमाल पञ्चाङ्गका सहप्रकाशन हिमाल सजिलो तथा दुर्गा सजिलो पात्रो (क्यालेण्डर) बजारमा उपलब्ध छन् । उक्त सजिलो पात्रोमा भएका सामाग्रीहरूको उपयोगगरी लाभ उठाऔं ।